# श्री कल्याणमंदिर

## बीजाक्षर महामण्डल विधान

रचयिता

संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के शिष्य

अनेक विधान रचयिता बुंदेली संत

**मुनि श्री सुव्रतसागरजी महाराज**

प्रस्तोता

बा. ब्र. संजय भैया, मुरैना

| | | |
|---|---|---|
| कृति | : | श्री कल्याणमंदिर<br>बीजाक्षर महामण्डल विधान |
| आशीर्वाद | : | संयम स्वर्ण महोत्सव मण्डित<br>आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज |
| कृतिकार | : | अनेक विधान रचयिता, बुंदेली संत<br>मुनि श्री सुव्रतसागरजी महाराज |
| संयोजक | : | बा. ब्र. संजय भैयाजी, मुरैना |
| संस्करण | : | प्रथम, ११०० प्रतियाँ |
| प्रसंग | : | २२वाँ चातुर्मास, २०२०, शिवपुरी |
| लागत मूल्य | : | ८५/- |
| टाइपिंग | : | पुनीत जैन शिवपुरी |
| कवर-पृष्ठ | : | प्राची जैन शिवपुरी |
| प्रकाशक | : | श्री जैनोदय विद्या समूह |
| प्राप्ति स्थान | : | १. संजीव कुमार जैन<br>2/251 सुहाग नगर, फिरोजाबाद (उ.प्र.)<br>सम्पर्क–9412811798, 9412623916<br>२. निखिल, सुशील जैन करैरा, झाँसी<br>9806380757, 9407202065 |
| मुद्रक | : | विकास आफसेट, भोपाल |


पुण्यार्जक

**ब्र. रजनी दीदी (बबीना)**

**ब्र. सोनाली दीदी (गुना)**

**पलक, मिंसी, खुशी, नैनी, सौम्या,**
**आद्रिका, साचिका, इवांशी,**
**मयंक, स्पर्श, अयांश जैन**

## अन्तर्भाव

जिनेन्द्र भगवान् की भक्ति कर्म काटने का सशक्त साधन है। जैसे लैंस के फोकस से कागज जल जाता है वैसे ही भक्ति के फोकस से हमारे कर्मरूपी कागज जल जाते हैं। भगवान् का नाम मात्र स्मरण करने से सभी किरणें फोकस बनकर पाप समूह को नष्ट करती हैं।

जिस समय पूरा विश्व कोरोना जैसी महामारी से जूझ रहा था वहीं शिवपुरी में प्रवास के दौरान प्रभु भक्ति करते हुए आगम के आधार पर पूर्वकृत पूजन विधि को ध्यान में रखकर **संयम स्वर्ण महोत्सव मण्डित संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज** के **सुयोग्य शिष्य अनेक विधान रचयिता बुंदेली संत परमपूज्य मुनि श्रीसुव्रतसागरजी महाराज** ने प्रस्तुत कृति **''श्री कल्याणमंदिर बीजाक्षर महामण्डल विधान''** की रचना करके महान् उपकार किया है। प्रस्तुत कृति में मुनिश्री के द्वारा आचार्य कुमुदचन्द्रजी रचित कल्याणमंदिर स्तोत्र के प्रत्येक अक्षर को एक बीजाक्षर के रूप में प्रस्तुत किया है जिसके माध्यम से श्रीपार्श्वनाथ भगवान की भक्ति करने का सुन्दर सोपान प्रदान किया है जो कि श्रावकों को भक्ति करने में पूर्ण सहयोगी बनेगी।

यह स्तोत्र भक्तों को जन्म-जरा और मरण से मुक्ति दिलाने वाला, लोकप्रिय और प्रभावशाली स्तोत्र है जिसकी प्रभावना पूर्व-पश्चिम-उत्तर-दक्षिण चारों ओर है। इस स्तोत्र को बिना किसी भेद-भाव से दिगम्बर और श्वेताम्बर परम्परा में श्रद्धापूर्वक पढ़ा जाता है क्योंकि यह स्तोत्र स्वयं में सिद्ध है और हर कार्य में सिद्धि दिलाने

वाला है। श्रद्धा के साथ भक्ति की भावना से ४४ मण्डल (माँड़ने) बनाकर अथवा एक मण्डल के साथ इस स्तोत्र की महा-आराधना करने से सभी इष्ट कार्य की सिद्धि होती है। इस स्तोत्र की आराधना में आत्मकल्याण के साथ विश्वशान्ति की भावना निहित होती है और सभी तरह के रोग-शोकादि दूर होते हैं तथा परमार्थ सुख की प्राप्ति होती है।

संध्या बेला में श्रद्धा-भक्ति से ४४ दीपों के साथ या एक दीप से प्रत्येक काव्य व मंत्र बोलते हुए दीप अर्चना अनुष्ठान भी कर सकते हैं। इस आराधना से अभी तक बहुत से लोगों ने अपनी मनोकामना और मनोभावना पूर्ण की है आप भी करें। इस कृति के संयोजन में ब्र. अंशु भैया, राजेश, अशोक, अर्चित, पुनीत, नमन, विशाल, रूपेश, सौरभ, रौनक, पीयूष, अभिषेक, रोहित, कलश पाठशाला की बहिनें प्राची, ऐश्वर्या, चाहना, आशी, स्वाति, खुशी, प्रतिभा, रूपाली आदि लोगों ने सहयोग किया उन सबके लिए बहुत-बहुत साधुवाद। सभी भगवान् की भक्ति करके अपूर्व पुण्यार्जन करेंगे इसी भावना के साथ सभी को सादर जय-जिनेन्द्र!

**तुम्हें सारथी बना लिया है, मोक्षपुरी के गजरथ का।**
**तुरत हमें दर्शन करवा दो, शुद्धातम के तीरथ का॥**
**कहो कहाँ हस्ताक्षर कर दें, हमको भी स्वीकार करो।**
**भक्त खड़े नत हाथ जोड़कर, हम सबका उद्धार करो॥**

**— बा. ब्र. संजय, मुरैना- 9425128817**

## मंगल मंत्र

धर्म चाहने वाले बोलें, ओम् णमो अरिहन्ताणं।
मोक्ष चाहने वाले बोलें, ओम् णमो सिद्धाणं।
दीक्षा चाहने वाले बोलें, ओम् णमो आइरियाणं।
शिक्षा चाहने वाले बोलें, ओम् णमो उवज्झायाणं।
शान्ति चाहने वाले बोलें, ओम् णमो लोये सव्वसाहूणं॥
जिनशासन के दर्शक बोलें, एसो पंच णमोयारो।
नवदेवों के सेवक बोलें, सव्व-पावप्पणासणो।
सिद्धों के आराधक बोलें, मंगलाणं च सव्वेसिं।
शुद्धातम के भावक बोलें, पढमं होई मंगलम्॥

## मंगल भावना

तेरा मंगल मेरा मंगल, सबका मंगल होवे।
सुखिया होवे सारी दुनियाँ, कोई दुखी न होवे॥
कण-कण मंगल क्षण-क्षण मंगल, जन-जन मंगल होवे।
हे प्रभु! निजमंगल के पहले, जग का मंगल होवे॥१॥ तेरा...
जिन माँ बाबुल ने जन्मा है, उनका मंगल होवे।
जिन बन्धु ने पाला पोषा, उनका मंगल होवे॥
जिन मित्रों ने हमें सम्हाला, उनका मंगल होवे।
जिन गुरुओं ने ज्ञान दिया है, उनका मंगल होवे॥२॥ तेरा...
जो धरती नभ आश्रय देते, उनका मंगल होवे।
जिस जलवायु से जीते हैं, उसका मंगल होवे॥
जिस अग्नि से जीवन चलता, उसका मंगल होवे।
जिन तरुओं से भोजन मिलता, उनका मंगल होवे॥३॥ तेरा...
हम जिस दुनियाँ में रहते हैं, उसका मंगल होवे।
हम जिस भारत देश में रहते, उसका मंगल होवे॥
हम जिस राज्य प्रान्त में रहते, उसका मंगल होवे।
हम जिस नगर शहर में रहते, उसका मंगल होवे॥४॥ तेरा...

===

## मंगलाचरण

**मंगलं भगवान्नर्हन् मंगलं सुसिद्धेश्वरः,**
**मंगलं श्रमणाचार्यो मंगलं साधुपाठकौ।**
**मंगलं जिननामानि मंगलं नवदेवता,**
**मंगलं शाश्वतमंत्रं मंगलं जिनशासनं॥**

## विनय पाठ

(दोहा)

इह विधि ठाड़ो होय के, प्रथम पढ़े जो पाठ।
धन्य जिनेश्वर देव तुम, नाशे कर्म जु आठ॥१॥
अनन्त चतुष्टय के धनी, तुम ही हो सिरताज।
मुक्तिवधु के कंत तुम, तीन भुवन के राज॥२॥
तिहुँ जग की पीड़ा हरन, भवदधि शोषणहार।
ज्ञायक हो तुम विश्व के, शिवसुख के करतार॥३॥
हरता अघ अंधियार के, करता धर्म-प्रकाश।
थिरता-पद दातार हो, धरता निजगुण रास॥४॥
धर्मामृत उर जलधि सों, ज्ञानभानु तुम रूप।
तुमरे चरण-सरोज को, नावत तिहुँ-जग-भूप॥५॥
मैं वन्दौं जिनदेव को, कर अति निर्मल भाव।
कर्म-बन्ध के छेदने, और न कछु उपाव॥६॥
भविजन को भव-कूप तैं, तुम ही काढ़नहार।
दीन-दयाल अनाथपति, आतम गुण भण्डार॥७॥
चिदानन्द निर्मल कियो, धोय कर्म-रज मैल।
सरल करी या जगत में, भविजन को शिव-गैल॥८॥

तुम पद-पंकज पूजतैं , विघ्न-रोग टर जाय।
शत्रु मित्रता को धरैं, विष निरविषता थाय॥९॥
चक्री खगधर इन्द्र पद, मिलैं आपतैं आप।
अनुक्रम करि शिवपद लहैं, नेम सकल हनि पाप॥१०॥
तुम बिन मैं व्याकुल भयो, जैसे जल बिन मीन।
जन्म जरा मेरी हरो, करो मोहि स्वाधीन॥११॥
पतित बहुत पावन किए, गिनती कौन करेव।
अंजन से तारे कुधी, जय जय जय जिनदेव॥१२॥
थकी नाव भवदधि विषैं, तुम प्रभु पार करेय।
खेवटिया तुम हो प्रभु, जय जय जय जिनदेव॥१३॥
राग सहित जग में रुल्यो, मिले सरागी देव।
वीतराग भेंट्यो अबै, मेटो राग कुटेव॥१४॥
कित निगोद कित नारकी, कित तिर्यंच अज्ञान।
आज धन्य मानुष भयो, पायो जिनवर थान॥१५॥
तुमको पूजैं सुरपति, अहिपति नरपति देव।
धन्य भाग्य मेरो भयो, करन लग्यो तुम सेव॥१६॥
अशरण के तुम शरण हो, निराधार आधार।
मैं डूबत भव सिन्धु में, खेव लगाओ पार॥१७॥
इन्द्रादिक गणपति थके, कर विनती भगवान्।
अपनो विरद निहारिकैं, कीजे आप समान॥१८॥
तुम्हरी नेक सुदृष्टि तैं, जग उतरत है पार।
हा! हा! डूब्यो जात हों, नेक निहार निकार ॥१९॥

जो मैं कहहूँ और सों, तो न मिटै उरझार।
मेरी तो तोसों बनी, यातैं करौं पुकार॥२०॥

वन्दों पाँचों परमगुरु, सुरगुरु वंदत जास।
विघनहरन मंगलकरन, पूरन परम प्रकाश॥२१॥

चौबीसों जिनपद नमों, नमों शारदा माय।
शिवमग साधक साधु नमि, रच्यों पाठ सुखदाय॥२२॥

**मंगलपाठ**

मंगल मूर्ति परम पद, पंच धरो नित ध्यान।
हरो अमंगल विश्व का, मंगलमय भगवान्॥२३॥

मंगल जिनवर पद नमों, मंगल अरहंत देव।
मंगलकारी सिद्धपद, सो वन्दों स्वयमेव॥२४॥

मंगल आचारज मुनि, मंगल गुरु उवझाय।
सर्व साधु मंगल करो, वन्दों मन-वच-काय॥२५॥

मंगल सरस्वती मात का, मंगल जिनवर धर्म।
मंगलमय मंगलकरण, हरो असाता कर्म॥२६॥

या विधि मंगल करन तें, जग में मंगल होत।
मंगल 'नाथूराम' यह, भवसागर दृढ़ पोत॥२७॥

**(पुष्पांजलिं...) (नौ बार णमोकार)**

## पूजन पीठिका

ॐ जय जय जय।

नमोऽस्तु! नमोऽस्तु!! नमोऽस्तु!!!

णमो अरिहंताणं, णमो सिद्धाणं, णमो आइरियाणं,

णमो उवज्झायाणं, णमो लोए सव्वसाहूणं॥

**ॐ ह्रीं अनादि मूल मंत्रेभ्यो नमः।** (पुष्पांजलिं...)

चत्तारि मंगलं, अरिहन्त मंगलं, सिद्ध मंगलं, साहू मंगलं,

केवलि पण्णत्तो धम्मो मंगलं।

चत्तारि लोगुत्तमा, अरिहन्त लोगुत्तमा, सिद्ध लोगुत्तमा, साहू

लोगुत्तमा, केवलि पण्णत्तो धम्मो लोगुत्तमो।

चत्तारि सरणं पव्वज्जामि, अरिहन्त सरणं पव्वज्जामि, सिद्ध

सरणं पव्वज्जामि, साहू सरणं पव्वज्जामि,

केवलि पण्णत्तं धम्मं सरणं पव्वज्जामि।

**ॐ नमोऽर्हते स्वाहा।** (पुष्पांजलिं...)

अपवित्रः पवित्रो वा, सुस्थितो दुःस्थितोऽपि वा।

ध्यायेत्पंच-नमस्कारं, सर्व-पापैः प्रमुच्यते॥

अपवित्रः पवित्रो वा, सर्वावस्थां गतोऽपि वा।

यः स्मरेत्परमात्मानं, स बाह्याभ्यन्तरे शुचिः॥

अपराजित-मंत्रोऽयं सर्व-विघ्न विनाशनः।

मंगलेषु च सर्वेषु , प्रथमं मंगलं मतः॥

ऐसो पंच णमोयारो, सव्व-पावप्प-णासणो।

मंगलाणं च सव्वेसिं, पढमं होई मंगलम्॥

अर्हं-मित्यक्षरं ब्रह्म, वाचकं परमेष्ठिनः।
सिद्ध चक्रस्य सद्बीजं, सर्वतः प्रणमाम्यहं॥
कर्माष्टक-विनिर्मुक्तं, मोक्ष लक्ष्मी निकेतनं।
सम्यक्त्वादि गुणोपेतं, सिद्धचक्रम् नमाम्यहं॥
विघ्नौघाः प्रलयं यान्ति, शाकिनी-भूत-पन्नगाः।
विषं निर्विषतां याति, स्तूयमाने जिनेश्वरे॥

(पुष्पांजलिं...)

**पंचकल्याणक अर्घ्य**

उदक चंदन तंदुल पुष्पकैश्, चरु सुदीप सुधूप फलार्घ्य कैः।
धवल मंगल गान रवाकुले, जिनगृहे जिनकल्याणक महं यजे॥

**ॐ ह्रीं श्री भगवतो गर्भजन्मतपज्ञाननिर्वाण पंचकल्याणकेभ्यो अनर्घपद प्राप्तये अर्घ्यं...।**

**पंचपरमेष्ठी अर्घ्य**

उदक चंदन तंदुल पुष्पकैश्, चरु सुदीप सुधूप फलार्घ्य कैः।
धवल मंगल गान रवाकुले, जिनगृहे जिन इष्ट(नाथ) महं यजे॥

**ॐ ह्रीं श्री अर्हत्सिद्धाचार्योपाध्यायसर्वसाधु पंचपरमेष्ठिभ्यो अर्घ्यं...।**

**जिनसहस्त्रनाम अर्घ्य**

उदक चंदन तंदुल पुष्पकैश्, चरु सुदीप सुधूप फलार्घ्य कैः।
धवल मंगल गान रवाकुले, जिनगृहे जिननाम महं यजे॥

**ॐ ह्रीं श्री भगवज्जिन अष्टोत्तर सहस्त्र नामेभ्यो अर्घ्यं...।**

**तत्त्वार्थसूत्र जी अर्घ्य**

उदक चंदन तंदुल पुष्पकैश्, चरु सुदीप सुधूप फलार्घ्य कैः।
धवल मंगल गान रवाकुले, जिनगृहे जिनसूत्र महं यजे॥

**ॐ ह्रीं श्री उमास्वामीजी विरचित तत्त्वार्थसूत्रेभ्यो अर्घ्यं...।**

**भक्तामर स्तोत्र एवं अन्य समस्त स्तोत्र अर्घ्य**

उदक चंदन तंदुल पुष्पकैश्, चरु सुदीप सुधूप फलार्घ्य कैः।
धवल मंगल गान रवाकुले, जिनगृहे जिनस्तोत्र महं यजे॥

**ॐ ह्रीं श्री भक्तामर स्तोत्राय एवं समस्त जिन-स्तोत्रेभ्यो अर्घ्यं...।**

**तीन कम नौ कोटि मुनिराज अर्घ्य**

उदक चंदन तंदुल पुष्पकैश्, चरु सुदीप सुधूप फलार्घ्य कैः।
धवल मंगल गान रवाकुले, जिनगृहे मुनिराज महं यजे॥

**ॐ ह्रीं श्री त्रिन्यून-नवकोटि-मुनिवरेभ्यो अर्घ्यं...।**

**पूजा-प्रतिज्ञा पाठ**

श्रीमज्जिनेन्द्र-मभिवंद्य जगत्-त्रयेशं,
स्याद्वाद्-नायक-मनन्त-चतुष्टयार्हम्।
श्री मूलसंघ सुदृशां सुकृतैक हेतुः,
जैनेन्द्र यज्ञ विधिरेष मयाऽभ्यधायि॥१॥

**( आगे प्रत्येक स्वस्ति उच्चारण के साथ पुष्प क्षेपण करें )**

स्वस्ति त्रिलोक-गुरवे जिन-पुंगवाय,
स्वस्ति स्वभाव-महिमोदय-सुस्थिताय।
स्वस्ति प्रकाश सहजोर्ज्जित-दृङ्मयाय,
स्वस्ति प्रसन्न-ललिताद्-भुत-वैभवाय॥२॥
स्वस्त्युच् छल-द्विमल-बोध-सुधा-प्लवाय,
स्वस्ति स्वभाव-परभाव-विभासकाय।
स्वस्ति त्रिलोक-विततैक-चिदुद् गमाय,
स्वस्ति त्रिकाल-सकलायत-विस्तृताय॥३॥
द्रव्यस्य शुद्धि-मधिगम्ययथानुरूपं,
भावस्य शुद्धि-मधिकामधि-गंतुकामः।

आलम्बनानि विविधान्य-वलम्ब्य वल्गन्,
भूतार्थयज्ञ-पुरुषस्य करोमि यज्ञम्॥४॥
अर्हत्पुराण-पुरुषोत्तम-पावनानि,
वस्तून् यनून मखिलान्य यमेक येव।
अस्मिञ्ज्वलद् विमल-केवल-बोध-वह्नौ,
पुण्यं समग्र मह मेक मना जुहोमि॥५॥

**ॐ ह्रीं विधियज्ञ प्रतिज्ञानाय जिनप्रतिमाग्रे पुष्पांजलिं...।**

## स्वस्ति मंगल-पाठ

**(आगे प्रत्येक स्वस्ति उच्चारण के साथ पुष्प क्षेपण करें )**

श्रीवृषभो नः स्वस्ति, स्वस्ति श्रीअजितः।
श्रीशम्भवः स्वस्ति, स्वस्ति श्रीअभिनन्दनः॥
श्रीसुमतिः स्वस्ति, स्वस्ति श्रीपद्मप्रभः।
श्रीसुपार्श्वः स्वस्ति, स्वस्ति श्रीचन्द्रप्रभः॥
श्रीपुष्पदन्तः स्वस्ति, स्वस्ति श्रीशीतलः।
श्रीश्रेयान् स्वस्ति, स्वस्ति श्रीवासुपूज्यः॥
श्रीविमलः स्वस्ति, स्वस्ति श्रीअनन्तः।
श्रीधर्मः स्वस्ति, स्वस्ति श्रीशान्तिः॥
श्रीकुन्थुः स्वस्ति, स्वस्ति श्रीअरनाथः।
श्रीमल्लिः स्वस्ति, स्वस्ति श्रीमुनिसुव्रतः॥
श्रीनमिः स्वस्ति, स्वस्ति श्रीनेमिनाथः।
श्रीपार्श्वः स्वस्ति, स्वस्ति श्रीवर्द्धमानः॥

**(पुष्पांजलिं...)**

## परमर्षि स्वस्ति मंगल-पाठ

**( आगे प्रत्येक स्वस्ति उच्चारण के साथ पुष्प क्षेपण करें )**

नित्या-प्रकंपाद्-भुत केवलौघाः, स्फुरन्मनः पर्यय शुद्ध बोधाः।
दिव्यावधिज्ञान बल प्रबोधाः, स्वस्ति क्रियासुः परमर्षयो नः ॥१॥

कोष्ठस्थ धान्योप-ममेक बीजं, संभिन्न संश्रोतृ पदानुसारि।
चतुर्विधं बुद्धिबलं दधानाः, स्वस्ति क्रियासुः परमर्षयो नः ॥२॥

संस्पर्शनं संश्रवणं च दूरा, दास्वाद-नघ्राण विलोकनानि।
दिव्यान् मतिज्ञान बलाद्वहन्तः, स्वस्ति क्रियासुः परमर्षयो नः ॥३॥

प्रज्ञा प्रधानाः श्रमणाः समृद्धाः, प्रत्येक बुद्धाः दशसर्व पूर्वैः।
प्रवादिनोऽष्टांग निमित्त विज्ञाः, स्वस्ति क्रियासुः परमर्षयो नः ॥४॥

जंघानल श्रेणी फलांबु तंतु, प्रसून बीजांकुर चारणाह्वाः।
नभोऽगण स्वैर विहारिणश्च, स्वस्ति क्रियासुः परमर्षयो नः ॥५॥

अणिम्नि दक्षा कुशला महिम्नि, लघिम्नि शक्ताः कृतिनो गरिम्णि।
मनो वपु र्वाग्बलिनश्च नित्यं, स्वस्ति क्रियासुः परमर्षयो नः ॥६॥

सकाम रूपित्व वशित्व मैश्यं, प्राकाम्य मन्तर्द्धि मथाप्तिमाप्ताः।
तथाऽप्रतीघात गुण प्रधानाः, स्वस्ति क्रियासुः परमर्षयो नः ॥७॥

दीप्तं च तप्तं च तथा महोग्रं, घोरं तपो घोर परा क्रमस्थाः।
ब्रह्मापरं घोर गुणाश्चरन्तः, स्वस्ति क्रियासुः परमर्षयो नः ॥८॥

आमर्ष - सर्वौषधयस्तथाशी - र्विषाविषाः दृष्टिविषाविषाश्च।
सखिल्ल विड्जल्ल मलौषधीशाः, स्वस्ति क्रियासुः परमर्षयो नः ॥९॥

क्षीरं-स्रवंतोऽत्र घृतं-स्रवंतो, मधु-स्रवंतोऽप्य-मृतं-स्रवंतः।
अक्षीण संवास महान साश्च, स्वस्ति क्रियासुः परमर्षयो नः ॥१०॥

**(इति परमर्षिस्वस्ति मंगल विधानं परि पुष्पांजलिं...)**

## श्री नवदेवता पूजन

(हरिगीतिका)

जब प्रार्थना को कर जुड़े तो, आतमा आकुल हुई।
जब वन्दना को पग उठे तो, वेदना व्याकुल हुई॥
जब साधना को सुर सजे तो, गुनगुनाएँ गीत हम।
जब अर्चना को मन हुआ तो, आ गये जिन-तीर्थ हम॥
अरिहन्त सिद्धाचार्य गुरु-उवझाय साधु जिन-धरम।
जिन-शास्त्र-प्रतिमाएँ जिनालय, देवता ये नव परम॥
नव देवताओं की करें हम, अर्चना पूजें चरण।
बस प्रार्थना हम भक्त की सुन, दीजिये हमको शरण॥

(दोहा)

नव देवों को हम भजें, करें-करें आह्वान।
हृदयासन आसीन हों, भक्तों के भगवान॥

**ॐ ह्रीं श्रीअर्हत्-सिद्धाचार्य-उपाध्याय-सर्वसाधु-जिनधर्म-जिनागम-जिनचैत्य-चैत्यालय समूह अत्र अवतर-अवतर...। अत्र तिष्ठ तिष्ठ ठः ठः...। अत्र मम सन्निहितो भव भव वषट्...।** (पुष्पांजलिं...)

(सखी)

अपने ही हमको जन्में, फिर मारें और जलाएँ।
फिर पीछे आँसु बहाके, कर हाय! हाय! चिल्लाएँ॥
मृग मरीचिका अपनों की, तुम सम तजने जल लाए।
नव देव हमें आश्रय दो, हम भेंट नमोऽस्तु लाए॥

**ॐ ह्रीं श्री नवदेवेभ्यो जन्मजरामृत्युविनाशनाय जलं...।**

हम करें भरोसा जिन पर, वे धोखे हमको देते।
हम दिल में जिन्हें वसाएँ, वे राख हमें कर देते॥

तुम सम अपनों की तृष्णा, हम तजने चंदन लाए।
नव देव हमें आश्रय दो, हम भेंट नमोऽस्तु लाए॥

**ॐ ह्रीं श्री नवदेवेभ्यः संसारतापविनाशनाय चंदनं...।**

हम जिनको गले लगाएँ, वे गला हमारा घोंटें।
वे हमको खूब रुलाएँ, हम जिनके आंसू पोंछें॥
यह अपनों की आकुलता, तजने हम अक्षत लाए।
नव देव हमें आश्रय दो, हम भेंट नमोऽस्तु लाए॥

**ॐ ह्रीं श्री नवदेवेभ्यो अक्षयपदप्राप्तये अक्षतान्...।**

अपने ही फाँसी दें फिर, फोटो पर माला डालें।
वाणी के बाण चलाके, चित् छिन्न-भिन्न कर डालें॥
तुम सम अपनों के कांटे, तजने पुष्पों को लाए।
नव देव हमें आश्रय दो, हम भेंट नमोऽस्तु लाए॥

**ॐ ह्रीं श्री नवदेवेभ्यः कामबाणविध्वंसनाय पुष्पाणि...।**

खुद भूखे प्यासे रहकर, अपनों की भूख मिटाई।
जीवन में विष वे घोलें, जिनको दें दूध मलाई॥
विश्वासघात अपनों का, सहने नैवेद्य चढ़ाएँ।
नव देव हमें आश्रय दो, हम भेंट नमोऽस्तु लाए॥

**ॐ ह्रीं श्री नवदेवेभ्यः क्षुधारोगविनाशनाय नैवेद्यं...।**

गोदी में जिन्हें खिलाएँ, हम काजल जिन्हें लगाएँ।
हथकड़ी बेड़ियाँ वे दें, हम चलना जिन्हें सिखाएँ॥
यों तजें मोह माया ज्यों, तुम तज निजदीप जलाए।
नव देव हमें आश्रय दो, हम भेंट नमोऽस्तु लाए॥

**ॐ ह्रीं श्री नवदेवेभ्यो मोहान्धकारविनाशनाय दीपं...।**

घर जिनका यहाँ वसाकर, जी-जान जिन्हें हम सौंपें।

वे घर-घर हमें फिराएँ, पीछे से चाकू घौंपें॥
बेरुखी तजें अपनों की, सो धूप भूप को लाए।
नव देव हमें आश्रय दो, हम भेंट नमोऽस्तु लाए॥

**ॐ ह्रीं श्री नवदेवेभ्यो अष्टकर्मदहनाय धूपं...।**

बदनाम हुए हम जिनको, बदनाम हमें वे करते।
सुख चैन वही तो छीनें, फिर हम क्यों उन पर मरते॥
अपनों की आँख-मिचौली, तुम सम तजने फल लाए।
नव देव हमें आश्रय दो, हम भेंट नमोऽस्तु लाए॥

**ॐ ह्रीं श्री नवदेवेभ्यो मोक्षफलप्राप्तये फलं...।**

हम जिनको सगा समझते, वे देकर दगा दबाएँ।
फिर देकर दाग जलाएँ, हम जिन पर प्राण लुटाएँ॥
ये दाग दगा अपनों के, तजने को अर्घ्य चढ़ाएँ।
नव देव हमें आश्रय दो, हम भेंट नमोऽस्तु लाए॥

**ॐ ह्रीं श्री नवदेवेभ्यो अनर्घ्यपदप्राप्तये अर्घ्यं...।**

## जयमाला

**(दोहा)**

जिननवदेवा पूज्य हैं, जिन की जोड़ न तोड़।
अतः कहें जयमालिका, हाथ जोड़ सिर मोड़॥

**(भुजंगप्रयात)**

जितेन्द्री हितैषी अरिहन्त प्यारे, हमें तारते सो नमोऽस्तु हमारे।
निकर्मा सभी सिद्ध शुद्धात्म धारे, तुम्हीं भक्त के लक्ष्य वन्दन हमारे॥१॥

परम पूज्य आचार्य दीक्षादि दानी, यथाजात रत्नत्रयी को नमामि।
हमें मोक्ष का मार्ग दें तत्त्वज्ञानी, नमोऽस्तु तुम्हें हो उपाध्याय स्वामी॥२॥

दिगम्बर निरम्बर चिदातम विहारी, सभी साधुओं को नमोऽस्तु हमारी।

यही पंचपरमेष्ठी आदर्श अपने, इन्हें पूजने से हुए पूर्ण सपने॥३॥
सदा चक्र जिनधर्म का ही चलेगा, इसी से चिदानंद हमको मिलेगा।
जिनागम करें पूर्ण अध्यात्म शान्ति, हरें मोह मिथ्यात्व अज्ञान भ्रांति॥४॥
जगत् पूज्य जिनबिम्ब हैं चैत्य साँचे, करें दर्श तो भक्त भक्ति से नाँचें।
कृत्रिम अकृत्रिम जिनालय हमारे, समोसर्ण जैसे हमें हैं सहारे॥५॥
यही देवता हैं नवों पूज्य स्वामी, इन्हीं की कृपा से मिले मुक्तिरानी।
इन्हीं के मिलें दर्श जब पुण्य जागें, इन्हें पूजने से सभी कष्ट भागें॥६॥
जपें जाप तो शुद्ध आतम बनेगी, धरें ध्यान तो ज्ञान ज्योति जलेगी।
अतः प्राप्त छाया इन्हीं की हमें हो, इसी से नमोऽस्तु सदा ही इन्हें हो॥७॥
हमें प्राप्त रत्नत्रयी धर्म होवे, पुनः भेद विज्ञान से कर्म खोवें।
नवों देवता से धरें प्रेम हम भी, बनें संत अरिहन्त फिर सिद्ध हम भी॥८॥
हमें रूप सत्यं शिवं सुन्दरं दो, चले आए हम भी तभी मंदिरं को।
कि जब तक यहाँ चाँद तारे रहेंगे, सदा गीत 'सुव्रत' तो गाते रहेंगे॥९॥

(दोहा)

मुक्तिरमा के धाम हैं, चित् चैतन्य मुकाम।
परमपूज्य नवदेव को, बारम्बार प्रणाम॥

**ॐ ह्रीं श्री अर्हत्-सिद्धाचार्य-उपाध्याय-सर्वसाधु-जिनधर्म-जिनागम-जिनचैत्य-चैत्यालयेभ्यो जयमाला पूर्णार्घ्यं...।**

(दोहा)

करें पूज्य नवदेवता, विश्वशान्ति कल्याण।
प्रासुक जल की धार दे, हम पूजत भगवान॥

**(शान्तये शान्तिधारा)**

कल्पवृक्ष के पुष्पसम, पुष्पांजलि पद लाए।
भव दुःखों को मेंट दो, नवदेवा जिनराय॥

**(पुष्पांजलिं...)**

# अर्घ्यावली

## अकृत्रिम चैत्यालय का अर्घ्य

(ज्ञानोदय)

अर्हंतों बिन जिन बिम्बों से, धर्म ध्यान हम करते हैं।
बिम्ब बिना चैत्यालय सुन लो, भक्त न पूजा करते हैं॥
अर्घ्य चढ़ा के मंदिर पूजें, तारणतरण खिवैया सा।
अकृत्रिम चैत्यालय भज के, पाएँ तीर तिरैया सा॥

**ॐ ह्रीं श्री अकृत्रिम चैत्यालय सम्बन्धी जिनबिम्बेभ्यो अनर्घ्यपदप्राप्तये अर्घ्यं...।**

## विद्यमान बीसतीर्थंकर का अर्घ्य

(दोहा)

विद्यमान तीर्थंकरा, विदेहक्षेत्र के बीस।
आत्म द्रव्य के लाभ को, करें नमोऽस्तु धर शीश॥

**ॐ ह्रीं विदेहक्षेत्रस्थ विद्यमानविंशति तीर्थंकरेभ्यः पूर्णार्घ्यं...।**

## सिद्धपरमेष्ठी का अर्घ्य

(सखी)

कर नष्ट अष्ट कर्मों को, तुमने निज नगर वसाया।
तब मुक्तिवधू ने तुमको, झट अपने गले लगाया॥
इस देह नगर की दुनियाँ, अपने सम दूर करा दो।
अर्घ्यार्पण करें नमोऽस्तु, हमको भी सिद्ध बना लो॥

**ॐ ह्रीं णमो सिद्धाणं अनन्तानन्त सिद्धपरमेष्ठिभ्यो अनर्घपद प्राप्तये अर्घ्यं...।**

## चौबीसी का अर्घ्य

(लय–चौबीसी वत्...)

यह अर्घ्य करो स्वीकार, आतम के रसिया।
हम पाएँ आत्म फुहार, सींचें निज बगिया॥

तीर्थंकर प्रभु चौबीस, आत्मिक शान्ति भरें।
हमको दे दो आशीष, हम तो नमोऽस्तु करें॥

**ॐ ह्रीं श्री वृषभादिवीरान्तेभ्यो अनर्घपद प्राप्तये अर्घ्यं...।**

## तीस चौबीसी का अर्घ्य

**(सखी)**

नहिं केवल अर्घ चढ़ाने, नहिं श्रेष्ठ पदों को पाने।
बस तीस चौबीसी भजने, हम आए नमोऽस्तु करने॥

**ॐ ह्रीं तीस चौबीसी सम्बन्धी सप्तशत विंशति तीर्थंकरेभ्यो अनर्घपद प्राप्तये अर्घ्यं...।**

## श्रीआदिनाथ स्वामी अर्घ्य

**(शुद्ध गीता)**

मिलाकर आठ द्रव्यों को, बनाया अर्घ्य मनहारी।
बिठा दो आठवी भू पर, नशें दुख द्वन्द्व दुखकारी॥
प्रभो! आदीश की अर्चा, करें हम आज तन-मन से।
सुनो! अब प्रार्थना स्वामी, हरो संकट भगत जन के॥

**ॐ ह्रीं श्रीवृषभनाथ जिनेन्द्राय अनर्घपदप्राप्तये अर्घ्यं.....।**

## श्री चन्द्रप्रभ स्वामी अर्घ्य

**(ज्ञानोदय)**

अष्ट अंगमय नमस्कार कर, अष्ट शुद्धिमय आए हम।
अष्ट कर्म को हरने स्वामी, अष्ट द्रव्य भी लाए हम॥
अष्टम वसुधा मिलती, अष्टम-चन्द्रप्रभु की पूजन से।
यश वैभव उत्तम पद मिलते, सविनय अर्घ्य समर्पण से॥

**ॐ ह्रीं श्रीचन्द्रप्रभ जिनेन्द्राय अनर्घपदप्राप्तये अर्घ्यं.....।**

### श्री शान्तिनाथ स्वामी अर्घ्य (मालती)

जब-जब शान्ति विधान किया ना, तब-तब है हर क्रिया अधूरी।
जब-जब है हर क्रिया अधूरी, तब-तब न कम हो आपस की दूरी॥
जैसे ही शान्ति विधान रचाए, अंदर से मुक्ति का पाया इशारा।
जिनको सादर करके नमोस्तु, चरणों में अर्पित अर्घ्य हमारा॥

**ॐ ह्रीं श्रीशान्तिनाथ जिनेन्द्राय अनर्घपदप्राप्तये अर्घ्यं.....।**

### श्री नेमिनाथ स्वामी अर्घ्य

**(लय : श्री सिद्धचक्र का पाठ...)**

श्री नेमिप्रभु के पर्व, चढ़ा के अर्घ्य, सर्व कल्याणी।
हम करें नमोऽस्तु स्वामी॥
प्रभु देख प्राणियों का क्रंदन, झट तजे राज राजुल बन्धन।
फिर माँ-बाबुल का तज के दाना पानी, प्रभु बने भेद विज्ञानी।
श्री नेमिप्रभु के....॥

**ॐ ह्रीं श्रीनेमिनाथ जिनेन्द्राय अनर्घ्यपदप्राप्तये अर्घ्यं.....।**

### श्री पार्श्वनाथ स्वामी अर्घ्य (ज्ञानोदय)

द्रव्य मिला वसु अर्घ्य बनाए, भक्त मूल्य इसका जानें।
ऋद्धि-सिद्धि मंगलमय सक्षम, इच्छा पूरक भी मानें॥
अर्घ्य चढ़ा अनर्घपद पाने, पार्श्वनाथ को हम ध्याएँ।
भयहर! हे उपसर्ग विजेता!, भक्तों के मन वस जाएँ॥

**ॐ ह्रीं श्रीपार्श्वनाथ जिनेन्द्राय अनर्घपदप्राप्तये अर्घ्यं.....।**

### श्री महावीर स्वामी अर्घ्य (ज्ञानोदय)

हम तो एक जमीं के कण हैं, तीन लोक के तुम स्वामी।
अपना जीवन निंदित है पर, श्रेष्ठ पूज्य तुम जगनामी॥

ओस बूँद हम रत्नाकर तुम, रत्नों से झोली भर दो।
हम तो अर्घ्य चढ़ाएँ सादर, नजर दया की तुम कर दो॥

**ॐ ह्रीं श्रीमहावीर जिनेन्द्राय अनर्घपदप्राप्तये अर्घ्यं.....।**

## बाहुबली भगवान का अर्घ्य (शंभु)

वैराग्य तुम्हारा देखा तो, भरतेश झुके भू अम्बर भी।
तब मुक्तिवधू नत नयना हो, वरमाला करे स्वयंवर भी॥
हो काश! हमारा भी ऐसा, सो अर्घ्य मनोहर अर्पित है।
प्रभु बाहुबली को नमोऽस्तु कर, चरणों में भक्ति समर्पित है॥

**ॐ ह्रीं श्री बाहुबली जिनेन्द्राय अनर्घपद प्राप्तये अर्घ्यं...।**

## सप्तर्षि का अर्घ्य (दोहा)

श्री मनु स्वरमनु श्रीनिचय, सर्वसुन्दर जयवान।
विनयलालस जयमित्रजी, भजें सप्तऋषि नाम॥

**ॐ ह्रीं श्री मनु स्वरमनु श्रीनिचय सर्वसुन्दर जयवान विनयलालस जयमित्राख्य-चारणऋषिभ्यो नमः अर्घ्यं...।**

## निर्वाणक्षेत्र का अर्घ्य (शुद्ध गीता)

उसी मय आत्मा होती, जिसे जो चाहते मन से।
किया जब ध्यान सिद्धों का, मिले सो सिद्ध भगवन से॥
करें शुद्धात्म सिद्धों सम, अतः यह अर्घ्य अर्पित है।
भजें निर्वाण क्षेत्रों को, नमोऽस्तु भी समर्पित है॥

**ॐ ह्रीं अर्हं श्री निर्वाणक्षेत्रात् मुक्तिप्राप्त मुनिभ्यो अनर्घपद प्राप्तये अर्घ्यं...।**

## श्री सम्मेदशिखर का अर्घ्य

(शंभु)

सम्मेदशिखर का तीरथ तो, सब तीर्थों का ही सार रहा।
सो इसकी तीर्थ वन्दना बिन, हम समझें सब निस्सार रहा॥

अब अर्घ चढ़ा हर टोंकों को, कर परिक्रमा निज खोज रहे।
सो कहें णमो सिद्धाणं हम, सम्मेदशिखर को पूज रहे॥

**ॐ ह्रीं श्री सम्मेदशिखर सिद्धक्षेत्रेभ्यो अनर्घपद प्राप्तये अर्घ्यं...।**

## जिनवाणी का अर्घ्य

**(त्रिभंगी)**

जिनवाणी मैया, संयम नैया, दे के भैया, मुक्त करें।
सो करें सवारी, हों अनगारी, मुक्ति नारी, प्राप्त करें॥
तीर्थंकर वाणी, सुनकर ज्ञानी, गणधर स्वामी, श्रुत रचते।
माँ सरस्वती हम, पाने आतम, अर्घ्य से अर्चन, अब करते॥

**ॐ ह्रीं श्री जिनमुखोद्भव सरस्वतीदैव्यै अनर्घ्यपदप्राप्तये अर्घ्यं...।**

## आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज का अर्घ्य

**(ज्ञानोदय)**

अतुलनीय विद्यागुरुवरजी, तुल न सके उपकरणों से।
सब उपमाएँ फीकी पड़तीं, सज न सके आभरणों से॥
यूँ तो गुरु के सिर पर कोई, ताज नहीं आवाज नहीं।
पर ऐसा है कौन यहाँ दिल, जिस पर गुरु का राज नहीं॥

**ॐ ह्रूं आचार्य गुरुवर श्रीविद्यासागर मुनीन्द्राय अनर्घपद प्राप्तये अर्घ्यं...।**

## मुनि श्री सुव्रतसागरजी महाराज का अर्घ्य

**(ज्ञानोदय)**

अष्ट द्रव्य ले सोच रहे हम, और समर्पित क्या कर दें।
तन मन जीवन गुरु चरणों में, जल्दी अर्पित हम कर दें॥
गुरु चरणों के योग्य बनें हम, सु-व्रत दान हमें दे दो।
कर नमोऽस्तु यह अर्घ्य चढ़ाएँ, अपनी शरण हमें ले लो॥

**ॐ ह्रः श्री सुव्रतसागर मुनीन्द्राय अनर्घपदप्राप्तये अर्घ्यं...।**

## सिद्धभक्ति (प्राकृत)

असरीरा जीवघणा, उवजुत्ता दंसणेय णाणेय।
सायार मणायारा, लक्खणमेयं तु सिद्धाणं॥
मूलोत्तर पयडीणं, बन्धोदयसत्त-कम्म उम्मुक्का।
मंगलभूदा सिद्धा, अट्ठगुणा तीद संसारा॥
अट्ठ वियकम्म वियला, सीदीभूदा णिरंजणा णिच्चा।
अट्ठ गुणा किदकिच्चा, लोयग्गणिवासिणो सिद्धा॥
सिद्धा णट्ठट्ठ मला, विसुद्ध बुद्धीय लद्धि सब्भावा।
तिहुअणसिर-सेहरया, पसियंतु भडायरा सव्वे॥
गमणागमण विमुक्के, विहडियकम्मपयडि संघारा।
सासह सुह संपत्ते, ते सिद्धा वंदिमो णिच्चं॥
जय मंगल भूदाणं, विमलाणं णाणदंसणमयाणं।
तइलोइसेहराणं, णमो सदा सव्व सिद्धाणं॥
**सम्मत्त-णाणदंसण-वीरिय सुहुमं तहेव अवग्गहणं।**
**अगुरुलघुमव्वावाहं, अट्ठगुणा होंति सिद्धाणं॥**
**तवसिद्धे णयसिद्धे, संजमसिद्धे चरित्रसिद्धे य।**
**णाणम्मि दंसणम्मि य, सिद्धे सिरसा णमस्सामि॥**

**इच्छामि भंते! सिद्धभत्तिकाउस्सग्गोकओ तस्सालोचेउं सम्मणाण सम्मदंसण सम्मचरित्त जुत्ताणं अट्ठविह कम्म-विप्पमुक्काणं अट्ठगुण-संपण्णाणं उड्ढलोयमत्थयम्मि पइट्ठियाणं तवसिद्धाणं णयसिद्धाणं संजमसिद्धाणं चरित्तसिद्धाणं अतीताणागदवट्टमाणकालत्तय सिद्धाणं सव्वसिद्धाणं णिच्चकालं अंचेमि पुज्जेमि वंदामि णमंसामि दुक्खक्खओ कम्मक्खओ बोहिलाओ सुगइगमणं समाहिमरणं जिणगुणसंपत्ति होउ मज्झं।**

## मंगलाचरण

ओम् नमः सिद्धेभ्यः।–४

(जोगीरासा)

तीर्थंकर उपसर्ग विजेता, मोक्षमार्ग के स्वामी।
चौबीसी में सबसे न्यारे, जिनवर अंतर्यामी॥
विघ्न विनाशक धर्म प्रदायक पूजित केवलज्ञानी।
पार्श्वप्रभु को करके नमोऽस्तु, बारम्बार नमामि॥१॥
ओम् नमः सिद्धेभ्यः ...

पार्श्वनाथ की भक्ति अर्चना, जग में अतिशयकारी।
कुमुदचन्द्र आचार्य प्रवर ने, लिखी भक्ति गुणकारी॥
प्रकट हुए तो पार्श्वनाथ जी, सब का हृदय छुआ रे।
कल्याणमंदिर स्तोत्र तभी से, जगत प्रसिद्ध हुआ रे॥२॥
ओम् नमः सिद्धेभ्यः ...

नमन वन्दना पाठ अर्चना, अनुष्ठान कर साँचे।
विघ्न कष्ट दुख दर्द नष्ट हों, भक्त खुशी से नाँचे॥
सब संसार सुखों को पाके, मोक्षमार्ग को पाएँ।
'विद्या' के 'सुव्रत' की इच्छा, दुख उपसर्ग नशाएँ॥३॥
ओम् नमः सिद्धेभ्यः ...

तेरा मंगल मेरा मंगल, सबका मंगल होवे।
सुखिया होवे सारी दुनियाँ, कोई दुखी ना होवे।
कण–कण मंगल क्षण–क्षण मंगल, जन–जन मंगल होवे॥
कल्याणमंदिर को नमोऽस्तु कर, जग का मंगल होवे।
पार्श्वप्रभु को नमोऽस्तु कर, जग का मंगल होवे॥४॥
ओम् नमः सिद्धेभ्यः ...

(पुष्पांजलिं...)

# कल्याणमंदिर विधान

**स्थापना (हरिगीतिका)**

कल्याणमंदिर को नमन कर, पार्श्वप्रभु को पूज लें।
दुख संकटों को दूर करके, चेतना सुख खोज लें॥
इस भाव से हम द्रव्य लेकर, पूरते रंगोलियाँ।
यदि आप के चरणा पड़ें तो, हों दिवाली होलियाँ॥

**(दोहा)**

पार्श्वनाथ भगवान को, मन मंदिर में धार।
पूजन के पहले करें, नमोऽस्तु बारम्बार॥

**ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं महाबीजाक्षरसम्पन्न श्रीपार्श्वनाथजिनेन्द्र! अत्र अवतर अवतर...। अत्र तिष्ठ तिष्ठ ठः ठः...। अत्र मम सन्निहितो भव भव वषट्...।** (पुष्पांजलिं...)

कल्याणमंदिर का सरस जल, जन्म मृत्यु दुख हरे।
जिनभक्ति की महिमा दिखाकर, चेतना में सुख भरे॥
चैतन्य जल की प्राप्ति हेतु, भेंट जल हम कर रहे।
कल्याणमंदिर को नमोऽस्तु, पार्श्वप्रभु को भज रहे॥

**ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं महाबीजाक्षरसम्पन्न श्रीपार्श्वनाथजिनेन्द्राय जन्म-जरा-मृत्युविनाशनाय जलं...।**

कल्याणमंदिर से मिलेगी, छाँव पारसनाथ की।
जिससे मिलेगी शान्ति निज की, फिक्र फिर किस बात की॥
संसार का संग्राम तजने, भेंट चंदन कर रहे।
कल्याणमंदिर को नमोऽस्तु, पार्श्वप्रभु को भज रहे॥

**ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं महाबीजाक्षरसम्पन्न श्रीपार्श्वनाथजिनेन्द्राय संसारताप-विनाशनाय चंदनं...।**

कल्याणमंदिर से रुकेगी, दुखद यात्रा मोह की।
विश्राम आतम को मिलेगा, प्राप्ति होगी मोक्ष की॥

अब कमठ जैसी भूल तजने, भेंट अक्षत कर रहे।
कल्याणमंदिर को नमोऽस्तु, पार्श्वप्रभु को भज रहे॥

**ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं महाबीजाक्षरसम्पन्न श्रीपार्श्वनाथजिनेन्द्राय-अक्षयपद-प्राप्तये अक्षतान्...।**

कल्याणमंदिर काव्य माला, गूँथना जो सीख ले।
खुद भेंट हों प्रभु चरण में तो, पुष्प आतम का खिले॥
इस काम का आतंक तजने, पुष्प अर्पित कर रहे।
कल्याणमंदिर को नमोऽस्तु, पार्श्वप्रभु को भज रहे॥

**ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं महाबीजाक्षरसम्पन्न श्रीपार्श्वनाथजिनेन्द्राय कामबाण-विध्वंसनाय पुष्पाणि...।**

कल्याणमंदिर के पदों की, चार पंक्ति जो पढ़ें।
वे चार अंगुल रूप रसना, पर विजय निश्चित करें॥
अध्यात्म का रस लें अतः, नैवेद्य अर्पित कर रहे।
कल्याणमंदिर को नमोऽस्तु, पार्श्वप्रभु को भज रहे॥

**ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं महाबीजाक्षरसम्पन्न श्रीपार्श्वनाथजिनेन्द्राय क्षुधारोग-विनाशनाय नैवेद्यं...।**

कल्याणमंदिर की करें जो, आरती दीपक जला।
दुख संकटों पर कर विजय वो, विश्व का करते भला॥
प्रभु पार्श्व जैसे पथ चुनें सो, दीप अर्पित कर रहे।
कल्याणमंदिर को नमोऽस्तु, पार्श्वप्रभु को भज रहे॥

**ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं महाबीजाक्षरसम्पन्न श्रीपार्श्वनाथजिनेन्द्राय मोहान्धकार-विनाशनाय दीपं...।**

कल्याणमंदिर की सुगंधी, हर दिशा महका रही।
जो भव भवों की कर्म कड़ियाँ, पार्श्व सम चटका रहीं॥

इस कर्म के हर खेल तजने, धूप अर्पित कर रहे।
कल्याणमंदिर को नमोऽस्तु, पार्श्वप्रभु को भज रहे॥

**ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं महाबीजाक्षरसम्पन्न श्रीपार्श्वनाथजिनेन्द्राय अष्टकर्मदहनाय धूपं...।**

कल्याणमंदिर से खुलेंगीं, सफलता की खिड़कियाँ।
विश्वास अपना कह रहा कि, प्राप्त होंगी मुक्तियाँ॥
फल पाप का हम त्याग लें सो, फल समर्पित कर रहे।
कल्याणमंदिर को नमोऽस्तु, पार्श्वप्रभु को भज रहे॥

**ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं महाबीजाक्षरसम्पन्न श्रीपार्श्वनाथजिनेन्द्राय मोक्षफलप्राप्तये फलं...।**

कल्याणमंदिर का हवन कर, होम जो भी कर रहे।
जप मंत्र माला के सहारे, पार्श्व प्रभु वो भज रहे॥
हम पार्श्व प्रभु सम पूज्य बनने, अर्घ्य अर्पित कर रहे।
कल्याणमंदिर को नमोऽस्तु, पार्श्वप्रभु को भज रहे॥

**ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं महाबीजाक्षरसम्पन्न श्रीपार्श्वनाथजिनेन्द्राय अनर्घपदप्राप्तये अर्घ्यं...।**

## पंचकल्याणक अर्घ्य

(दोहा)

दूज कृष्ण वैशाख को, तजकर प्राणत स्वर्ग।
नमोऽस्तु पार्श्व प्रभु जो वसे, वामा माँ के गर्भ॥

**ॐ ह्रीं वैशाखकृष्णद्वितीयायां गर्भमङ्गलमण्डिताय श्रीपार्श्वनाथजिनेन्द्राय अर्घ्यं...।**

पौष कृष्ण ग्यारस तिथि, जन्मे पार्श्वकुमार।
विश्वसेन काशी करे, नाँच-नाँच त्यौहार॥

**ॐ ह्रीं पौषकृष्ण-एकादश्यां जन्ममङ्गलमण्डिताय श्रीपार्श्वनाथजिनेन्द्राय अर्घ्यं...।**

पौष कृष्ण एकादशी, पार्श्व बने निर्ग्रन्थ।
तप कल्याणक हम भजें, हो नमोऽस्तु जयवंत॥

**ॐ ह्रीं पौषकृष्ण-एकादश्यां तपोमङ्गलमण्डिताय श्रीपार्श्वनाथजिनेन्द्राय अर्घ्यं...।**

कृष्ण चतुर्थी चैत्र को, जीते सब उपसर्ग।
पार्श्व प्रभु को नमोऽस्तु कर, करें ज्ञान का पर्व॥

**ॐ ह्रीं चैत्रकृष्णचतुर्थ्यां ज्ञानमङ्गलमण्डिताय श्रीपार्श्वनाथजिनेन्द्राय अर्घ्यं..।**

श्रावण शुक्ला सप्तमी, मोक्ष सप्तमी पर्व।
नमोऽस्तु पार्श्व निर्वाण को, भजें शिखरजी सर्व॥

**ॐ ह्रीं श्रावणशुक्लसप्तम्यां मोक्षमङ्गलमण्डिताय श्रीपार्श्वनाथजिनेन्द्राय अर्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

## जयमाला (दोहा)

कल्याणमंदिर के प्रभु, पार्श्वनाथ भगवान।
जिनको नमोऽस्तु कर करें, जयमाला गुणगान॥

(ज्ञानोदय)

जब तक यह जीवन है तब तक, दुख संकट उपसर्ग रहें।
जो इन पर जय विजय करें वे, पार्श्वनाथ भगवान बनें॥
पर इनसे जो हुए पराजित, उनका कौन सहारा है।
सो कल्याण रूप मंदिर का, हमको मिला इशारा है॥१॥
जी हाँ ये कल्याण नाम का, वही पूज्य मंदिर स्तोत्र।
कुमुदचन्द्र आचार्य पूज्य ने, जिसे रचा भक्ति का स्रोत॥
जिसकी महिमा प्रभाव से तो, अतिशय हो ही जाते हैं।
जिससे देव देवियाँ मिलकर, चमत्कार दिखलाते हैं॥२॥

उज्जयनी के विक्रम राजा, कुशल प्रजा संचालक थे।
तब ही गंगा में स्नान को, आए तपसी साधक थे॥
योग्य शिष्य की तलाश करने, एक युवा को देख लिया।
धक्का दे फिर वाद विवाद कर, निर्णय सुन्दर एक लिया॥३॥
लेकिन तपसी हुए पराजित, कुमुदचन्द्र फिर नाम रखा।
जिनशासन अनुगामी क्षपणक, उनका यह उपनाम रखा॥
चित्तौड़गढ़ पहुँचकर जिनने, पार्श्वनाथ के दर्शन कर।
कीर्तिस्तंभ के संकेतों से, एक गुफा खोली जाकर॥४॥
मात्र एक ही पृष्ठ पढ़ा कि, तुरत द्वार वह बंद हुआ।
अदृशवाणी हुई वहाँ पर, बस इतना ही पुण्य हुआ॥
एक बार इक योगी ने जब, कुमुदचन्द्र को ललकारा।
तेरा ज्ञानहीन है मुझसे, वरना कर अतिशय न्यारा॥५॥
राजा कपिल तभी यह बोला, इक पत्थर को करो नमन।
कुमुदचन्द्र तत्क्षण स्वीकारे, किए पार्श्व प्रभु का चिंतन॥
तब कल्याण महा मंदिर का, कर डाला स्तोत्र सृजन।
ज्यों ही 'आकर्णितोऽपि' वाले, किए छन्द का पाठ भजन॥६॥
तो चित्तौड़गढ़ वाले प्रभू, पार्श्वनाथजी प्रकट हुए।
ज्यों ही जय-जयकार हुई तो, हाथ जोड़ सब विनत हुए॥
कुमुदचन्द्र गुरु चमक उठे तब, योगी जी को क्षमा किया।
तब से अब तक अतिशय दिखते, जिनने सबको धर्म दिया॥७॥
अपनी केवल यही प्रार्थना, पार्श्वनाथ प्रभु भगवन से।
श्री कल्याण महा मंदिर से, जुड़े रहें जिनशासन से॥
सो होगी सुख शान्ति विश्व में, दुख उपसर्ग न आएंगे।
'सुव्रतसागर' पाठ भजन कर, मोक्ष महल झलकाएंगे॥८॥

**ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं महाबीजाक्षरसम्पन्न श्रीपार्श्वनाथजिनेन्द्राय अनर्घपदप्राप्तये जयमाला पूर्णार्घ्यं...।**

===

१.

अभय प्रदायक स्तुति

(वसंततिलका)

**कल्याणमन्दिर मुदार मवद्य-भेदि**
**भीताभय प्रद-मनिन्दित मङ्घ्रि-पद्मम्।**
**संसार-सागर निमज्ज दशेष-जन्तु**
**पोतायमान मभिनम्य जिनेश्वरस्य॥**

**अन्वयार्थ–(कल्याणमंदिरम्)** कल्याणों के मंदिर **(उदारम्)** दाता या महान् **(अवद्यभेदि)** पापों को नष्ट करने वाले **(भीताभयप्रदम्)** संसार से डरे हुए जीवों को अभयपद देने वाले **(अनिन्दितं)** प्रशंसनीय **(संसार-सागर-निमज्ज-दशेषजन्तुपोतायमानम्)** संसाररूपी समुद्र में डूबते हुए समस्त जीवों के लिए जहाज के समान **(जिनेश्वरस्य)** जिनेन्द्र भगवान् के **(अङ्घ्रिपद्मम्)** चरण-कमलों को **(अभिनम्य)** नमस्कार करके **(गरिमाम्बुराशेः)** गौरव के समुद्र-स्वरूप।

**अर्घ्यावली** (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'कल्' बीजाक्षर, कल्याणक आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'कल्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'या' बीजाक्षर, याचक ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'या' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'ण' बीजाक्षर, णमोकार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ण' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'मं' बीजाक्षर, मनमोहक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'दि' बीजाक्षर, दिव्य रहा आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रमण योग्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**

कल्याणमंदिर का 'मु' बीजाक्षर, मुख्य रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'दा' बीजाक्षर, दाता है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रमा तुल्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महा रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'वद्' बीजाक्षर, वदन नहीं आहा । ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वद्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यश दाता आहा । ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**

कल्याणमंदिर का 'भे' बीजाक्षर, भेदज्ञान आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**

कल्याणमंदिर का दि' बीजाक्षर, दिशा सूत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**

कल्याणमंदिर का 'भी' बीजाक्षर, भीत नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**

कल्याणमंदिर का 'ता' बीजाक्षर, तारक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ता' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भगवन है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यम हर्त्ता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्रथम रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दर्शन है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, मंगल है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'निन्' बीजाक्षर, निंदक ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'निन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'दि' बीजाक्षर, दिग्दर्शक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तरण रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'मङ्' बीजाक्षर, मंत्र रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मङ्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'घ्रि' बीजाक्षर, घृणा हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'घ्रि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'पद्' बीजाक्षर, पद्म तुल्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पद्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'मं' बीजाक्षर, मंद नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'सं' बीजाक्षर, संयत है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'सा' बीजाक्षर, सारभूत आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रसिक रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'सा' बीजाक्षर, साक्षर है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'ग' बीजाक्षर, गगन तुल्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रक्षक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'नि' बीजाक्षर, नियम रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'मज्' बीजाक्षर, मद हर्त्ता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मज्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'ज' बीजाक्षर, जय-जिनेन्द्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दया धर्म आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'शे' बीजाक्षर, श्रेष्ठ रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'शे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'ष' बीजाक्षर, षड् दर्शन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ष' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'जन्' बीजाक्षर, जन-जन का आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'जन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'तु' बीजाक्षर, तुला रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'पो' बीजाक्षर, पोषक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'ता' बीजाक्षर, ताप हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ता' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यतिधर्मा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'मा' बीजाक्षर, मानक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नमन रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, मन मयूर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'भि' बीजाक्षर, भिन्न नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'नम्' बीजाक्षर, नम्र रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नम्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यथाजात आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'जि' बीजाक्षर, जिनवर है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'जि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'नेश्' बीजाक्षर, नश्वर ना आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नेश्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वरदाता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'रस्' बीजाक्षर, रस दाता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यथारूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

जो कल्याणों के मंदिर हैं, पापों के भी नाशनहार।
भयभीतों को अभय दान दें, रहें अनिंदित बड़े उदार॥
भवसागर में गिरते जन को, जो जिनेन्द्र बन रहे जहाज।
जिनके चरण कमल को भजकर, सादर करूँ नमोऽस्तु आज॥

**ॐ ह्रीं अर्हं णमो जिणाणं विश्वविघ्नहारक-क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री-पार्श्वनाथ जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**गुरु मार्ग में
पीछे की हवा सब
हमें चलाते।**

२.

सिद्धिदायक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**यस्य स्वयं सुरगुरु र्गरिमाम्बुराशेः**
**स्तोत्रं सुविस्तृत-मतिर्न विभुर्विधातुम्।**
**तीर्थेश्वरस्य कमठस्मय धूमकेतोस्**
**तस्याहमेष किल संस्तवनं करिष्ये॥**

**अन्वयार्थ–(यस्य)** जिन पार्श्वनाथ की **(स्तोत्रम् विधातुम्)** स्तुति करने के लिए **(स्वयं सुविस्तृतमतिः)** स्वयं विशाल बुद्धि वाले **(सुरगुरुः)** बृहस्पति भी **(विभुः)** समर्थ **(न 'अस्ति')** नहीं है **(कमठ-स्मयधूमकेतोः)** कमठ का मान भस्म करने के लिए अग्निस्वरूप **(तस्य तीर्थेश्वरस्य)** उन पार्श्वनाथ भगवान् की **(किल)** आश्चर्य है कि **(एषः अहं)** यह मैं **(संस्तवनम् करिष्ये)** स्तुति करूँगा।

**अर्घ्यावली** (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'यस्' बीजाक्षर, यशस्वी है आहा
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यस्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यति राजा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'स्व' बीजाक्षर, स्वजन है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स्व' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'यं' बीजाक्षर, यम नाशक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यं' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'सु' बीजाक्षर, सुव्रत है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सु' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥५॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रथ यात्रा आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥६॥**

कल्याणमंदिर का 'गु' बीजाक्षर, गुरुवर है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'गु' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'रुर्' बीजाक्षर, रुष्ट नहीं आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'रुर्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥८॥**

कल्याणमंदिर का 'ग' बीजाक्षर, गंभीर है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥९॥**

कल्याणमंदिर का 'रि' बीजाक्षर, रिक्त नहीं आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'रि' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'माम्' बीजाक्षर, माता है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'माम्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'बु' बीजाक्षर, बुरा नहीं आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'बु' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१२॥**

कल्याणमंदिर का 'रा' बीजाक्षर, राजा है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'रा' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१३॥**

कल्याणमंदिर का 'शेः' बीजाक्षर, शिष्ट रहा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'शेः' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१४॥**

कल्याणमंदिर का 'स्तो' बीजाक्षर, स्तोत्र है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'स्तो' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१५॥**

कल्याणमंदिर का 'त्रं' बीजाक्षर, त्राता है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्रं' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'सु' बीजाक्षर, सुकमाल है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'सु' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'विस्' बीजाक्षर, विषहर्त्ता आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'विस्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'तृ' बीजाक्षर, तृष्णा हर आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'तृ' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तंत्र मंत्र आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महिमा है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'तिर्' बीजाक्षर, तिरवाता आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'तिर्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नय प्रमाण आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विशिष्ट है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'भुर्' बीजाक्षर, भोर करे आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'भुर्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विमल करे आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'धा' बीजाक्षर, धारक है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'धा' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'तुम्' बीजाक्षर, तम हर्त्ता करे आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'तुम्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'तीर्' बीजाक्षर, तीर्थ रहा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'तीर्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'थेश्' बीजाक्षर, ठेस हरे आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'थेश्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, व्यापक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'रस्' बीजाक्षर, रसना जय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रस्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यतन करे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कमल तुल्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महान है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'ठस्' बीजाक्षर, ठसक हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ठस्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महात्मा है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यशदाई आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'धू' बीजाक्षर, धूम्र हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धू' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महामंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'के' बीजाक्षर, केसरिया आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'के' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'तोस्' बीजाक्षर, तोषित है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तोस्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'तस्' बीजाक्षर, तस्कर ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तस्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'या' बीजाक्षर, यान रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'या' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'ह' बीजाक्षर, हर्ष भरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ह' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'मे' बीजाक्षर, मेघ तुल्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मे' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'ष' बीजाक्षर, षंड नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ष' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'कि' बीजाक्षर, किरण रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'कि' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, लायक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'संस्' बीजाक्षर, संस्कार है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'संस्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तट रक्षक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वर्धमान आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'नम्' बीजाक्षर, नमोऽस्तु है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नम्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कलाकार आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'रिष्' बीजाक्षर, ऋषभ रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रिष्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'ये' बीजाक्षर, यत्र तत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ये' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

जो खुद गरिमा के सागर हैं, तीर्थंकर जो रहे महान।
धूम केतु सम कमठ-मान का, मिटा दिया था नाम निशान॥
विशाल मति वाला सुरगुरु भी, कर न सका जिनका गुणगान।
अल्प बुद्धि वाला होकर भी, करूँ उन्हीं का आज बखान॥

**ॐ ह्रीं अनन्तगुणाय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वजिनाय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**जुड़ो ना जोड़ो**
**जोड़ा छोड़ो जोड़ो तो**
**बेजोड़ जोड़ो।**

## ३.

असमर्थ को समर्थ करने की शक्ति प्रदायक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**सामान्यतोऽपि तव वर्णयितुं स्वरूप-**
**मस्मादृशाः कथमधीश! भवन्त्यधीशाः।**
**धृष्टोऽपि कौशिक-शिशुर्यदि वा दिवान्धो**
**रूपं प्ररूपयति किं किल घर्मरश्मेः॥**

**अन्वयार्थ–(अधीश!)** हे स्वामिन्! **(सामान्यतः अपि)** साधारण रीति से भी **(तव)** आपके **(स्वरूपं)** स्वरूप को **(वर्णयितुं)** वर्णन करने के लिए **(अस्मादृशाः)** मुझ जैसे मनुष्य **(कथम्)** कैसे **(अधीशा)** समर्थ **(भवन्ति)** हो सकते हैं? अर्थात् नहीं हो सकते हैं **(यदि वा)** अथवा **(दिवान्धः)** दिन में अन्धा रहने वाला **(कौशिकशिशुः)** उल्लू का बच्चा **(धृष्टः अपि 'सन्')** धीठ होता हुआ भी **(किम्)** क्या **(घर्मरश्मेः)** सूर्य के **(रूपम्)** रूप का **(प्ररूपयति किल)** वर्णन कर सकता है? अर्थात् नहीं कर सकता।

**अर्घ्यावली** (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'सा' बीजाक्षर, साधक है आहा
ओम् ह्रीं श्री क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सा' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'मान्' बीजाक्षर, मान्य रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मान्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यात्रा पथ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'तो' बीजाक्षर, तोरण है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तो' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, पिता तुल्य आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥५॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तपस्वी है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥६॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वमन हरे आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'वर्' बीजाक्षर, वरदानी आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वर्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥८॥**

कल्याणमंदिर का 'ण' बीजाक्षर, णमो णमो आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ण' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥९॥**

कल्याणमंदिर का 'यी' बीजाक्षर, ईश्वर है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'यी' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'तुम्' बीजाक्षर, तुंग रहा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'तुम्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'स्व' बीजाक्षर, स्वस्तिक है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'स्व' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१२॥**

कल्याणमंदिर का 'रू' बीजाक्षर, रूपक है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'रू' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१३॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, परमेष्ठी आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१४॥**

कल्याणमंदिर का 'मस्' बीजाक्षर, मस्तक है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मस्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१५॥**

कल्याणमंदिर का 'मा' बीजाक्षर, मात-पिता आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मा' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'दृ' बीजाक्षर, दृष्टि है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दृ' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'शाः' बीजाक्षर, शासक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'शाः' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कंचन है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'थ' बीजाक्षर, थके नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'थ' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महाबली आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'धी' बीजाक्षर, धीरज दे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धी' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, शंकर है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भाग्य रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'वन्त्' बीजाक्षर, वंचित ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वन्त्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, युगाधार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'धी' बीजाक्षर, धीमान है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धी' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'शाः' बीजाक्षर, शाश्वत है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'शाः' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'धृष्' बीजाक्षर, धृष्ट नहीं आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'धृष्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'टो' बीजाक्षर, टोंक रहा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'टो' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, पितामहा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'कौ' बीजाक्षर, कौशल है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'कौ' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'शि' बीजाक्षर, शिक्षक है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'शि' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कुन्दन है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का शि' बीजाक्षर, शिखर रहा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'शि' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'शुर्' बीजाक्षर, शुरुआत है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'शुर्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, युगदर्शक आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'दि' बीजाक्षर, दिव्यध्वनि आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'दि' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'वा' बीजाक्षर, वाचक है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वा' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का दि' बीजाक्षर, दीपक है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'दि' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'वान्' बीजाक्षर, वांछित है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वान्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'धो' बीजाक्षर, ध्रौव्य रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धो' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'रू' बीजाक्षर, रूपेश है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रू' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'पं' बीजाक्षर, पंकज है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पं' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्राची है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्र' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'रू' बीजाक्षर, रुचिकर है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रू' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, पावन है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यज्ञ रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तिमिर हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'किं' बीजाक्षर, किन्तु नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'किं' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'कि' बीजाक्षर, कीर्ति है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'कि' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, ललित रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'घर्' बीजाक्षर, घर-बाहर आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'घर्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, मंजूषा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'रश्' बीजाक्षर, रस राजा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रश्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'मेः' बीजाक्षर, मेघनाद आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मेः' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

नाथ! आपका स्वरूप कैसा, कितना सुन्दर बोले कौन।
मुझ सा वह सामान्य रूप से, कह न सके धर सके न मौन॥
ज्यों उल्लू का बच्चा दिन में, होकर भी अंधा भयभीत।
होकर जिद्दी क्या नहिं गाए, सुन्दर सूर्य रूप के गीत॥

**ॐ ह्रीं चिद्रूपाय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वजिनाय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**द्वेष से बचो**
**लवण दूर रहे**
**दूध न फटे।**

## ४.

अतिगहन आत्म गुणों की प्राप्तिदायक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**मोहक्षयादनु-भवन्नपि नाथ! मर्त्यो**
**नूनं गुणान् गणयितुं न तव क्षमेत।**
**कल्पान्त-वान्त-पयसः प्रकटोऽपि यस्मान्-**
**मीयेत केन जलधेर्ननु रत्नराशिः॥**

**अन्वयार्थ–(नाथ!)** हे नाथ! **(मर्त्यः)** मनुष्य **(मोहक्षयात्)** मोहनीयकर्म के क्षय से **(अनुभवन् अपि)** अनुभव करता हुआ भी **(तव)** आपके **(गुणान्)** गुणों को **(गणयितुम्)** गिनने के लिए **(नूनम्)** निश्चय करके **(न क्षमेत)** समर्थ नहीं हो सकता **(यस्मात्)** क्योंकि **(कल्पान्त-वान्तपयसः)** प्रलयकाल के समय जिसका पानी बाहर हो गया है ऐसे **(जलधेः)** समुद्र की **(प्रकटः अपि)** प्रकट हुई भी **(रत्नराशिः)** रत्नों की राशि **(ननु केन मीयेत)** किसके द्वारा गिनी जा सकती है? अर्थात् किसी के द्वारा नहीं।

**अर्घ्यावली** (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'मो' बीजाक्षर, मोह हरे आहा
ओम् ह्रीं श्री क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मो' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'ह' बीजाक्षर, हर्षालु आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ह' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'क्ष' बीजाक्षर, क्षमा रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क्ष' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यागमंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दमन हरे आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥५॥**

कल्याणमंदिर का 'नु' बीजाक्षर, नूतन है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नु' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥६॥**

कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भानु तुल्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'वन्' बीजाक्षर, वानप्रस्थ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वन्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥८॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, निरोग है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥९॥**

कल्याणमंदिर का पि' बीजाक्षर, पिष्ट नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'ना' बीजाक्षर, नायक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ना' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'थ' बीजाक्षर, थाम रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'थ' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१२॥**

कल्याणमंदिर का 'मर्त्' बीजाक्षर, मृत्यु हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मर्त्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१३॥**

कल्याणमंदिर का 'यो' बीजाक्षर, योग्य रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यो' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१४॥**

कल्याणमंदिर का 'नू' बीजाक्षर, नूपुर है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नू' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१५॥**

कल्याणमंदिर का 'नं' बीजाक्षर, नंदन है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नं' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'गु' बीजाक्षर, गुरु मंत्र आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'गु' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'णान्' बीजाक्षर, नाथ रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'णान्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'ग' बीजाक्षर, गणधर है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'ण' बीजाक्षर, नमस्कार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ण' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'यि' बीजाक्षर, इष्ट रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यि' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'तुं' बीजाक्षर, तुम जानो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तुं' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नकल नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तमस हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वन्दन है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'क्ष' बीजाक्षर, क्षमा दान आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क्ष' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'मे' बीजाक्षर, मेरु है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मे' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तपन हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'कल्' बीजाक्षर, कल्पवृक्ष आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'कल्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'पान्' बीजाक्षर, पाना है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'पान्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तार रहा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'वान्' बीजाक्षर, वाङ्मय है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वान्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तत्त्व रहा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, पुनीत है आहा।ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, युगदृष्टा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, सहज रूप आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्रखर रूप आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्र' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, काया-कल्प आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'टो' बीजाक्षर, टोना हर आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'टो' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, पिशाच हरे आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'यस्' बीजाक्षर, यशोधरा आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यस्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'मान्' बीजाक्षर, मान हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मान्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'मी' बीजाक्षर, मीमांसा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मी' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'ये' बीजाक्षर, युद्ध हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ये' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तनय रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'के' बीजाक्षर, केवली है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'के' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, न्याय मंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'ज' बीजाक्षर, जिनवर है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, लाभ रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'धेर्' बीजाक्षर, धैर्य रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धेर्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नवीन है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'नु' बीजाक्षर, नून नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नु' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'रत्' बीजाक्षर, रत्न रहा आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रत्' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नक्षत्र है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'रा' बीजाक्षर, रामराज आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रा' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'शिः' बीजाक्षर, शिक्षा है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'शिः' बीजाक्षर संयुक्त श्री पार्श्वजिनाय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

मोह नष्ट कर देव आपने, गुण भोगे जो अपरम्पार।
कौन माई का लाल जगत में, उनको गिनने करे विचार॥
प्रलयकाल में सागर का जल, जब हो जाता सीमा पार।
तो भी रत्न राशि को गिनने, कौन समर्थ यहाँ सरकार॥

**ॐ ह्रीं गहन-गुणाय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**तेरी दो आँखें**
**तेरी ओर हजार**
**सतर्क हो जा।**

५.

उत्कृष्ट पद प्रदायक स्तुति

वसन्ततिलका

**अभ्युद्यतोऽस्मि तव नाथ! जडाशयोऽपि**
**कर्तुं स्तवं लसदसंख्य-गुणाकरस्य।**
**बालोऽपि किं न निज बाहु-युगं वितत्य**
**विस्तीर्णतां कथयति स्वधियाम्बुराशेः॥**

**अन्वयार्थ–(नाथ)** हे नाथ! **('अहम्' जडाशयः अपि)** मैं मूर्ख भी **(लस-दसंख्यगुणाकरस्य)** सुशोभित असंख्यात गुणों की खानि स्वरूप **(तव)** आपके **(स्तवम् कर्तुम्)** स्तवन करने के लिए **(अभ्युद्यतः अस्मि)** तैयार हुआ हूँ, क्योंकि **(बालः अपि)** बालक भी **(स्वधिया)** अपनी बुद्धि के अनुसार **(निजबाहुयुगम्)** अपने दोनों हाथों को **(वितत्य)** फैलाकर **(किम्)** क्या **(अम्बुराशेः)** समुद्र के **(विस्तीर्णताम्)** विस्तार को **(न कथयति)** नहीं कहता? अर्थात् कहता है।

**अर्घ्यावली** (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'अभ्' बीजाक्षर, अभय रूप आहा।
ओम् ह्रीं श्री क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'अभ्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'युद्' बीजाक्षर, युद्ध-जयी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'युद्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यमक रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'तोस्' बीजाक्षर, तोष रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तोस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'मि' बीजाक्षर, मिष्ट रहा आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तत्त्वार्थ रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वरदमंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'ना' बीजाक्षर, नाविक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ना' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**

कल्याणमंदिर का 'थ' बीजाक्षर, थकान हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'थ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**

कल्याणमंदिर का 'ज' बीजाक्षर, जयवंतो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'डा' बीजाक्षर, डाह भरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'डा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, शम्भव है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, योग्य रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, पिच्छीधर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**

कल्याणमंदिर का 'कर्' बीजाक्षर, कर्त्तव्य है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'कर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**

कल्याणमंदिर का 'तुं' बीजाक्षर, तुल्य नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तुं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'स्त' बीजाक्षर, स्तवन है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स्त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'वं' बीजाक्षर, वंद्य रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, लक्ष्य रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, सत्य रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दर्शक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'संख्' बीजाक्षर, संख्यातीत आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'संख्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यश-कारक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'गु' बीजाक्षर, गुण दाता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'गु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'णा' बीजाक्षर, नाम करे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'णा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कमलासन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'रस्' बीजाक्षर, रसदाता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यम नाशक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'बा' बीजाक्षर, बाल नहीं आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'बा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'लो' बीजाक्षर, लोकशिखर आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'लो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, पिंड रूप आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'किं' बीजाक्षर, किंकर ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'किं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नश्वर ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'नि' बीजाक्षर, नियोग है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'नि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'ज' बीजाक्षर, जनक मंत्र आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'बा' बीजाक्षर, बाहुबली आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'बा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'हु' बीजाक्षर, हवन मंत्र आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'हु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'यु' बीजाक्षर, युगसृष्टा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'यु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'गं' बीजाक्षर, गंभीर है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'गं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विराग है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'तत्' बीजाक्षर, तत्क्षण है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, याचक ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'विस्' बीजाक्षर, विस्तारक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'विस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'तीर्' बीजाक्षर, तीरनाव आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तीर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'ण' बीजाक्षर, नख शिख है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ण' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'तां' बीजाक्षर, तामसिक ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तां' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कथन मंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'थ' बीजाक्षर, थम-थम ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'थ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यांचा ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तीक्ष्ण नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'स्व' बीजाक्षर, स्वपर हिती आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स्व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'धि' बीजाक्षर, धी दाता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'यां' बीजाक्षर, याचना ना आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यां' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'बु' बीजाक्षर, बुरा नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'बु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'रा' बीजाक्षर, राक्षस ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'शेः' बीजाक्षर, शेष नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'शेः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

जड़मति मैं भी देख आपके, असंख्य गुण का गुण-भण्डार।
रोक न पाया खुद को तो फिर, हुआ स्तवन को तैयार॥
जैसे बालक सागर का जब, देख बड़ा भारी विस्तार।
अपने हाथों को फैलाकर, कहे न क्या निज मति अनुसार॥

**ॐ ह्रीं परमानन्त गुणाय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**आज्ञा का देना**
**आज्ञा पालन से है**
**कठिनतम।**

## ६.

असाध्य कार्य साधक गुण स्तुति

(वसन्ततिलका)

**ये योगिना-मपि न यान्ति गुणास्तवेश!**
**वक्तुं कथं भवति तेषु ममावकाशः।**
**जाता तदेव - मसमीक्षित-कारितेयं**
**जल्पन्ति वा निज-गिरा ननु पक्षिणोऽपि॥**

**अन्वयार्थ–(ईश!)** हे भगवन्! **(तव)** आपके **(ये गुणाः)** जो गुण **(योगिनाम् अपि)** योगियों को भी **(वक्तुम्)** कहने के लिए **(न यान्ति)** नहीं प्राप्त होते अर्थात् जिनका कथन योगीजन भी नहीं कर सकते **(तेषु)** उनमें **(मम)** मेरा **(अवकाशः)** अवकाश **(कथम् भवति)** कैसे हो सकता है? अर्थात् मैं उन्हें कैसे वर्णन कर सकता हूँ? **(तत्)** इसलिए **(एवम् इयम्)** इस प्रकार मेरा यह **(असमीक्षितकारिता जाता)** बिना विचारे काम करता हुआ **(वा)** अथवा **(पक्षिणः अपि)** पक्षी भी **(निजगिरा)** अपनी वाणी से **(जल्पन्ति ननु)** बोला करते हैं।

**अर्घ्यावली** (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'ये' बीजाक्षर, युक्ति है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ये' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'यो' बीजाक्षर, योद्धा है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'गि' बीजाक्षर, गिरिशिखर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'गि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'ना' बीजाक्षर, नाटक ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ना' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महाशक्ति आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, पिंग नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नरक नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'यान्' बीजाक्षर, याद करो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यान्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तिरवाए आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**

कल्याणमंदिर का 'गु' बीजाक्षर, गुण पालक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'गु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'णास्' बीजाक्षर, नास्तिक ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'णास्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तन्मय है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**

कल्याणमंदिर का 'वे' बीजाक्षर, वैरागी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**

कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, शक्य रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**

कल्याणमंदिर का 'वक्' बीजाक्षर, वक्ता है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वक्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**

कल्याणमंदिर का 'तुं' बीजाक्षर, तुलित नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तुं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कषाय हरे आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'थं' बीजाक्षर, थामो तो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'थं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भव हर्त्ता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वहन करो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तिलक रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'ते' बीजाक्षर, तेजस है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ते' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'षु' बीजाक्षर, सुखकारक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'षु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, ममता हर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'मा' बीजाक्षर, माया हर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वृहत रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'का' बीजाक्षर, कालजयी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'का' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'शः' बीजाक्षर, शंका हर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'शः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'जा' बीजाक्षर, जानकार है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'जा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**
कल्याणमंदिर का 'ता' बीजाक्षर, ताम्र नहीं आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ता' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**
कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तनु नहीं आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**
कल्याणमंदिर का 'दे' बीजाक्षर, देव तुल्य आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'दे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**
कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वाह! वाह! आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**
कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, मांगलिक है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**
कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, संयम है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**
कल्याणमंदिर का 'मी' बीजाक्षर, मित्र रहा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**
कल्याणमंदिर का 'क्षि' बीजाक्षर, क्षिप्त नहीं आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'क्षि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**
कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तुल ना सके आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**
कल्याणमंदिर का 'का' बीजाक्षर, काम हरे आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'का' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**
कल्याणमंदिर का 'रि' बीजाक्षर, ऋषि तुल्य आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'रि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'ते' बीजाक्षर, तेज हरे आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ते' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'यं' बीजाक्षर, यमरोधी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'जल्' बीजाक्षर, जल्लौषध आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'जल्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'पन्' बीजाक्षर, पंथ नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तिरा रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'वा' बीजाक्षर, वात हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'नि' बीजाक्षर, निज निवास आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'ज' बीजाक्षर, जन्म हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'गि' बीजाक्षर, गिर ना सके आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'गि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'रा' बीजाक्षर, राही है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नष्ट न हो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'नु' बीजाक्षर, नुवंश है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, परखो तो आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'क्षि' बीजाक्षर, क्षत्रिय है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क्षि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'णो' बीजाक्षर, नौकर ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'णो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, पिट ना सके आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

ईश! आपके निज गुण गण का, कर न सके योगी गुणगान।
तो फिर उन्हीं गुणों को गाने, कैसे सक्षम मेरा ज्ञान॥
फिर भी उनको गाने का यह, बिना विचारे मेरा काम।
ज्यों निश्चय से निज वाणी से, पक्षी चहकें करें प्रणाम॥

**ॐ ह्रीं अगम्य-गुणाय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**मलाई कहाँ**
**अशान्त दूध में सो**
**प्रशान्त बनो।**

## ७.

अपवाद-अपमान निवारक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**आस्ता-मचिन्त्य-महिमा जिन! संस्तवस्ते**
**नामापि पाति भवतो भवतो जगन्ति।**
**तीव्रातपोपहत - पान्थ - जनान्निदाघे**
**प्रीणाति पद्म-सरसः सरसोऽनिलोऽपि॥**

**अन्वयार्थ—(जिन!)** हे जिनेन्द्र! **(अचिन्त्यमहिमा)** अचिन्त्य है महिमा जिसकी, ऐसा **(ते)** आपका **(संस्तवः)** स्तवन **(आस्ताम्)** दूर रहे, **(भवतः)** आपका **(नाम अपि)** नाम भी **(जगन्ति)** जीवों को **(भवतः)** संसार से **(पाति)** बचा लेता है, क्योंकि **(निदाघे)** ग्रीष्मकाल में **(तीव्रातपोपहत-पान्थजनान्)** तीव्र घाम से सताये हुए पथिकजनों को **(पद्मसरसः)** कमलों के सरोवर का **(सरसः)** शीतल **(अनिलः अपि)** पवन भी **(प्रीणाति)** संतुष्ट करता है।

**अर्घ्यावली** (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'आस्' बीजाक्षर, आस्था है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'आस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'ता' बीजाक्षर, ताक रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ता' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महिमामय आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'चिन्' बीजाक्षर, चिंतन है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'चिन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'त्य' बीजाक्षर, त्यक्त नहीं आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महावीर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**

कल्याणमंदिर का 'हि' बीजाक्षर, हिंसा हर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'हि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'मा' बीजाक्षर, मान हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**

कल्याणमंदिर का 'जि' बीजाक्षर, जितेन्द्रिय है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'जि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९ ॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नष्ट ना हो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१० ॥**

कल्याणमंदिर का 'संस्' बीजाक्षर, संस्तुति है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'संस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११ ॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तृषा हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'वस्' बीजाक्षर, व्यसन हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ते' बीजाक्षर, तैर रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ते' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ना' बीजाक्षर, नामांकित आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ना' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'मा' बीजाक्षर, माता सम आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६ ॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, पीत नहीं आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'पा' बीजाक्षर, पाप हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तिरैया है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भक्ति मंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, विदेह है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'तो' बीजाक्षर, तोषक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भक्त प्राण आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, विकार हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'तो' बीजाक्षर, तोहफा है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'ज' बीजाक्षर, जिन श्रद्धा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'गन्' बीजाक्षर, गणनायक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'गन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तिर्यक ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'ती' बीजाक्षर, तीर्थंकर आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ती' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'व्रा' बीजाक्षर, व्रात्य[१] नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व्रा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तरस हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'पो' बीजाक्षर, पोषण दे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, पतन हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ह' बीजाक्षर, हवन मंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ह' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तन्द्रा हर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'पान्' बीजाक्षर, पाना है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पान्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६ ॥**

कल्याणमंदिर का 'थ' बीजाक्षर, थर-थर हर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'थ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ज' बीजाक्षर, जय दाता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८ ॥**

कल्याणमंदिर का 'नान्' बीजाक्षर, नानाविध आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नान्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९ ॥**

कल्याणमंदिर का 'नि' बीजाक्षर, नियम रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४० ॥**

---

१. घुमक्कड़

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दान रूप आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'घे' बीजाक्षर, घेरे ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'घे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'प्री' बीजाक्षर, प्रीति है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्री' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'णा' बीजाक्षर, नाच हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'णा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तिरस्कृत ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'पद्' बीजाक्षर, पद्म तुल्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पद्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६ ॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महादेव आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७ ॥**

कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, सफल मंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८ ॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रक्षा पथ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९ ॥**

कल्याणमंदिर का 'सः' बीजाक्षर, सहायक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५० ॥**

कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, समयसार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रयणसार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'सो' बीजाक्षर, सोहम् है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'नि' बीजाक्षर, निर्मल है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'लो' बीजाक्षर, लोक अग्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'लो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, पितृ छाँव आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६**

## पूर्णार्घ्य

अचिन्त्य महिमा वाले जिन के, संस्तव की तो छोड़ो बात।
नाम मात्र संसारी जन को, सुखी करे दुख दूर भगात॥
ज्यों गर्मी में तेज धूप से, तपते जन दुख से हों खिन्न।
पद्म सरोवर मिले न पर वो, सरस हवा पा हुए प्रसन्न॥

**ॐ ह्रीं स्तवनार्हाय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**पूर्ण पथ लो**
**पाप को पीठ दे दो**
**वृत्ति सुखी हो।**

## ८.

बिच्छु,सर्पादि विष नाशक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**हृद्वर्तिनि त्वयि विभो! शिथिली - भवन्ति**
**जन्तोः क्षणेन निबिडा अपि कर्म-बन्धाः।**
**सद्यो भुजंगममया इव मध्यभाग-**
**मभ्यागते वन-शिखण्डिनि चन्दनस्य॥**

**अन्वयार्थ—(विभो!)** हे स्वामिन्! **(त्वयि)** आपके **(हृद्वर्तिनि 'सति')** हृदय में मौजूद रहते हुए **(जन्तोः)** जीवों के **(निबिडाः कर्मबन्धाः अपि)** सघन कर्मों के बन्धन भी **(क्षणेन)** क्षणभर में **(वनशिखण्डिनि अभ्यागते)** वन मयूर के आने पर **(चन्दनस्य मध्यभागम् 'सति')** चन्दनवृक्ष के मध्यभाग में **(भुजङ्गम-मयाः इव)** सर्पों के बंधनरूप कुण्डलियों के समान **(सद्यः)** शीघ्र ही **(शिथिलीभवन्ति)** ढीले पड़ जाते हैं।

### अर्घ्यावली (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'हृद्' बीजाक्षर, हृदय तुल्य आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'हृद्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'वर्' बीजाक्षर, वरदानी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२ ॥**

कल्याणमंदिर का ति' बीजाक्षर, तीरथ है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'नि' बीजाक्षर, निश्छल है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'त्व' बीजाक्षर, त्वरित मंत्र आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'यि' बीजाक्षर, ईशधाम आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६ ॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विस्मय है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७ ॥**

कल्याणमंदिर का 'भो' बीजाक्षर, भोग नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८ ॥**

कल्याणमंदिर का 'शि' बीजाक्षर, शिक्षा प्रद आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'शि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९ ॥**

कल्याणमंदिर का 'थि' बीजाक्षर, थिरक रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'थि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१० ॥**

कल्याणमंदिर का 'ली' बीजाक्षर, लीलाहर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ली' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११ ॥**

कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भाग्यवान आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'वन्' बीजाक्षर, वंशज है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, त्रिरत्न है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'जन्' बीजाक्षर, जन पालक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'जन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'तो' बीजाक्षर, तोलो ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६ ॥**

कल्याणमंदिर का 'क्ष' बीजाक्षर, क्षमा धर्म आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क्ष' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'णे' बीजाक्षर, नेह रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'णे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नकल नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'नि' बीजाक्षर, निकलंक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'बि' बीजाक्षर, बीज मंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'बि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'डा' बीजाक्षर, डामर ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'डा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'अ' बीजाक्षर, अविनश्वर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'अ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, पिटारा है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'कर्' बीजाक्षर, कर्म हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'कर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महा करे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'बन्' बीजाक्षर, बंध हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'बन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'धाः' बीजाक्षर, धारा है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धाः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'सद्' बीजाक्षर, सदाचार आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सद्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९ ॥**

कल्याणमंदिर का 'यो' बीजाक्षर, योजक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३० ॥**

कल्याणमंदिर का 'भु' बीजाक्षर, भू-पालक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'जं' बीजाक्षर, जन नेता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'जं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ग' बीजाक्षर, गणज्ञाता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, मृत्युंजय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महाज्ञान आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'या' बीजाक्षर, यापक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'या' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६ ॥**

कल्याणमंदिर का 'इ' बीजाक्षर, इष्ट देव आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'इ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७ ॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, व्यापक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८ ॥**

कल्याणमंदिर का 'मध्' बीजाक्षर, मध्य केंद्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मध्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९ ॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यमराजा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४० ॥**

कल्याणमंदिर का 'भा' बीजाक्षर, भास्कर है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ग' बीजाक्षर, गणस्वामी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'मभ्' बीजाक्षर, मार्दव है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मभ्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'या' बीजाक्षर, याज्ञिक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'या' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ग' बीजाक्षर, गरल नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ते' बीजाक्षर, तैराक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ते' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६ ॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वंदारू[१] आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७ ॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नया-नया आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८ ॥**

कल्याणमंदिर का 'शि' बीजाक्षर, शिथिल नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'शि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९ ॥**

कल्याणमंदिर का 'खण्' बीजाक्षर, खंड नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'खण्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५० ॥**

कल्याणमंदिर का 'डि' बीजाक्षर, डिग ना सके आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'डि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'नि' बीजाक्षर, निरुपम है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२ ॥**

---

१. श्रद्धालु

कल्याणमंदिर का 'चन्' बीजाक्षर, चंदन है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'चन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दया वृक्ष आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'नस्' बीजाक्षर, नशा हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यशस्य है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

जैसे चंदन वन में जब भी, आ जाने पर कोई मोर।
चंदन तरु से लिपट रहे जो, नाग पाश तत्क्षण कमजोर॥
वैसे ही जिनदेव आप भी, जिसके दिल को करो निहाल।
उसके कठोर कर्म बंध भी, हो जाते ढीले तत्काल॥

**ॐ ह्रीं अर्हं णमो पदानुसारीणं अनेकसंकट संसारदुःख-निवारक-क्लीं-महाबीजाक्षरसहित-पार्श्वजिनाय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**टिमटिमाते**
**दीपक को भी देख**
**रात भा जाती।**

## ९.

भूत-प्रेत बाधा निवारक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**मुच्यन्त एव मनुजाः सहसा जिनेन्द्र!**
**रौद्रैरुपद्रव-शतैस्त्वयि वीक्षितेऽपि।**
**गो-स्वामिनि स्फुरित-तेजसि दृष्टमात्रे**
**चौरैरिवाशु पशवः प्रपलायमानैः॥**

**अन्वयार्थ—(जिनेन्द्र!)** हे जिनेन्द्र! **(स्फुरिततेजसि)** पराक्रमी **(गोस्वामिनि दृष्टमात्रे)** राजा के दिखते ही **(आशु)** शीघ्र ही **(प्रपलाय-मानैः)** भागते हुए **(चौरैः)** चोरों के द्वारा **(पशवः इव)** पशुओं की तरह **(त्वयि वीक्षिते अपि)** आपके दिखते ही/आपके दर्शन करते ही **(मनुजाः)** मनुष्य **(रौद्रैः)** भयङ्कर **(उपद्रवशतैः)** सैकड़ों उपद्रवों के द्वारा **(सहसा एव)** शीघ्र ही **(मुच्यन्ते)** छोड़ दिये जाते हैं।

**अर्घ्यावली** (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'मुच्' बीजाक्षर, मुक्त करे आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मुच्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'यन्' बीजाक्षर, यन्त्र हवन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, त्याग रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ए' बीजाक्षर, ऐश्वर्य दे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ए' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वसुंधरा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महादर्श आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६ ॥**

कल्याणमंदिर का 'नु' बीजाक्षर, नुति रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७ ॥**

कल्याणमंदिर का 'जाः' बीजाक्षर, जानो तो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'जाः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८ ॥**

कल्याणमंदिर का 'सा' बीजाक्षर, साधना है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ह' बीजाक्षर, हर्ष खुशी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ह' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१० ॥**

कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, समाधितंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११ ॥**

कल्याणमंदिर का 'जि' बीजाक्षर, जित कषाय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'जि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'नेन्' बीजाक्षर, नैगम नय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नेन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'द्र' बीजाक्षर, द्रव्य रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'रौ' बीजाक्षर, रौद्र नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रौ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'द्रै' बीजाक्षर, दैत्य नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द्रै' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६ ॥**

कल्याणमंदिर का 'रु' बीजाक्षर, रुठे ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७ ॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, परिशुद्ध आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८ ॥**

कल्याणमंदिर का 'द्र' बीजाक्षर, द्रवण शील आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९ ॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वसंत है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२० ॥**

कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, शब्द नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'तैस्' बीजाक्षर, तैतिक्ष[१] आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तैस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'त्व' बीजाक्षर, त्वरी[२] रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'यि बीजाक्षर, युक्ति है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'वी' बीजाक्षर, वीतराग आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'क्षि' बीजाक्षर, क्षिप्त नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क्षि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ते' बीजाक्षर, तैर्थिक[३] है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ते' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७ ॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, पित्सल[४] है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८ ॥**

कल्याणमंदिर का 'गो' बीजाक्षर, गौरव है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'गो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९ ॥**

---

१. सहनशील २.शीघ्रता ३. तीर्थ संबंधी ४. मार्ग

कल्याणमंदिर का 'स्वा' बीजाक्षर, स्वभाव है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स्वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३० ॥**

कल्याणमंदिर का 'मि' बीजाक्षर, मित्र रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'नि' बीजाक्षर, निष्काम है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'स्फु' बीजाक्षर, स्फुरण है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स्फु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'रि' बीजाक्षर, रिपु हर्त्ता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तमस हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ते' बीजाक्षर, तेजोवत आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ते' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ज' बीजाक्षर, जयति-जय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७ ॥**

कल्याणमंदिर का 'सि' बीजाक्षर, सिंधु रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८ ॥**

कल्याणमंदिर का 'दृष्' बीजाक्षर, दृष्टि मंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दृष्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ट' बीजाक्षर, टीका है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ट' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४० ॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, मानक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'त्रे' बीजाक्षर, त्रस्त नहीं आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्रे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२ ॥**

कल्याणमंदिर का श्चौ' बीजाक्षर, चौंका दे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'श्चौ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'रै' बीजाक्षर, रैवासा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रै' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'रि' बीजाक्षर, रिपु विजयी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'वा' बीजाक्षर, वासुपूज्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६ ॥**

कल्याणमंदिर का 'शु' बीजाक्षर, शुष्ठु है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'शु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७ ॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, प्रामाणिक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८ ॥**

कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, शंका हर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९ ॥**

कल्याणमंदिर का 'वः' बीजाक्षर, व्याप्त रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५० ॥**

कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्रमाद हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, पाहुड है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ला' बीजाक्षर, लाभदातृ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ला' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यमसंयम आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'मा' बीजाक्षर, मानी ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'नै' बीजाक्षर, नैतिक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नै' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

ज्यों बलशाली गो-पालक को, तेजी से बस आता देख।
चोर छोड़कर सब पशुओं को, तुरत भागता प्राण समेट॥
ऐसे ही संसारी जन के, रौद्र उपद्रव शतक अनेक।
हो जाते हैं शीघ्र नष्ट वे, हे जिनेन्द्र! बस तुमको देख॥

**ॐ ह्रीं दुष्ट-अपवर्ग-विनाशकाय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**परिचित भी**
**अपरिचित लगे**
**स्वस्थ ध्यान में।**

## १०.

महान् आपत्तियों से छुटकारा दिलाने वाली स्तुति

(वसन्ततिलका)

**त्वं तारको जिन! कथं भविनां त एव**
**त्वामुद्वहन्ति हृदयेन यदुत्तरन्तः।**
**यद्वा दृतिस्तरति यज्जलमेष नून**
**मन्तर्गतस्य मरुतः स किलानुभावः॥**

**अन्वयार्थ–(जिन)** हे जिनेन्द्रदेव! **(त्वम्)** आप **(भविनाम्)** संसारी जीवों के **(तारकः कथम्)** तारने वाले कैसे हो सकते हैं ? **(यत्)** क्योंकि **(उत्तरन्तः)** संसार-समुद्र से पार होते हुए **(ते एव)** वे संसारी जीव ही **(हृदयेन)** हृदय से **(त्वाम्)** आपको **(उद्वहन्ति)** तिरा ले जाते हैं। **(यद्वा)** अथवा ठीक ही है **(दृतिः)** मसक **(यत्)** जो **(जलम् तरति)** जल में तैरती है **(सः एषः)** वह यह **(नूनम्)** निश्चय से **(अन्तर्गतस्य)** भीतर स्थित **(मरुतः)** हवा का **(किल अनुभावः)** निश्चित ही प्रभाव है।

### अर्घ्यावली (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'त्वं' बीजाक्षर, तथ्य रहा आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्वं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ता' बीजाक्षर, तालुर[१] ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ता' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रथिक रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'को' बीजाक्षर, कोष रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'को' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४ ॥**

---

१. भँवर

कल्याणमंदिर का 'जि' बीजाक्षर, जित विकार आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'जि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५ ॥**
कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नमसित आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६ ॥**
कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कल्पतरु आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७ ॥**
कल्याणमंदिर का 'थं' बीजाक्षर, थामो तो आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'थं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८ ॥**
कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भव शोषक आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९ ॥**
कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विकार हरे आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१० ॥**
कल्याणमंदिर का 'नां' बीजाक्षर, नाविक है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'नां' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११ ॥**
कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तथा गति आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२ ॥**
कल्याणमंदिर का 'ए' बीजाक्षर, एकरूप आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ए' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३ ॥**
कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वंदिन है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४ ॥**
कल्याणमंदिर का 'त्वा', बीजाक्षर, त्वरा भक्ति आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५ ॥**
कल्याणमंदिर का 'मुद्' बीजाक्षर, मुदित करे आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मुद्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६ ॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वज्र तुल्य आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'हन्' बीजाक्षर, हन्ता ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'हन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तिलक मंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'ह' बीजाक्षर, हृदयांश आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ह' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दंड नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'ये' बीजाक्षर, यक्ष नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ये' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नंद करे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यज्ञीय है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'दुत्' बीजाक्षर, द्वित्व नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दुत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तपोमय है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'रन्' बीजाक्षर, रंज हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'तः' बीजाक्षर, तरुण रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'यद्' बीजाक्षर, यमक[१] नहीं आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यद्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'वा' बीजाक्षर, वागर[२] है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'दृ' बीजाक्षर, दृष्टा है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दृ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'तिस्' बीजाक्षर, तिष्ठ रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तिस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तत्त्वम है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रत्नम है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तिष्य रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'यज्' बीजाक्षर, यजमान है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यज्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'ज' बीजाक्षर, ज्ञायक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, लपके ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'मे' बीजाक्षर, मेधावी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'ष' बीजाक्षर, षठ्[३] है ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ष' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

---

१. प्रतिबन्ध २ पुण्यात्मा ३. मूर्ख

कल्याणमंदिर का 'नू' बीजाक्षर, नून नहीं आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नू' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नर्मठ[१] ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'मन्' बीजाक्षर, मनोहर है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'तर्, बीजाक्षर, तरंग है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ग' बीजाक्षर, गम्भीर है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'तस्' बीजाक्षर, तथास्तु है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६ ॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यदृच्छा है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७ ॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महामुनि आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८ ॥**

कल्याणमंदिर का 'रु' बीजाक्षर, रूपम है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९ ॥**

कल्याणमंदिर का 'तः' बीजाक्षर, तनुल[२] रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५० ॥**

कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, स्वयंभू है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'कि' बीजाक्षर, किन्नर ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'कि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२ ॥**

---

१. लम्पट २. विस्तारित

कल्याणमंदिर का 'ला' बीजाक्षर, लायक है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ला' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'नु' बीजाक्षर, नुक्त रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'भा' बीजाक्षर, भास्वत है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'वः, बीजाक्षर, वचन सिद्धि आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

चर्म पात्र जो जल पर तैरे, और गया नदिया के पार।
उसमें भरी हवा ही उसको, ले जाती है परले पार॥
ऐसे कैसे आप जगत के, हो सकते प्रभु तारणहार।
आप हमारे दिल में हो सो, जब हम पार तभी तुम पार॥

**ॐ ह्रीं सुध्येयाय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**इष्ट-सिद्धि में**
**अनिष्ट से बचना**
**दुष्टता नहीं।**

## ११.

मिथ्या अन्धकार को दूर करने की सामर्थ्य

(वसन्ततिलका)

**यस्मिन्हर प्रभृतयोऽपि हत-प्रभावाः**
**सोऽपि त्वया रति-पतिः क्षपितः क्षणेन।**
**विध्यापिता हुतभुजः पयसाथ येन**
**पीतं न किं तदपि दुर्धर-वाडवेन॥**

**अन्वयार्थ—(यस्मिन्)** जिसके विषय में **(हरप्रभृतयः अपि)** विष्णु-महादेव आदि भी **(हतप्रभावाः 'जाताः')** प्रभाव रहित हो गए हैं **(सः)** वह **(रतिपतिः अपि)** कामदेव भी **(त्वया)** आपके द्वारा **(क्षणेन)** क्षणमात्र में **(क्षपितः)** नष्ट कर दिया गया **(अथ)** अथवा ठीक है कि **(येन पयसा)** जिस जल के द्वारा **(हुतभुजः विध्यापिताः)** अग्नि बुझायी जाती है **(तत् अपि)** वह जल भी **(दुर्द्धरवाडवेन)** प्रचण्ड बड़वानल से **(किम्)** क्या **(न पीतम्)** नहीं पिया गया? अर्थात् पिया गया।

### अर्घ्यावली (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'यस्' बीजाक्षर, यशकर्त्ता आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'मिन्' बीजाक्षर, मिथ्या ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मिन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'ह' बीजाक्षर, हट हर्त्ता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ह' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रति नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्रथमानुयोग आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५ ॥**
कल्याणमंदिर का 'भृ' बीजाक्षर, भृत्य नहीं आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'भृ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६ ॥**
कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तपसी है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७ ॥**
कल्याणमंदिर का 'यो' बीजाक्षर, योगीश्वर आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'यो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८ ॥**
कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, पितृ प्रेम आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९ ॥**
कल्याणमंदिर का 'ह' बीजाक्षर, हितैषी है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ह' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१० ॥**
कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तेज भरे आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११ ॥**
कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्रासंगिक आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**
कल्याणमंदिर का 'भा' बीजाक्षर, भावुक है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'भा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३ ॥**
कल्याणमंदिर का 'वाः' बीजाक्षर, वाचना है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वाः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**
कल्याणमंदिर का 'सो' बीजाक्षर, सोपान आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'सो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५ ॥**
कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, पितृ-कृपा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६ ॥**

कल्याणमंदिर का 'त्व' बीजाक्षर, त्वचा नहीं आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'या' बीजाक्षर, याजक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'या' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, राग रहित आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तिलतुष ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, पाखण्ड ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'तिः' बीजाक्षर, तिलक दान आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तिः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'क्ष' बीजाक्षर, क्षत्रपति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क्ष' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, पितृ स्नेह आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'तः' बीजाक्षर, तगण मगण आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'क्ष' बीजाक्षर, क्षणिक नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क्ष' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'णे' बीजाक्षर, नैष्ठिक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'णे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नटखट है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'विध्' बीजाक्षर, विद्याधर आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'विध्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'या' बीजाक्षर, याज्य नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'या' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, पितृ तुल्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'ता' बीजाक्षर, तारा है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ता' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'हु' बीजाक्षर, हुंड नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'हु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तर्क नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'भु' बीजाक्षर, भुजंग नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'जः' बीजाक्षर, जयंत है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'जः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, पवित्र है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यमन रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'सा' बीजाक्षर, साथी है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'थ' बीजाक्षर, थोड़ा ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'थ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'ये' बीजाक्षर, युगपद है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ये' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, न्याय रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'पी' बीजाक्षर, पीठ-स्थान आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'तं' बीजाक्षर, तप्त नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नमो नमः आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'किं' बीजाक्षर, किम्[१]-हारी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'किं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तनुस्[२] नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७ ॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दक्ष रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८ ॥**

कल्याणमंदिर का 'पि, बीजाक्षर, पिता ध्वजा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९ ॥**

कल्याणमंदिर का 'दुर्' बीजाक्षर, दुर्धर है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दुर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५० ॥**

कल्याणमंदिर का 'ध' बीजाक्षर, धन्य करे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ध' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रम्य करे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२ ॥**

---

१. बुराई २. शरीर

कल्याणमंदिर का 'वा' बीजाक्षर, वाचस्पति आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'ड' बीजाक्षर, डमर[१] नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ड' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'वे' बीजाक्षर, वेदी है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नमेरु है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

जिस जल ने ही महाअग्नि को, बुझा दिया करके अभिमान।
उसे भयंकर बड़वानल क्या, नहीं सुखाती करके मान॥
इसी तरह जिस कामदेव ने, सब पर-देवों को दी मात।
हे प्रभु! तुमने क्षण भर में बस, मार भगाया वह रतिनाथ॥

**ॐ ह्रीं अनंगमथनाय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**सामायिक में कुछ न करने की स्थिति होती है।**

१. दंगा-लड़ाई

## १२.

महा आश्चर्यकारी स्तुति

(वसन्ततिलका)

**स्वामिन्न-नल्प गरिमाण-मपि प्रपन्नास्-**
**त्वां जन्तवः कथमहो हृदये दधानाः।**
**जन्मोदधिं लघु तरन्त्यति लाघवेन**
**चिन्त्यो न हन्त महतां यदि वा प्रभावः॥**

**अन्वयार्थ–(स्वामिन्!)** हे प्रभो! **(अहो)** आश्चर्य है कि **(अनल्प-गरिमाणम् अपि)** अधिक गौरव से युक्त भी विरोध पक्ष में–अत्यन्त वजनदार **(त्वाम्)** आपको **(प्रपन्नाः)** प्राप्त हो **(हृदये दधानाः)** हृदय में धारण करने वाले **(जन्तवः)** प्राणी **(जन्मोदधिम्)** संसार-समुद्र को **(अतिलाघवेन)** बहुत ही लघुता से **(कथम्)** कैसे **(लघु तरन्ति)** शीघ्र तर जाते हैं **(यदि वा)** अथवा **(हन्त)** हर्ष है कि **(महताम्)** महापुरुषों का **(प्रभावः)** प्रभाव **(चिन्त्यः)** चिन्तन के योग्य **(न भवति)** नहीं होता है।

### अर्घ्यावली (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'स्वा' बीजाक्षर, स्वामी है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स्वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'मिन्' बीजाक्षर, मिनोति ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मिन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नमत रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'नल्' बीजाक्षर, नमस रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नल्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, पथ-दर्शक आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५ ॥**
कल्याणमंदिर का 'ग' बीजाक्षर, गणेश है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६ ॥**
कल्याणमंदिर का 'रि' बीजाक्षर, रिष्ट[१] नहीं आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'रि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७ ॥**
कल्याणमंदिर का 'मा' बीजाक्षर, मापक है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८ ॥**
कल्याणमंदिर का 'ण' बीजाक्षर, नन्त रहा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ण' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९ ॥**
कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महा धैर्य आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१० ॥**
कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, पिता वंश आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**
कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्रेरक है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२ ॥**
कल्याणमंदिर का 'पन्' बीजाक्षर, पंगुल[१] ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'पन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३ ॥**
कल्याणमंदिर का 'नास्' बीजाक्षर, नास्तिक ना आहा।
**ॐ ह्रीं अर्हं 'नास्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**
कल्याणमंदिर का 'त्वां' बीजाक्षर, त्यागिन है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्वां' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**
कल्याणमंदिर का 'जन्' बीजाक्षर, जन्म हरे आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'जन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६ ॥**

---

१. पंगु

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तरकस है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'वः' बीजाक्षर, वपिल[१] रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कलश रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'थ' बीजाक्षर, थमे नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'थ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महाश्रमण आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'हो' बीजाक्षर, होतृ है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'हो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'ह्' बीजाक्षर, ह्रीं मंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ह्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, द्रव्य दान आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'ये' बीजाक्षर, एक रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ये' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दया मार्ग आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'धा' बीजाक्षर, धारो तो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'ना' बीजाक्षर, नारी ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ना' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

---

१. पिता-प्रजापति

कल्याणमंदिर का 'जन्' बीजाक्षर, जन्म जात आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'जन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'मो' बीजाक्षर, मोहक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दयाक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'धिं' बीजाक्षर, धीमान हैआहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धिं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, लहर-लहर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'घु' बीजाक्षर, घूमे ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'घु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तंतु नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'रन्' बीजाक्षर, रंजित[१] है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'त्य' बीजाक्षर, त्यक्त नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तिलश[२] नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'ला' बीजाक्षर, लालित्य है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ला' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'घ' बीजाक्षर, घमण्ड ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'घ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

---

१. युद्ध जीतने वाला २. अल्पपरिणाम

कल्याणमंदिर का 'वे' बीजाक्षर, वैर हरे आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नन्दक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'चिन्' बीजाक्षर, चिन्मय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'चिन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'त्यो' बीजाक्षर, त्यौहार है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्यो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नन्दा है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'हन्' बीजाक्षर, हीन नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'हन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६ ॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, ताकतवर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महा प्रभु आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ह' बीजाक्षर, हंसराज है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ह' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९ ॥**

कल्याणमंदिर का 'तां' बीजाक्षर, तात्विक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तां' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यज्ञ पुण्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'दि' बीजाक्षर, दिवाकर है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'वा' बीजाक्षर, वाचन है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्रशम भाव आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'भा' बीजाक्षर, भाषक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'वः' बीजाक्षर, वरण करो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

गरिमा गौरव वाले स्वामी, तुम्हें हृदय में जो लें धार।
और शरण में आकर वे जन, तुरत गये भवसागर पार॥
कैसे जल्दी वे तिर जाते, करता यह आश्चर्य जहान।
इसमें केवल प्रभु पुरुषों की, अचिन्त्य होती कृपा महान॥

**ॐ ह्रीं अतिशय-गुरुवे क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**कछुवे सम**
**इन्द्रिय संयम से**
**आत्म रक्षा हो।**

## १३.

क्रोध विनाशक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**क्रोधस्त्वया यदि विभो! प्रथमं निरस्तो**
**ध्वस्तास्तदा वद कथं किल कर्म-चौराः।**
**प्लोषत्यमुत्र यदि वा शिशिरापि लोके**
**नील द्रुमाणि विपिनानि न किं हिमानी॥**

**अन्वयार्थ–(विभो)** हे प्रभो! **(यदि)** यदि **(त्वया)** आपके द्वारा **(क्रोधः)** क्रोध **(प्रथमम्)** पहले ही **(निरस्तः)** नष्ट कर दिया गया था, **(तदा)** तो फिर **(वद)** कहिए कि आपने **(कर्मचौराः)** कर्मरूपी चोर **(कथम्)** कैसे **(ध्वस्ताः किल)** नष्ट किए? **(यदि वा)** अथवा **(अमुत्र लोके)** इसलोक में **(हिमानी)** बर्फ-तुषार **(शिशिरापि)** ठण्डा होने पर भी **(किम्)** क्या **(नीलद्रुमाणि)** हरे-हरे हैं वृक्ष जिनमें ऐसे **(विपिनानि)** वनों को **(न प्लोषति)** नहीं जला देता है? अर्थात् जला देता है/मुरझा देता है।

**अर्घ्यावली** (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'क्रो' बीजाक्षर, क्रोध नहीं आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क्रो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'धस्' बीजाक्षर, धृष्ट हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'त्व' बीजाक्षर, तपो आहार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'या' बीजाक्षर, यानम है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'या' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यशस्य है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'दि' बीजाक्षर, दिव्यज्ञान आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६ ॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विशेष है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७ ॥**

कल्याणमंदिर का 'भो' बीजाक्षर, भोग रहित आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८ ॥**

कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्रणव है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९ ॥**

कल्याणमंदिर का 'थ' बीजाक्षर, तण्ड नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'थ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१० ॥**

कल्याणमंदिर का 'मम्' बीजाक्षर, मम् गालक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मम्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'नि' बीजाक्षर, निर्दोष है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'रस्' बीजाक्षर, रहस्य है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'तो' बीजाक्षर, तोद[१] हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ध्वस्' बीजाक्षर, ध्वस्त नहीं आहा।

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ध्वस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**

कल्याणमंदिर का 'ताश्' बीजाक्षर, तापस है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ताश्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६ ॥**

---

१. पीड़ा (संताप)

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तरणी है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'दा' बीजाक्षर, दाह हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वर्चस्व है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दलित नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, करुणा है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'थं' बीजाक्षर, थम्भ रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'थं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'कि' बीजाक्षर, किरीट है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'कि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'ला' बीजाक्षर, लम्पट ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ला' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'कर्' बीजाक्षर, कर्मठ है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'कर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महाधर्म आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'चौ' बीजाक्षर, चौर्य हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'चौ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'राः' बीजाक्षर, राहगीर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'राः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'प्लो' बीजाक्षर, प्रलोभन ना आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्लो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**
कल्याणमंदिर का 'षत्' बीजाक्षर, षड्यंत्र ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'षत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**
कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, युद्ध जयी आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१ ॥**
कल्याणमंदिर का 'मु' बीजाक्षर, मुख्य मंत्र आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२ ॥**
कल्याणमंदिर का 'तृ' बीजाक्षर, त्राता है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'तृ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३ ॥**
कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यशस करे आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४ ॥**
कल्याणमंदिर का 'दि' बीजाक्षर, दीप ज्योति आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'दि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५ ॥**
कल्याणमंदिर का 'वा' बीजाक्षर, वात्सल्य है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**
कल्याणमंदिर का 'शि' बीजाक्षर, शिरोमणि आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'शि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**
कल्याणमंदिर का 'शि' बीजाक्षर, शिष्टाचार आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'शि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**
कल्याणमंदिर का 'रा' बीजाक्षर, रावण ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'रा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९ ॥**
कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, प्रियतम है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'लो' बीजाक्षर, लोचन है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'लो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'के' बीजाक्षर, केवल है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'के' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'नी' बीजाक्षर, निकुंज है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, लाभ करे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'द्रु' बीजाक्षर, द्रुत रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द्रु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'मा' बीजाक्षर, मालामाल आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'णि' बीजाक्षर, निवारण है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'णि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विजय मंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, परमात्म आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ना' बीजाक्षर, नाजुक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ना' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५० ॥**

कल्याणमंदिर का 'नि' बीजाक्षर, नियम धर्म आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नन्दी है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'किं' बीजाक्षर, किशोर है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'किं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'हि' बीजाक्षर, हर्षक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'हि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, मार्मिक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'नी' बीजाक्षर, नीति है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

**(पूर्णार्घ्य)**

नाथ! आपने जब पहले ही, किया क्रोध का सत्यानाश।
कर्म चोर फिर ध्वस्त कर दिए, कैसे? कहो करें विश्वास॥
जैसे बर्फ हुई शीतल जब, जग में गिरकर बनी तुषार।
तो उससे फिर हरे-भरे वन, जलें नहीं क्या करो विचार॥

**ॐ ह्रीं जितक्रोधाय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**डूबना ध्यान**
**तैरना स्वाध्याय है**
**अब तो डूबो।**

## १४.

कामविकार नाशक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**त्वां योगिनो जिन! सदा परमात्मरूप-**
**मन्वेषयन्ति हृदयाम्बुज कोश-देशे।**
**पूतस्य निर्मल रुचेर्यदि वा किमन्य-**
**दक्षस्य सम्भव-पदं ननु कर्णिकायाः॥**

**अन्वयार्थ–(जिन!)** हे जिन! **(योगिनः)** ध्यान करने वाले मुनीश्वर **(सदा)** हमेशा **(परमात्मरूपम्)** परमात्म-स्वरूप **(त्वाम्)** आपको **(हृदयाम्बुज-कोशदेशे)** अपने हृदयरूप कमल के मध्यभाग में **(अन्वेष-यन्ति)** खोजते हैं **(यदि वा)** अथवा ठीक है कि **(पूतस्य निर्मलरुचेः)** पवित्र और निर्मल कान्ति वाले **(अक्षस्य)** कमल के बीज का अथवा शुद्धात्मा का **(सम्भवपदम्)** उत्पत्ति स्थान अथवा खोज करने का स्थान **(कर्णिकायाः अन्यत्)** कमल की कर्णिका/डण्ठल को छोड़कर अथवा हृदय-कमल की कर्णिका को छोड़कर **(अन्यत् किम् ननु)** दूसरा क्या हो सकता है?

### अर्घ्यावली (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'त्वां' बीजाक्षर, तमा नहीं आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्वां' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'यो' बीजाक्षर, योग सिन्धु आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'गि' बीजाक्षर, गिरीराज आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'गि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'नो' बीजाक्षर, नौका है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'जि' बीजाक्षर, जितकर्मा आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'जि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५ ॥**
कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नन्दिक है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६ ॥**
कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, समता है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७ ॥**
कल्याणमंदिर का 'दा' बीजाक्षर, दानव ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'दा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८ ॥**
कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, परम पूज्य आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९ ॥**
कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रक्षासूत्र आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१० ॥**
कल्याणमंदिर का 'मात्' बीजाक्षर, मात्रा ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मात्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११ ॥**
कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, मंगलमय आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२ ॥**
कल्याणमंदिर का 'रू' बीजाक्षर, रूपवान आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'रू' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३ ॥**
कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, परम रहा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४ ॥**
कल्याणमंदिर का 'मन्' बीजाक्षर, मन्दिर है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५ ॥**
कल्याणमंदिर का 'बे' बीजाक्षर, वैर-जयी आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'बे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६ ॥**

कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, सुन तो लो आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'यन्' बीजाक्षर, यत्नम् है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तिरस्कार ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'ह्' बीजाक्षर, हीरा है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ह्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२० ॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दम्भ हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'याम्' बीजाक्षर, यमपाल ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'याम्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'बु' बीजाक्षर, बुराई हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'बु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ज' बीजाक्षर, जगत पूज्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'को' बीजाक्षर, कोशिश है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'को' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, शम्भु है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६ ॥**

कल्याणमंदिर का 'दे' बीजाक्षर, देव दर्श आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७ ॥**

कल्याणमंदिर का 'शे' बीजाक्षर, शेमुषी[१] आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'शे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८ ॥**

---

१. बुद्धि

कल्याणमंदिर का 'पू' बीजाक्षर, पूज्य रहा आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पू' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९ ॥**

कल्याणमंदिर का 'तस्' बीजाक्षर, तकिल[१] नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यशपाल आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'निर्' बीजाक्षर, निर्लोभ है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'निर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, मस्तक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, लालच ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'रु' बीजाक्षर, रुचिर रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'चेर्, बीजाक्षर, चिरंजीव आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'चेर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६ ॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यज्ञ क्रिया आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७ ॥**

कल्याणमंदिर का 'दि' बीजाक्षर, दीप दान आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८ ॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वासित है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९ ॥**

कल्याणमंदिर का 'कि' बीजाक्षर, किनारा दे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'कि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

---

१. जालसाज

कल्याणमंदिर का 'मन्' बीजाक्षर, मनहर है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'या' बीजाक्षर, यवीयस[१] ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'या' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दत्तक ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'क्षस्' बीजाक्षर, क्षेम करे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क्षस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यशोगान आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'सं' बीजाक्षर, सम्मान है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भद्र रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७ ॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वधक नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, पालक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९ ॥**

कल्याणमंदिर का 'दम्' बीजाक्षर, दमदार है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दम्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५० ॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नवगाथा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'नु' बीजाक्षर, नूतनता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२ ॥**

---

१. शूद्र

कल्याणमंदिर का 'कर्', बीजाक्षर, कर्कस ना आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'कर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'णि' बीजाक्षर, निर्यापक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'णि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'का' बीजाक्षर, काय नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'का' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'याः' बीजाक्षर, यथाक्रम है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'याः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

जैसे निर्मल पावन उज्ज्वल, कमल-बीज का जन्म स्थान।
कमल फूल की छोड़ कर्णिका, अन्य कहीं क्या मिले मुकाम॥
ऐसे ही प्रभु योगी अपने, हृदय कमल के बीचों-बीच।
नित परमातम पारस प्रभु के, दर्शन पा तजते भव कीच॥

**ॐ ह्रीं महन्मृग्याय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**गुरु मार्ग में**
**पीछे की हवा सम**
**हमें चलाते।**

## १५.

विशुद्धि वर्धक जिन स्तुति

(वसन्ततिलका)

**ध्यानाज्जिनेश! भवतो भविनः क्षणेन**
**देहं विहाय परमात्म-दशां व्रजन्ति।**
**तीव्रानलादुपल भाव-मपास्य लोके**
**चामीकरत्व-मचिरादिव धातु-भेदाः॥**

**अन्वयार्थ–(जिनेश!)** हे जिनेश! **(लोके)** लोक में **(इव)** जैसे **(तीव्रानलात्)** तीव्र अग्नि के सम्बन्ध से **(धातुभेदाः)** अनेक धातुएँ **(उपलभावम्)** पत्थररूप पूर्वपर्याय को **(अपास्य)** छोड़कर **(अचिरात्)** शीघ्र ही **(चामीकरत्वम्)** सुवर्ण पर्याय को **(व्रजन्ति)** प्राप्त होती हैं उसी तरह **(भविनः)** संसार के प्राणी **(भवतः)** आपके **(ध्यानात्)** ध्यान से **(देहम्)** शरीर को **(विहाय)** छोड़कर **(क्षणेन)** क्षणभर में **(परमात्म-दशाम्)** परमात्मा की अवस्था को **(व्रजन्ति)** प्राप्त होते हैं।

**अर्घ्यावली** (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'ध्या' बीजाक्षर, ध्याता है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ध्या' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'नाज्', बीजाक्षर, नदी नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नाज्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'जि' बीजाक्षर, जिष्णु[१] है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'जि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ने' बीजाक्षर, नेमिनाथ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ने' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४ ॥**

---

१. विजेता

कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, शास्ता है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भावना है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६ ॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वास्तविक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'तो' बीजाक्षर, तोष भरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८ ॥**

कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भव्य रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९ ॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विकसित है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'नः' बीजाक्षर, नाथ रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११ ॥**

कल्याणमंदिर का 'क्ष' बीजाक्षर, क्षायिक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क्ष' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'णे' बीजाक्षर, नेष्टु[१] ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'णे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नगीना है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'दे' बीजाक्षर, देवधाम आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'हं' बीजाक्षर, हिरण्य है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'हं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६ ॥**

---

१. मिट्टी का लोंदा

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विशाल है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**
कल्याणमंदिर का 'हा' बीजाक्षर, हानि नहीं आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'हा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८ ॥**
कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यमन[१] रहा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९ ॥**
कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, परोपकार आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२० ॥**
कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, राहत है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१ ॥**
कल्याणमंदिर का 'मात्' बीजाक्षर, मातृका है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मात्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**
कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महा मोक्ष आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३ ॥**
कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दर्शित है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४ ॥**
कल्याणमंदिर का 'शां' बीजाक्षर, शालीन है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'शां' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५ ॥**
कल्याणमंदिर का 'व्र' बीजाक्षर, व्रत पालक आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'व्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**
कल्याणमंदिर का 'जन्' बीजाक्षर, जन मानस आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'जन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**
कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तम हर्त्ता आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८ ॥**

---

१. संयम

कल्याणमंदिर का 'ती' बीजाक्षर, तीर्थधाम आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ती' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'व्रा' बीजाक्षर, वृथा नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व्रा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नयनम् है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'ला' बीजाक्षर, लाल रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ला' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'दु' बीजाक्षर, दुष्ट नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, पताका है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, लवण नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'भा' बीजाक्षर, भावक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, विराट है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, मस्त रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'पास्' बीजाक्षर, पास रखो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पास्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यम शोधक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'लो' बीजाक्षर, लोकपाल आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'लो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'के' बीजाक्षर, केशलोंच आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'के' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'चा' बीजाक्षर, चारुचंद्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'चा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'मी' बीजाक्षर, मीमांसा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कल्पकाल आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'रत्' बीजाक्षर, रत्नाकर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६ ॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वाचाल ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महामूर्ति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८ ॥**

कल्याणमंदिर का 'चि' बीजाक्षर, चिरकालिक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'चि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, राजधर्म आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५० ॥**

कल्याणमंदिर का 'दि' बीजाक्षर, दिनेश है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, विश्व पूज्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'धा' बीजाक्षर, धार्मिक है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'तु' बीजाक्षर, तुषार ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'भे' बीजाक्षर, भेद हरेआहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५।**

कल्याणमंदिर का 'दाः' बीजाक्षर, दामन है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दाः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

जिस विध जग में धातु भेद सब, पाकर तीव्र आग संस्कार।
पत्थर पना छोड़कर जल्दी, बने शुद्ध सोने का हार॥
ऐसे ही संसारी प्राणी, हे प्रभु! तेरा करके ध्यान।
देह त्याग क्षण में बन जाते, पारस परमातम भगवान॥

**ॐ ह्रीं कर्मकिट्ट दहनाय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**संघर्ष में भी**
**चंदन सम सदा**
**सुगंधी बाटूँ।**

## १६.

खोई हुई वस्तु प्रदायक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**अन्तः सदैव जिन! यस्य विभाव्यसे त्वं**
**भव्यैः कथं तदपि नाशयसे शरीरम्।**
**एतत्स्वरूप मथ-मध्य-विवर्तिनो हि**
**यद्विग्रहं प्रशमयन्ति महानुभावाः॥**

**अन्वयार्थ–(जिन!)** हे जिनेन्द्र! **(भव्यैः)** भव्यजीवों के द्वारा **(यस्य)** जिस शरीर के **(अन्तः)** भीतर **(त्वम्)** आप **(सदैव)** हमेशा **(विभाव्यसे)** ध्याये जाते हैं **(तत्)** उस **(शरीरम् अपि)** शरीर को ही आप **(कथम्)** क्यों **(नाशयसे)** नष्ट करा देते हैं? **(अथ)** अथवा **(एतत् स्वरूपम्)** यह स्वभाव ही है **(यत्)** कि **(मध्यविवर्तिनः)** मध्यस्थ-बीच में रहने वाले और राग-द्वेष से रहित **(महानुभावाः)** महापुरुष **(विग्रहम्)** विग्रह शरीर और द्वेष को **(प्रशमयन्ति)** शान्त करते हैं।

### अर्घ्यावली (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'अन्' बीजाक्षर, अनन्त है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'अन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'तः' बीजाक्षर, तारतम्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, सद्भावन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'दै' बीजाक्षर, दैत्य हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दै' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, विश्वशान्ति आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'जि' बीजाक्षर, जिज्ञासा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'जि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६ ॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नाता है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७ ॥**

कल्याणमंदिर का 'यस्' बीजाक्षर, यशवर्धक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८ ॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यशदाई आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९ ॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विखरे ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'भाव्' बीजाक्षर, भावशुद्धि आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भाव्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यमशुद्धि आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'से' बीजाक्षर, सेव्य रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'से' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३ ॥**

कल्याणमंदिर का 'त्वं' बीजाक्षर, त्रास हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्वं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'भव्' बीजाक्षर, भव्यमंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भव्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'यैः' बीजाक्षर, ऐरावत आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यैः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६ ॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कंट हरे आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७ ॥**

कल्याणमंदिर का 'थम्' बीजाक्षर, थान नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'थम्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८ ॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तीरा दे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९ ॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दर्श योग्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२० ॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, प्यारा है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ना' बीजाक्षर, नामित है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ना' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, शाठ्य नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यम जेता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४ ॥**

कल्याणमंदिर का 'से' बीजाक्षर, सेवो तो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'से' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, शरीर ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६ ॥**

कल्याणमंदिर का 'री' बीजाक्षर, रीति है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'री' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७ ॥**

कल्याणमंदिर का 'रम्' बीजाक्षर, रमता है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रम्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८ ॥**

कल्याणमंदिर का 'ए' बीजाक्षर, एकाक्षर आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ए' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'तत्' बीजाक्षर, तत्काली आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'स्व' बीजाक्षर, स्वरूप दे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स्व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'रू' बीजाक्षर, रूढ़ी ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रू' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, पुमान है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महा मौन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'थ' बीजाक्षर, थानक ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'थ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'मध्' बीजाक्षर, माध्यम है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मध्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यहाँ-वहाँ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विस्तृत है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'वर्, बीजाक्षर, वरद रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तीरा है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'नो' बीजाक्षर, नोकर ना आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१ ॥**

कल्याणमंदिर का 'हि' बीजाक्षर, हित साधक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'हि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'यद्' बीजाक्षर, यति रूपा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यद्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विश्वेश है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'ग्र' बीजाक्षर, ग्रहण हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५ ॥**

कल्याणमंदिर का 'हं' बीजाक्षर, हम पूजें आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'हं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६ ॥**

कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्रबल मंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७ ॥**

कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, शंसा है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८ ॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महागुरु आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९ ॥**

कल्याणमंदिर का 'यन्' बीजाक्षर, यन्त्र रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५० ॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तीर्थिक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महानुभाव आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२ ॥**

कल्याणमंदिर का 'हा' बीजाक्षर, हार रहा आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'हा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'नु' बीजाक्षर, नवक रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'भा' बीजाक्षर, भाषा है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'वाः' बीजाक्षर, वास करे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वाः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

जिन भव्यों के अन्तर मन से, ध्याये जाते निःसंदेह।
उन जीवों के कैसे तुम तो, हे प्रभु! नष्ट करो दुख देह॥
सच में ऐसा स्वरूप है जो, मध्यवर्ति है पुरुष महान।
सभी विवादों की जड़ हर ले, निश्चित बनता वह भगवान॥

**ॐ ह्रीं देह-देहि-कलह निवारकाय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**पर पीड़ा से**
**अपनी करुणा सो**
**सक्रिय होती।**

## १७.

विषविकारनाशक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**आत्मा मनीषिभिरयं त्वदभेद - बुद्ध्या**
**ध्यातो जिनेन्द्र! भवतीह भवत्प्रभावः।**
**पानीयमप्यमृत - मित्यनु - चिन्त्यमानं**
**किं नाम नो विष-विकार-मपाकरोति॥**

**अन्वयार्थ–(जिनेन्द्र!)** हे जिनेन्द्र! **(मनीषिभिः)** बुद्धिमानों के द्वारा **(त्वदभेद-बुद्ध्या)** ''आपसे अभिन्न है'' ऐसी बुद्धि से **(ध्यातः)** ध्यान किया गया **(अयम् आत्मा)** यह आत्मा **(भवत्प्रभावः)** आप ही के समान प्रभाव वाला **(भवति)** हो जाता है **(अमृतम् इति अनुचिन्त्यमानम्)** यह अमृत है, इस तरह निरन्तर चिन्तन किया जाने वाला **(पानीयम् अपि)** पानी भी **(किम्)** क्या **(विषविकारम्)** विष के विकार को **(नो अपाकरोति नाम)** दूर नहीं करता? अर्थात् करता है?

**अर्घ्यावली** (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'आत्' बीजाक्षर, आत्मा है आहा। ओम्...
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'आत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'मा' बीजाक्षर, माला है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महात्याग आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'नी' बीजाक्षर, नीति है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'नी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'षि' बीजाक्षर, शिकायत ना आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'षि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**

कल्याणमंदिर का 'भि' बीजाक्षर, भिक्षा ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रति नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'यं' बीजाक्षर, यमविजयी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**

कल्याणमंदिर का 'त्व' बीजाक्षर, तत्त्वज्ञ है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दमन नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'भे' बीजाक्षर, भैषज है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दक्ष करे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**

कल्याणमंदिर का 'बुद्' बीजाक्षर, बुद्ध रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'बुद्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**

कल्याणमंदिर का 'ध्या' बीजाक्षर, ध्यान मंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ध्या' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**

कल्याणमंदिर का 'ध्या' बीजाक्षर, ध्यान केन्द्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ध्या' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**

कल्याणमंदिर का 'तो' बीजाक्षर, तौल नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'जि' बीजाक्षर, जिणाणं है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'जि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**
कल्याणमंदिर का 'नेन्' बीजाक्षर, नेत्र द्वार आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'नेन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**
कल्याणमंदिर का 'द्र' बीजाक्षर, द्राक्ष नहीं आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'द्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**
कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भव-तारक आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**
कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, बहार है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**
कल्याणमंदिर का 'ती' बीजाक्षर, तीव्र भक्ति आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ती' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**
कल्याणमंदिर का 'ह' बीजाक्षर, हम जाने आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ह' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**
कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भण्डार है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**
कल्याणमंदिर का 'वत्' बीजाक्षर, वात्सल्य है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**
कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्रणम्य है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**
कल्याणमंदिर का 'भा' बीजाक्षर, भानु किरण आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'भा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**
कल्याणमंदिर का 'वः' बीजाक्षर, वसुधा है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'पा' बीजाक्षर, पाप नहीं आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'पा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**
कल्याणमंदिर का 'नी' बीजाक्षर, नीका है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'नी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**
कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यशकीर्ति आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**
कल्याणमंदिर का 'मप्' बीजाक्षर, मापो ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मप्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**
कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यश गाथा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**
कल्याणमंदिर का 'मृ' बीजाक्षर, मृत्युराज आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मृ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**
कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तीरथ है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**
कल्याणमंदिर का 'मित्' बीजाक्षर, मित्र सखा आहा।
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मित्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**
कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यशवंता आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**
कल्याणमंदिर का 'नु' बीजाक्षर, नुर नूर आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'नु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**
कल्याणमंदिर का 'चिन्' बीजाक्षर, चिंतामणि आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'चिन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**
कल्याणमंदिर का 'त्य' बीजाक्षर, त्याग धर्म आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'मा' बीजाक्षर, महात्मा है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'नं' बीजाक्षर, निम्न नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'किं' बीजाक्षर, किंचित ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'किं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'ना' बीजाक्षर, नाना रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ना' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महानायक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'नो' बीजाक्षर, नौकर्म ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, वितान है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'ष' बीजाक्षर, संत तुल्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ष' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विज्ञान है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'का' बीजाक्षर, काल हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'का' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रंग नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महाविजय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'पा' बीजाक्षर, पारसमणि आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कंत रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'रो' बीजाक्षर, रोष हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तिष्ठ-तिष्ठ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

ज्यों जल को अमृत समान कर, जो कोई वह पिए जरूर।
तो फिर उसकी विष की बाधा, तुरत नहीं होती क्या दूर॥
अपनी आतम पारस जैसी, ज्ञानी यदि करता यों ध्यान।
तो वह कृपा आपकी पाकर, बने नहीं क्या आप समान॥

**ॐ ह्रीं संसार विष-सुधोपमाय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**सिर में चाँद**
**अच्छा निकल आया**
**सूर्य न उगा।**

## १८.

मिथ्या अभिप्राय नाशक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**त्वामेव वीत-तमसं परवादिनोऽपि**
**नूनं विभो! हरि-हरादि-धिया प्रपन्नाः।**
**किं काच-कामलिभिरीश सितोऽपि शंखो**
**नो गृह्यते विविध-वर्ण-विपर्ययेण॥**

**अन्वयार्थ—(विभो!)** हे स्वामिन्! **(परवादिनः अपि)** अन्य मतावलम्बी पुरुष भी **(वीततमसम्)** अज्ञान अन्धकार से रहित **(त्वाम् एव)** आपको ही **(नूनम्)** निश्चय से **(हरिहरादिधिया)** विष्णु, महादेवादि की कल्पना से **(प्रपन्नाः)** प्राप्त होते हैं/पूजते हैं **(किम्)** क्या **(ईश!)** हे विभो! **(काचकामलिभिः)** जिनकी आँख पर रंगदार चश्मा है अथवा जिन्हें पीलिया रोग हो गया है, ऐसे पुरुषों के द्वारा **(शङ्खः सितः अपि)** शंख सफेद होने पर भी **(विविधवर्ण-विपर्ययेण)** अनेक प्रकार के विपरीत वर्णों से **(नो गृह्यते)** ग्रहण नहीं किया जाता है? अर्थात् किया जाता है।

### अर्घ्यावली (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'त्वा' बीजाक्षर, तत्त्वार्थ है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'मे' बीजाक्षर, मैल हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, विमल रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'वी' बीजाक्षर, वीतदोष आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तमस नहीं आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तत्त्व-ज्ञान आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महालाभ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'सं' बीजाक्षर, संयम धन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, परम गुरु आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, राज हठ न आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वांचो तो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'दि' बीजाक्षर, दिग्वासा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**

कल्याणमंदिर का 'नो' बीजाक्षर, नोंक-झोंक न आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, परमोहि आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**

कल्याणमंदिर का 'नु' बीजाक्षर, न्यून नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**

कल्याणमंदिर का 'नं' बीजाक्षर, न्याय शास्त्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विद्यागुरु आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**
कल्याणमंदिर का 'भो' बीजाक्षर, भूषण है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'भो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**
कल्याणमंदिर का 'ह' बीजाक्षर, हठ योग न आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ह' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**
कल्याणमंदिर कार 'रि' बीजाक्षर, रिक्त नहीं आहा।ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'रि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**
कल्याणमंदिर का 'ह' बीजाक्षर, हर्ष दान आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ह' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**
कल्याणमंदिर का 'रा' बीजाक्षर, रात्रि नहीं आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'रा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**
कल्याणमंदिर का 'दि' बीजाक्षर, देह शुद्धि आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'दि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**
कल्याणमंदिर का 'धि' बीजाक्षर, धिक्कार ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'धि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**
कल्याणमंदिर का 'या' बीजाक्षर, यागमण्डल आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'या' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**
कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्रयोग है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**
कल्याणमंदिर का 'पन्' बीजाक्षर, पंथ नहीं आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'पन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**
कल्याणमंदिर का 'नाः' बीजाक्षर, नामचीन आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'नाः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'किं' बीजाक्षर, कठोर ना आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'किं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**
कल्याणमंदिर का 'का' बीजाक्षर, कातर ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'का' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**
कल्याणमंदिर का 'च' बीजाक्षर, चमत्कार आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'च' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**
कल्याणमंदिर का 'का' बीजाक्षर, कायर ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'का' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**
कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, मलिन नहीं आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**
कल्याणमंदिर का 'लि' बीजाक्षर, लिखो-पढ़ो आहा।ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'लि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**
कल्याणमंदिर का 'भि' बीजाक्षर, भिदक[१] रहाआहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'भि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**
कल्याणमंदिर का 'री' बीजाक्षर, रीता ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'री' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**
कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, शूरवीर आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**
कल्याणमंदिर का 'सि' बीजाक्षर, सिर टेको आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'सि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**
कल्याणमंदिर का 'तो' बीजाक्षर, तत्त्व धर्म आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'तो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**
कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, परम प्रभु आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

---
१. सीधा

कल्याणमंदिर का 'शं' बीजाक्षर, शंकित ना आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'शं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'खो' बीजाक्षर, खोज रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'खो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'नो' बीजाक्षर, न्याय नीति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'गृ' बीजाक्षर, गृहस्थ नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'गृ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'ह्य' बीजाक्षर, हाय हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ह्य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'ते' बीजाक्षर, तत्त्व कथन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ते' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विवेक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विचार है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'ध' बीजाक्षर, धर्म शास्त्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ध' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'वर्' बीजाक्षर, वरद हस्त आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'ण' बीजाक्षर, नवीन गुण आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ण' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विश्व व्याप्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'पर्' बीजाक्षर, परम सुखी आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यशधर्मा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'ये' बीजाक्षर, यशकर्मा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ये' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'ण' बीजाक्षर, नूतन पथ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ण' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

जिसे पीलिया रोग हुआ वह, रंग करे उल्टे स्वीकार।
श्वेत शंख भी पीला-पीला, क्या? नहिं देखे वह बीमार॥
इसी तरह पर मत अनुयाई, तुम्हें कहें अपने भगवान।
जबकि आप तो पारस प्रभु हो, सच्चे वीतराग विज्ञान॥

**ॐ ह्रीं सर्व जन वन्द्याय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**आलोचन से**
**लोचन खुलते हैं**
**सो स्वागत है।**

## १९.

अशोकवृक्ष प्रातिहार्य - वैभव वर्द्धक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**धर्मोपदेश समये सविधानुभावा-**
**दास्तां जनो भवति ते तरुरप्यशोकः।**
**अभ्युद्गते दिनपतौ समहीरुहोऽपि**
**किं वा विबोध-मुपयाति न जीव-लोकः॥**

**अन्वयार्थ—(धर्मोपदेशसमये)** धर्मोपदेश के समय **(ते)** आपकी **(सविधानु-भावात्)** समीपता के प्रभाव से **(जनः आस्ताम्)** मनुष्य तो दूर रहे **(तरुः अपि)** वृक्ष भी **(अशोकः)** अशोक/शोक रहित **(भवति)** हो जाता है। **(वा)** अथवा **(दिनपतौ अभ्युद्गते 'सति')** सूर्य के उदय होने पर **(समहीरुहः अपि जीवलोकः)** वृक्षों सहित समस्त जीवलोक **(किम्)** क्या **(विबोधम्)** विकास/विशेष ज्ञान को **(न उपयाति)** नहीं प्राप्त होते अर्थात् होते हैं।

**अर्घ्यावली** (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'धर्' बीजाक्षर, धर्मात्मा है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'मो' बीजाक्षर, मोहजयी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, परमबुद्ध आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'दे' बीजाक्षर, देवाधिदेव आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, शाम हरे आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**

कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, स्वयं वीर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महात्याग आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'ये' बीजाक्षर, यकायक ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ये' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**

कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, स्वानुभूति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विराग दे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'धा' बीजाक्षर, धार पार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'नु' बीजाक्षर, नून न कर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**

कल्याणमंदिर का 'भा' बीजाक्षर, भागो ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**

कल्याणमंदिर का 'वा' बीजाक्षर, वसुमति है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**

कल्याणमंदिर का 'दास्' बीजाक्षर, दास्ता न आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दास्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**

कल्याणमंदिर का 'तां' बीजाक्षर, तांत्रिक ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तां' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'ज' बीजाक्षर, जयघोष है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'नो' बीजाक्षर, निर्ग्रन्थ है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भक्त हृदय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, बहे नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तत्त्वदीप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'ते' बीजाक्षर, तत्त्वज्योति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ते' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तत्त्वशुद्धि आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'रु' बीजाक्षर, रिक्ता नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'रप्' बीजाक्षर, रट तो लो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रप्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यश वर्णन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'शो' बीजाक्षर, शोभा है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'शो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'कः' बीजाक्षर, कमल विहार आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'कः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'अभ्' बीजाक्षर, अभयदान आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'अभ्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'युद्' बीजाक्षर, युद्ध टले आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'युद्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'ग' बीजाक्षर, गम-हारी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'ते' बीजाक्षर, तीखा ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ते' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'दि' बीजाक्षर, दिव्य मंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नया मंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, परमागम आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'तौ' बीजाक्षर, तत्त्व विभव आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तौ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, सरगम है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महारत्न आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'ही' बीजाक्षर, हीरक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ही' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'रु' बीजाक्षर, रुग्ण हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'हो' बीजाक्षर, होमी है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'हो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, पार्श्वनाथ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'किं' बीजाक्षर, किला विजय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'किं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वाक् सिद्धि आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विमर्श है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'बो' बीजाक्षर, बोधक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'बो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'ध' बीजाक्षर, धर्माजन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ध' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'मु' बीजाक्षर, मुमुक्षु है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, परम धाम आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'या' बीजाक्षर, यापनीय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'या' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तिर्यंच ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नाशवान आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'जी' बीजाक्षर, जीवकाण्ड आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'जी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वहिष्कृत ना आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'लो' बीजाक्षर, लोकाध्यक्ष आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'लो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'कः' बीजाक्षर, कलुष हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'कः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

ज्यों ही दिनपति के उगने पर, फल-फूलों की छोड़ो बात।
दुनियाँ भी क्या पुलकित ना हो, पाकर मंगलमयी प्रभात॥
त्यों ही दिव्य देशना के क्षण, निकट आप के जब हो लोक।
तो भक्तों की बात छोड़िए, सच में बनते वृक्ष अशोक॥

**ॐ ह्रीं अशोकवृक्ष-प्रातिहार्ययुक्त क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**सरोवर का**
**अन्तरंग छुपा क्यों ?**
**तरंग वश।**

## २०.

पुष्पवृष्टि प्रातिहार्य - स्त्री संबंधी समस्त रोग नाशक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**चित्रं विभो! कथमवाङ्मुख-वृन्तमेव**
**विष्वक्पतत्य-विरला सुर-पुष्पवृष्टिः।**
**त्वद्गोचरे सुमनसां यदि वा मुनीश!**
**गच्छन्ति नूनमध एव हि बन्धनानि॥**

**अन्वयार्थ—(विभो!)** हे स्वामिन्! **(चित्रम्)** आश्चर्य है कि **(विष्वक्)** सब ओर **(अविरला)** व्यवधान रहित **(सुरपुष्पवृष्टिः)** देवों के द्वारा की हुई पुष्पों की वर्षा **(अवाङ्मुखवृन्तम् एव)** नीचे डण्ठल और ऊपर को है पांखुरी जिसकी ऐसी ही **(कथम्)** क्यों **(पतति)** गिरती है? **(यदि वा)** अथवा ठीक ही है कि **(मुनीश!)** हे मुनियों के नाथ! **(त्वद्गोचरे)** आपके समीप **(सुमनसाम्)** पुष्पों अथवा विद्वानों के **(बन्धनानि)** डंठल अथवा कर्मों के बन्धन **(नूनम् हि)** निश्चय से **(अधः एव गच्छन्ति)** नीचे को ही जाते हैं।

### अर्घ्यावली (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'चि' बीजाक्षर, चिदानन्द आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'चि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'त्रं' बीजाक्षर, तम नाशक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्रं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विहर्ष है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'भो' बीजाक्षर, भोक्ता ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कथा मंत्र आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**
कल्याणमंदिर का 'थ' बीजाक्षर, थोक रूप आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'थ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**
कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महा क्षमा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**
कल्याणमंदिर का 'वाङ्' बीजाक्षर, वाङ्मय है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वाङ्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**
कल्याणमंदिर का 'मु' बीजाक्षर, मुखिया है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**
कल्याणमंदिर का 'ख' बीजाक्षर, खटके ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ख' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**
कल्याणमंदिर का 'वृन्' बीजाक्षर, वृन्दावन आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वृन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**
कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तरसे ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**
कल्याणमंदिर का 'मे' बीजाक्षर, मेल-जोल आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**
कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वियोग ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**
कल्याणमंदिर का 'विष्' बीजाक्षर, विश्वरूप आहा।ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'विष्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**
कल्याणमंदिर का 'वक्' बीजाक्षर, वक्ता है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वक्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, पुरुषोत्तम आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'तत्' बीजाक्षर, त्रैकालिक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यशोगीत आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विकर्ष है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, राज-तिलक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, लालित है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'सु' बीजाक्षर, सुख कर्त्ता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रम तो लो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'पुष्' बीजाक्षर, पुष्पक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पुष्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, पहल करे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'वृष्' बीजाक्षर, वृषभनाथ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वृष्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'टिः' बीजाक्षर, टिकता है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'टिः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'त्वद्' बीजाक्षर, तीर्थ करे आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्वद्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'गो' बीजाक्षर, गोम्मटेश्वर आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'गो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'च' बीजाक्षर, चिन्रूपी आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'च' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'रे' बीजाक्षर, रेखांकित आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'रे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'सु' बीजाक्षर, सु-व्रत दे आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'सु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, मनोबली आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, निरम्बर है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'साम्' बीजाक्षर, साम्यभाव आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'साम्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यशोवाक आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'दि' बीजाक्षर, दिगम्बर है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'दि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'वा' बीजाक्षर, वाक्कला आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'मु' बीजाक्षर, मुनि रूप आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'नी' बीजाक्षर, नीचा ना आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'नी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**
कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, शक्कर सा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**
कल्याणमंदिर का 'गच्' बीजाक्षर, गोचर है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'गच्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**
कल्याणमंदिर का 'छम्' बीजाक्षर, छत्र छाँव आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'छम्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**
कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तत्त्वध्यान आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**
कल्याणमंदिर का 'नू' बीजाक्षर, नर्तन ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'नू' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**
कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नय ज्ञाता आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**
कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महाब्रह्म आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**
कल्याणमंदिर का 'ध' बीजाक्षर, धर्म पति आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ध' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**
कल्याणमंदिर का 'ए बीजाक्षर, एकत्व है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ए' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**
कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, विभक्त है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**
कल्याणमंदिर का 'हि' बीजाक्षर, हिस्सेदार है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'हि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'बन्' बीजाक्षर, बन्धन ना आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'बन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'ध' बीजाक्षर, धर्म यज्ञ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ध' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'ना' बीजाक्षर, यान गमन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ना' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'नि' बीजाक्षर, निर्विकार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

पुष्प वृष्टि सुर सघन करें तो, चमत्कार हों भाव विभोर।
नीचे डण्ठल ऊपर कलियाँ, यों क्यों पुष्प गिरे चहुँ ओर॥
इसका मतलब सुमन पुरुष जो, हे प्रभु! तुझसे रहे न दूर।
उसके बन्धन गिर ही जाते, फूलों सा वह खिले जरूर॥

**ॐ ह्रीं सुर-पुष्पवृष्टि-प्रातिहार्ययुक्त क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**जिस बोध में**
**लोकालोक तैरते**
**उसे नमन।**

## २१.

दिव्यध्वनि प्रातिहार्य - मूक-बधिर-अन्ध नाशक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**स्थाने गभीर-हृदयोदधि-सम्भवायाः**
**पीयूषतां तव गिरः समुदीरयन्ति।**
**पीत्वा यतः परम-सम्मद-संगभाजो**
**भव्या व्रजन्ति तरसाप्यजरामरत्वम्॥**

**अन्वयार्थ–(गभीरहृदयोदधिसम्भवायाः)** गम्भीर हृदयरूपी समुद्र से पैदा हुई **(तव)** आपकी **(गिरः)** वाणी के **(पीयूषताम्)** अमृतपने को लोग **(स्थाने)** ठीक ही **(समुदीरयन्ति)** प्रकट करते हैं **(यतः)** क्योंकि **(भव्याः)** भव्यजीव **(ताम् पीत्वा)** उसे पीकर **(परमसम्मदसङ्गभाजः 'सन्तः')** परमसुख के भागी होते हुए **(तरसा अपि)** बहुत ही शीघ्र **(अजरामरत्वम्)** अजर-अमरपने को **(व्रजन्ति)** प्राप्त होते हैं।

### अर्घ्यावली (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'स्था' बीजाक्षर, स्थायी आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स्था' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'ने' बीजाक्षर, नेक मंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ने' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'ग' बीजाक्षर, ज्ञान रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'भी' बीजाक्षर, भीत नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रक्षा पथ आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**

कल्याणमंदिर का 'ह्र' बीजाक्षर, हृदय द्वार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ह्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दया मार्ग आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'यो' बीजाक्षर, योग्य करे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, देवधर्म आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**

कल्याणमंदिर का 'धि' बीजाक्षर, धिक हर्त्ता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'सं' बीजाक्षर, सम्यकता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भगवंता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**

कल्याणमंदिर का 'वा' बीजाक्षर, वारिश है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**

कल्याणमंदिर का 'याः' बीजाक्षर, यात्रा सुख आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'याः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**

कल्याणमंदिर का 'पी' बीजाक्षर, प्रिय रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**

कल्याणमंदिर का 'यू' बीजाक्षर, यश पुराण आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यू' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'ष' बीजाक्षर, श्रम-हर्त्ता आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ष' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'तां' बीजाक्षर, ताला हर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तां' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, त्रुटि हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वंद्य रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'गि' बीजाक्षर, गिर न सके आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'गि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'रः' बीजाक्षर, राष्ट्र धर्म आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, समयसूत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'मु' बीजाक्षर, मुनि सेवा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'दी' बीजाक्षर, दीपक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दह' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रंक नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'यन्' बीजाक्षर, यंत्र गुणी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तिरछा ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'पीत्' बीजाक्षर, परमौषध आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पीत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'वा' बीजाक्षर, विशोक नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यश दर्शन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, त्रुटि नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, परम मित्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रज-हर्त्ता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, ममकार ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'सम्' बीजाक्षर, सम्यकत्व है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सम्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महाज्ञान आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दया पर्व आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'सं बीजाक्षर, सर्वौषध आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'ग' बीजाक्षर, ज्ञानीश है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भाल रहा आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'जो' बीजाक्षर, जोश भरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'जो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'भव्' बीजाक्षर, भव्य समय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भव्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, याग विधी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'व्र' बीजाक्षर, व्रतदाता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'जन्' बीजाक्षर, जन से जिन आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'जन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तिरस्कार न आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तीर्थ सुख है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रथोत्सव आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'साप्' बीजाक्षर, सपना है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'साप्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यशो जनक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'ज' बीजाक्षर, ज्ञायक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का रा' बीजाक्षर, राज मन्त्र आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, यशदात्री आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रजनी हर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'त्वं' बीजाक्षर, तीर्थ देश आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्वं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

प्रभु के जो गम्भीर हृदय के, महा सिन्धु से हो उत्पन्न।
वाणी वह जिनवाणी गंगा, अमृत जैसी करे प्रसन्न॥
जिसका कर जल-पान भव्य जन, चिदानंद में कर विश्राम।
अजर अमर बनते सिद्धातम, जिनको बारम्बार प्रणाम॥

**ॐ ह्रीं दिव्यध्वनि-प्रातिहार्ययुक्त क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**कच्चा घड़ा है**
**काम में न लो बिना**
**अग्नि परीक्षा।**

## २२.

चामर प्रातिहार्य - शत्रु को अनुकूल करने वाली स्तुति

(वसन्ततिलका)

**स्वामिन्! सुदूर-मवनम्य समुत्पतन्तो**
**मन्ये वदन्ति शुचयः सुर-चामरौघाः।**
**येऽस्मै नतिं विदधते मुनि-पुंगवाय**
**ते नून-मूर्ध्व-गतयः खलु शुद्ध-भावाः॥**

**अन्वयार्थ—(स्वामिन्!)** हे स्वामिन्! **(मन्ये)** मैं मानता हूँ कि **(सुदूरम्)** नीचे को बहुत दूर तक **(अवनम्य)** नम्रीभूत होकर **(समुत्पतन्तः)** ऊपर को आते हुए **(शुचयः)** पवित्र **(सुरचामरौघाः)** देवों के चँवर-समूह **(वदन्ति)** लोगों से कह रहे हैं कि **(ये)** जो **(अस्मै मुनिपुङ्गवाय)** इन श्रेष्ठ मुनीन्द्र को **(नतिम्)** नमस्कार **(विदधते)** करते हैं, **(ते)** वे **(नूनम्)** निश्चय से **(शुद्धभावाः)** विशुद्ध परिणाम वाले होकर **(ऊर्ध्वगतयः)** ऊर्ध्वगति वाले **(खलु भवन्ति)** सचमुच हो जाते हैं अर्थात् स्वर्ग/मोक्ष को प्राप्त होते हैं।

### अर्घ्यावली (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'स्वा' बीजाक्षर, स्वाभिमान आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'स्वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'मिन्' बीजाक्षर, मंत्र पाठ आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मिन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'सु' बीजाक्षर, सुधर्म है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'सु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'दू' बीजाक्षर, दूर नहीं आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'दू' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रव[१]-हर्त्ता आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महाछत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, विजय रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'नम्' बीजाक्षर, नम्य भाव आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नम्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यशधारी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**

कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, सुमति ज्ञान आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'मुत्' बीजाक्षर, मुस्कान है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मुत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, परम प्रवर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**

कल्याणमंदिर का 'तन्' बीजाक्षर, तन्तु ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**

कल्याणमंदिर का 'तो' बीजाक्षर, तोड़ नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**

कल्याणमंदिर का 'मन्' बीजाक्षर, मन से भज आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**

कल्याणमंदिर का 'ये' बीजाक्षर, याम्य[२] नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ये' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

---

१. कोलाहल २. यम सम्बन्धी, दक्षिणायन

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, विहर रहा आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'दन्' बीजाक्षर, दंत नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तिरा रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'शु' बीजाक्षर, शुष्क नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'शु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'च' बीजाक्षर, चर्म नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'च' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'यः' बीजाक्षर, यश नायक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'सु' बीजाक्षर, सुस्वागत आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रक्ष! रक्ष! आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'चा' बीजाक्षर, चैत्य बिम्ब आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'चा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महाजयी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'रौ' बीजाक्षर, रोको ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रौ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'घाः' बीजाक्षर, घातक ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'घाः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'यस्' बीजाक्षर, यशपालक आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'मैः' बीजाक्षर, मेटे दुख आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मैः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, निर्णय है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'तिं' बीजाक्षर, तीर्थ पुत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तिं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विसरे ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दया कर्म आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'ध' बीजाक्षर, धर्म कथन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ध' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'ते' बीजाक्षर, तेजस गुण आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ते' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'मु' बीजाक्षर, मुनि साधन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'नि' बीजाक्षर, निष्ठुर ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'पुं' बीजाक्षर, पुंसक ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पुं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'ग' बीजाक्षर, ज्ञान कला आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'वा' बीजाक्षर, वाहिनी है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यश फल दे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'ते' बीजाक्षर, तेल नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ते' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'नू' बीजाक्षर, निष्फल ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नू' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नय चक्रम् आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'मूर्' बीजाक्षर, मूर्धन्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मूर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'ध्व' बीजाक्षर, ध्वनि मंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ध्व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'ग' बीजाक्षर, ज्ञान गुणी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तीर्थ पुण्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'यः' बीजाक्षर, यशबल दे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'ख' बीजाक्षर, खटक हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ख' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'लु' बीजाक्षर, लुभा रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'लु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'शुद्' बीजाक्षर, शुद्ध रहा आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'शद्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'ध' बीजाक्षर, धरण रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ध' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'भा' बीजाक्षर, भाता है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'वाः' बीजाक्षर, वासा ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वाः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

नाथ! आपके अगल-बगल में, नीचे से ऊपर की ओर।
देवों ने जो चँवर ढुराये, वो क्या शिक्षा दें चितचोर॥
मैं मानूँ जो शुद्ध-भाव से, मुनि पुंगव को करे प्रणाम।
बाल न बाँका उसका होगा, सबसे ऊँचा जग में नाम॥

**ॐ ह्रीं सुर-चामर-प्रातिहार्ययुक्त क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**टिमटिमाते**
**दीप को भी पीठ दे**
**भागती रात।**

## २३.

सिंहासन प्रातिहार्य - राजादि पद प्रदायक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**श्यामं गभीर-गिरमुज्ज्वल-हेम-रत्न-**
**सिंहासनस्थ-मिह भव्य-शिखण्डिनस्त्वाम्।**
**आलोकयन्ति रभसेन नदन्तमुच्चैः**
**चामीकराद्रि-शिरसीव नवाम्बुवाहम्॥**

**अन्वयार्थ—(इह)** इसलोक में **(श्यामम्)** श्याम वर्ण **(गभीर-गिरम्)** गम्भीर दिव्यध्वनि युक्त और **(उज्ज्वलहेमरत्नसिंहासनस्थं)** उज्ज्वल स्वर्ण से निर्मित रत्नों से जड़ित सिंहासन पर स्थित **(त्वाम्)** आपको **(भव्य-शिखण्डिनः)** भव्यजीवरूपी मयूर **(चामीकराद्रिशिरसि)** सुवर्णमय मेरुपर्वत के शिखर पर **(उच्चैः नदन्तम्)** उच्च स्वर से गरजते हुए **(नवाम्बुवाहम् इव)** नूतन मेघ की तरह **(रभसेन)** अति उत्सुकता से **(आलोकयन्ति)** देखते हैं।

**अर्घ्यावली** (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'श्या' बीजाक्षर, श्याम नहीं आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'श्या' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'मं' बीजाक्षर, मांग नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'ग' बीजाक्षर, ज्ञान ध्यान आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'भी' बीजाक्षर, भीरु ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, राख नहीं आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**
कल्याणमंदिर का 'गि' बीजाक्षर, गिराओ ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'गि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**
कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रट डालो आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**
कल्याणमंदिर का 'मुज्' बीजाक्षर, मुझे मिले आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मुज्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**
कल्याणमंदिर का 'ज्व' बीजाक्षर, ज्वार नहीं आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज्व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**
कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, लड़े नहीं आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**
कल्याणमंदिर का 'हे' बीजाक्षर, हेर रहा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'हे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**
कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महागीत आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**
कल्याणमंदिर का 'रत्' बीजाक्षर, रत्नकोष आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'रत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**
कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नवाचार[१] आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**
कल्याणमंदिर का 'सिं' बीजाक्षर, सिंहनाद आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'सिं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**
कल्याणमंदिर का 'ह' बीजाक्षर, हास्य नहीं आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ह' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

---

१. नव (नया) आचार (चारित्र)

कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, सरल रहा आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नच न सके आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'स्थ' बीजाक्षर, स्थानीय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स्थ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'मि' बीजाक्षर, मिशाल है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'ह' बीजाक्षर, हंस गुणी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ह' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'भव्' बीजाक्षर, भव्यता है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भव्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यश नायक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'शि' बीजाक्षर, शिष्य गुरु आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'शि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'खण्' बीजाक्षर, खण्डक ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'खण्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'डि' बीजाक्षर, डिगाए ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'डि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'नस्' बीजाक्षर, नष्ट न कर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'त्वाम्' बीजाक्षर, तुम जप लो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्वाम्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'आ' बीजाक्षर, आशीर्वाद आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'आ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'लो' बीजाक्षर, लोकपूज्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'लो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कनक तुल्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'यन्' बीजाक्षर, यंत्र पूज्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तिया नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, राज करे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भव भीरुआहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'से' बीजाक्षर, सेठ करे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'से' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नयसाधन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नय-साधक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'दन्' बीजाक्षर, दानपति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तारण-तरण आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'मुच्' बीजाक्षर, मुक्ति दे आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मुच्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'चैः' बीजाक्षर, चैत्य भवन आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'चैः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'चा' बीजाक्षर, चालाक ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'चा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'मी' बीजाक्षर, मीठा है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कसक हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'रा' बीजाक्षर, राणा है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'द्रि' बीजाक्षर, द्रव्य दृष्टि आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द्रि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'शि' बीजाक्षर, शिक्षा दल आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'शि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रटो जपो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'सी' बीजाक्षर, सीखो तो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वंजर ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नव गाथा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'वाम्' बीजाक्षर, वामी ना आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वाम्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'बु' बीजाक्षर, बुजुर्ग ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'बु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'वा' बीजाक्षर, बाला ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'हम्' बीजाक्षर, हम ध्याएँ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'हम्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

बहुत सुनहरा रत्न जड़ित जो, सिंहासन उज्ज्वल विख्यात।
जिस पर हैं गम्भीर वचन-मय, श्याम सलोने पारसनाथ॥
यों लगते सुरगिरी शिखर पर, श्याम मेघ गरजे ज्यों दूर।
लगा टकटकी ताक रहे हों, पारसप्रभु को भव्य मयूर॥

**ॐ ह्रीं सिंहासन-प्रातिहार्ययुक्त क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**पक्षी कभी भी
दूसरों के नीड़ों में
घुसते नहीं।**

## २४.

भामण्डल प्रातिहार्य - कान्ति नीरोग शरीर प्रदायक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**उद्गच्छता तव शिति-द्युति-मण्डलेन**
**लुप्तच्छदच्छवि-रशोक - तरुर्बभूव।**
**सान्निध्यतोऽपि यदि वा तव वीतराग!**
**नीरागतां व्रजति को न सचेतनोऽपि॥**

**अन्वयार्थ—(उद्गच्छता)** स्फुरायमान **(तव)** आपके **(शितिद्युति-मण्डलेन)** श्याम प्रभामण्डल के द्वारा **(अशोकतरुः)** अशोकवृक्ष **(लुप्तच्छदच्छविः)** कान्तिहीन पत्रों वाला **(बभूव)** हो गया **(यदि वा)** अथवा **(वीतराग!)** हे राग-द्वेष रहित देव! **(तव सान्निध्यतः अपि)** आपकी समीपता मात्र से ही **(कः सचेतनः अपि)** कौन पुरुष सचेतन भी **(नीरागताम्)** राग/ललाई से रहितपने अथवा अनुराग के अभाव को **(न व्रजति)** नहीं प्राप्त होता? अर्थात् प्राप्त होता है।

**अर्घ्यावली** (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'उद्' बीजाक्षर, उद्यम है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'उद्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'गच्' बीजाक्षर, गच्छ्क ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'गच्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'छ' बीजाक्षर, छत्र धरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'छ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'ता' बीजाक्षर, तापस ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ता' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तप न सके आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वश में नहीं आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**

कल्याणमंदिर का 'शि' बीजाक्षर, शिष्ट कला आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'शि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तिमिर हरण आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**

कल्याणमंदिर का 'द्यु' बीजाक्षर, द्युतिकर्त्ता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द्यु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तिमिर हनन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'मण्' बीजाक्षर, मण्डल है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मण्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'ड' बीजाक्षर, डगमग ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ड' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**

कल्याणमंदिर का 'ले' बीजाक्षर, लेखक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ले' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नवजीवन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**

कल्याणमंदिर का 'लुप्' बीजाक्षर, लुप्त न हो आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'लुप्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**

कल्याणमंदिर का 'तच्' बीजाक्षर, तकना है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तच्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'छ' बीजाक्षर, छायादार आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'छ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'दच्' बीजाक्षर, दक्षिणा है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दच्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'छ' बीजाक्षर, छल हर्त्ता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'छ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विवाद हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रजक नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'शो' बीजाक्षर, शोभा दे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'शो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कथांश हैं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तल ना है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'रुर्' बीजाक्षर, रुक न सके आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रुर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'ब' बीजाक्षर, ब्रह्म रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ब' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'भू' बीजाक्षर, भूतनाथ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भू' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वर गाथा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'सान्' बीजाक्षर, सान्त नहीं आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सान्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'निध्' बीजाक्षर, निर्लेप है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'निध्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यशपात्री आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'तो' बीजाक्षर, तोरण दे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, पिता-चरण आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यम-हारी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'दि' बीजाक्षर, दिव्य पुण्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'वा' बीजाक्षर, वांका ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तर्कणा ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वंचना ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'वी' बीजाक्षर, वीतमोह आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तमा हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'रा' बीजाक्षर, रामायण आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'ग' बीजाक्षर, गणपति है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'नी' बीजाक्षर, नीर नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'रा' बीजाक्षर, राशि है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'ग' बीजाक्षर, गुणज्ञ है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'तां' बीजाक्षर, तामस ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तां' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'व्र' बीजाक्षर, व्रतीधर्म आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'ज' बीजाक्षर, जयकारा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, त्रिलोक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'को' बीजाक्षर, कोरा ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'को' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नवचेतन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, सकल रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'चे' बीजाक्षर, चेतना है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'चे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तनिक नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'नो' बीजाक्षर, नोकर्म न आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, प्रिय भजन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

उज्ज्वल चम-चम भामण्डल जब, चमके प्रभु में हो तल्लीन।
जिसके आगे अशोक तरु भी, शरमा जाए हो छवि हीन॥
तब फिर ऐसा कौन सचेतन, जिसने तेरा पाया साथ।
क्या वह वीतरागी न होगा, होगा! होगा! होगा! नाथ॥

**ॐ ह्रीं भामण्डल-प्रातिहार्ययुक्त क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**देखा ध्यान में**
**कोलाहल मन का**
**नींद ले रहा।**

## २५.

देवदुन्दुभि प्रातिहार्य - नेतृत्व शक्ति प्रदायक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**भोः भोः प्रमाद-मवधूय भजध्वमेन-**
**मागत्य निर्वृति-पुरीं प्रति सार्थवाहम्।**
**एतन्निवेदयति देव! जगत्त्रयाय**
**मन्ये नदन्नभिनभः सुर-दुन्दुभिस्ते॥**

**अन्वयार्थ–(देव!)** हे देव! **(मन्ये)** मैं समझता हूँ कि **(अभिनभः)** आकाश में सब ओर **(नदन्)** शब्द करती हुई **(ते)** आपकी **(सुर दुन्दुभिः)** देवों के द्वारा बजाई गई दुन्दुभि **(जगत्त्रयाय)** तीन लोकों के जीवों को **(एतत् निवेदयति)** यह सूचित करती है कि **(भोः भोः)** रे प्राणियों! **(प्रमादम् अवधूय)** प्रमाद को छोड़कर **(निर्वृतिपुरीम् प्रति सार्थवाहम्)** मोक्षपुरी को जाने में अगुवा **(एनं)** इन पार्श्वनाथ भगवान् को **(आगत्य)** आकर **(भजध्वम्)** भजो/सेवा करो।

**अर्घ्यावली** (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'भोः' बीजाक्षर, भोला ना आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भोः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'भोः' बीजाक्षर, भोलापन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भोः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्रमोद है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'मा' बीजाक्षर, मालिक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दर्प हरे आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महाचैत्य आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वहस हरे आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'धु' बीजाक्षर, धूमिल ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'धु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यश महिमा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**

कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भगवत है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'ज' बीजाक्षर, जयदेवा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'ध्व' बीजाक्षर, ध्वनि रूप आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ध्व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**

कल्याणमंदिर का 'मे' बीजाक्षर, मलहानक आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नव तिलकम् आहा।ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**

कल्याणमंदिर का 'मा' बीजाक्षर, मादक ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**

कल्याणमंदिर का 'गा' बीजाक्षर, गतिरोध न आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'गा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यमतारी आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'निर्' बीजाक्षर, निरभिमान आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'निर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'वृ' बीजाक्षर, वृषभ मंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वृ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, त्रिकाल है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'पु' बीजाक्षर, पुराण पुरुष आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'रीं' बीजाक्षर, रीति नीति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रीं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्रशस्त है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तीतर ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'सार्' बीजाक्षर, सारभूत आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सार्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'थ' बीजाक्षर, थर-थर ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'थ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'वा' बीजाक्षर, बाण नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'हं' बीजाक्षर, हमराज है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ह' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'ए' बीजाक्षर, एकता दे आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ए' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'तन्' बीजाक्षर, तनिक रटो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'नि' बीजाक्षर, निवेदन है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'वे' बीजाक्षर, बेघर ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दिव्य मंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यज्ञ होम आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तिल-तिल ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'दे' बीजाक्षर, देवयशा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, व्यसन हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'ज' बीजाक्षर, जयदेव है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'गत्' बीजाक्षर, गति हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'गत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'त्र' बीजाक्षर, त्रस-हर्त्ता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, याग-कर्त्ता आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यश कर्मा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'मन्' बीजाक्षर, मनस मंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'ये' बीजाक्षर, यमल नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ये' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नाट्य नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'दन्' बीजाक्षर, द्वंद नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नाट्य हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'भि' बीजाक्षर, भिन्न करे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नव धर्मा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'भः' बीजाक्षर, भाट नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'सु' बीजाक्षर, सुदर्शन है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रखवाला आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'दुन्' बीजाक्षर, दुर्गुण हरे आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दुन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'दु' बीजाक्षर, दुखनाशक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'भिस्' बीजाक्षर, भ्रष्ट नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भिस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'ते' बीजाक्षर, तेवर ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ते' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपाश्र्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

नाथ! आपकी सुर दुंदुभि से, गूँजे धरा गगन सब ओर।
कहे त्रिजग से अरे! अरे! सब, प्रमाद को छोड़ो झकझोर॥
मोक्षपुरी को जाने वाले, मिले सारथी पारसनाथ।
इन्हें पूज अपना हित कर लो, आश्रय पाकर टेको माथ॥

**ॐ ह्रीं देव-दुन्दुभि-प्रातिहार्ययुक्त क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**मिट्टी तो खोदो**
**पानी को खोजो नहीं**
**पानी फूटेगा।**

## २६.

छत्रत्रय प्रातिहार्य - कालसर्प योग भय निवारक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**उद्योतितेषु भवता भुवनेषु नाथ!**
**तारान्वितो विधुरयं विहताधिकारः।**
**मुक्ता कलाप-कलितोल्ल सितातपत्र-**
**व्याजात्त्रिधा धृत-तनुर्ध्रुव-मभ्युपेतः॥**

**अन्वयार्थ–(नाथ!)** हे नाथ! **(भवता भुवनेषु उद्योतितेषु 'सत्सु')** आपके द्वारा तीनों लोकों के प्रकाशित होने पर **(विहताधिकारः)** अपने अधिकार से भ्रष्ट तथा **(मुक्ताकलाप-कलितोल्लसितातपत्र-व्याजात्)** मोतियों के समूह से सहित अतएव शोभायमान सफेद छत्र के छल से **(तारान्वितः)** ताराओं से वेष्टित **(अयम् विधुः)** यह चन्द्रमा **(त्रिधा धृततनुः)** तीन-तीन शरीर धारण कर **(ध्रुवम्)** निश्चय से **(त्वाम् अभ्युपेतः)** आपकी सेवाओं में प्राप्त हुआ है।

### अर्घ्यावली (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'उद्' बीजाक्षर, उद्घोषक आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'उद्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'यो' बीजाक्षर, योग ध्यान आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तुंकार न आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'ते' बीजाक्षर, तेरा ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ते' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'षु' बीजाक्षर, शुक्ल रहा आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'षु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**

कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भर्त्ता है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, व्रत रक्षक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'ता' बीजाक्षर, तालव्य ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ता' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**

कल्याणमंदिर का 'भु' बीजाक्षर, भवन तिलक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वटुक नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'ने' बीजाक्षर, नेहल है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ने' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'षु' बीजाक्षर, सुषमा है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'षु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**

कल्याणमंदिर का 'ना' बीजाक्षर, नाभिराय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ना' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**

कल्याणमंदिर का 'थ' बीजाक्षर, थिरना हो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'थ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**

कल्याणमंदिर का 'ता' बीजाक्षर, ताको तो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ता' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**

कल्याणमंदिर का 'रान्' बीजाक्षर, रांगा ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रान्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विश्वासी आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**
कल्याणमंदिर का 'तो' बीजाक्षर, तोलो तो आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'तो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**
कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विलंब ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**
कल्याणमंदिर का 'धु' बीजाक्षर, धुंध नहीं आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'धु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**
कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रण-हर्त्ता आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**
कल्याणमंदिर का 'यं बीजाक्षर, यम भस्मक आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'यं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**
कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, बिल हर्त्ता आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**
कल्याणमंदिर का 'ह' बीजाक्षर, होत्रि कर्म आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ह' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**
कल्याणमंदिर का 'ता' बीजाक्षर, ताम् नहीं आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ता' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**
कल्याणमंदिर का 'धि' बीजाक्षर, धैर्य धरे आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'धि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**
कल्याणमंदिर का 'का' बीजाक्षर, काष्ट नहीं आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'का' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**
कल्याणमंदिर का 'रः' बीजाक्षर, राजधाम आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'रः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'मुक्' बीजाक्षर, मुक्तपुरी आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मुक्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'ता' बीजाक्षर, तालु ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ता' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कामुक ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'ला' बीजाक्षर, लालित्य है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ला' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, परमपदी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कल-कल ना आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'लि' बीजाक्षर, लिख भी लो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'लि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'तोल्' बीजाक्षर, तोलक ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तोल्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, लम्ब नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'सि' बीजाक्षर, सिंहरूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'ता' बीजाक्षर, ताल नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ता' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तम-भेदक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, पापी ना आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'त्र' बीजाक्षर, तृणवत ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'व्या' बीजाक्षर, व्यापक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व्या' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'जात्' बीजाक्षर, जाती ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'जात्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'त्रि' बीजाक्षर, त्रिरत्ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्रि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'धा' बीजाक्षर, धाम मार्ग आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'धृ' बीजाक्षर, धृतिधारी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धृ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'तं' बीजाक्षर, तनधर ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तमशोधक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'नुर्' बीजाक्षर, नूरानी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नुर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'ध्रु' बीजाक्षर, ध्रुव धारि आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ध्रु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, विराग गुण आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'मभ्' बीजाक्षर, महासिंधु आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मभ्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'यु' बीजाक्षर, योगादि देव आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'पे' बीजाक्षर, प्रेरक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'तः' बीजाक्षर, तरल नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

प्रभु तुमने जब दिव्य ज्ञान से, किया प्रकाशित सब संसार।
तभी सितारों से घिर करके, पहन मोतियों का शृंगार॥
अपने पथ से भ्रष्ट चन्द्रमा, बना तीन छत्रों सी देह।
सेवा में वह हाथ जोड़कर, तत्पर हाजिर निःसंदेह॥

**ॐ ह्रीं छत्रत्रय-प्रातिहार्ययुक्त क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**उन्हें जिनके**
**तन-मन-नग्न हैं**
**मेरा नमन।**

## २७.

कान्ति-प्रताप यश प्रदायक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**स्वेन प्रपूरित - जगत्त्रय - पिण्डितेन**
**कान्ति-प्रताप-यशसा मिव संचयेन।**
**माणिक्य - हेम - रजत - प्रविनिर्मितेन**
**सालत्रयेण भगवन्नभितो विभासि॥**

**अन्वयार्थ–(भगवन्)** हे भगवन्! आप **(अभितः)** चहुँ ओर **(प्रपूरित-जगत्त्रय-पिण्डितेन)** भरे हुए तीनों जगत् के पिण्ड अवस्था को प्राप्त **(स्वेन कान्ति-प्रताप-यशसाम् सञ्चयेन इव)** अपने कान्ति, प्रताप और यश के समूह के समान **(माणिक्यहेमरजतप्रविनिर्मितेन)** माणिक्य, सुवर्ण और चाँदी से बने हुए **(सालत्रयेण)** तीनों कोटों से **(विभासि)** शोभायमान होते हैं।

**अर्घ्यावली** (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'स्वे' बीजाक्षर, स्वेद नहीं आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स्वे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नव शिक्षा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्रभात है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'पू' बीजाक्षर, पूरक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पू' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'रि' बीजाक्षर, रिष्ट हरे आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'रि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**
कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तड़ाग ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**
कल्याणमंदिर का 'ज' बीजाक्षर, जयवर्धन आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**
कल्याणमंदिर का 'ग' बीजाक्षर, गलती ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**
कल्याणमंदिर का 'त्र' बीजाक्षर, त्रयरत्ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**
कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यम हन्ता आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**
कल्याणमंदिर का 'पिण' बीजाक्षर, पिण्डी ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'पिण' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**
कल्याणमंदिर का 'डि' बीजाक्षर, डिगाए ना आहा।ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'डि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**
कल्याणमंदिर का 'ते' बीजाक्षर, तेरा भी आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ते' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**
कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नगर नगर आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**
कल्याणमंदिर का 'कान्' बीजाक्षर, कान्ता है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'कान्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**
कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तिहाड़ ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्रबुद्ध है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'ता' बीजाक्षर, तारुण्य है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ता' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, पलक नमें आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यम-छेदक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, शहर-शहर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'सा' बीजाक्षर, साध्य रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'मि' बीजाक्षर, मिथ्या तज आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, बीज मंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'सं' बीजाक्षर, संचय गुण आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'च' बीजाक्षर, चहक रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'च' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'ये' बीजाक्षर, येन केन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ये' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नव रीति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'मा' बीजाक्षर, मातृ तुल्य आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**
कल्याणमंदिर का 'णिक्' बीजाक्षर, निकृष्ट ना आहा।ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'णिक्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**
कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यम हारक आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**
कल्याणमंदिर का 'हे' बीजाक्षर, हेम तुल्य आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'हे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**
कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महा छत्र आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**
कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रख तो लो आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**
कल्याणमंदिर का 'ज' बीजाक्षर, जहाज है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**
कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तरण यान आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**
कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्रवचन है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**
कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विराम दे आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**
कल्याणमंदिर का 'निर्' बीजाक्षर, निरंकुश न आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'निर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**
कल्याणमंदिर का 'मि' बीजाक्षर, मित वाणी आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'ते' बीजाक्षर, तरण मंत्र आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ते' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नव प्रीति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'सा' बीजाक्षर, साधर्मी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, लाभ अंश आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'त्र' बीजाक्षर, त्राण रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'ये' बीजाक्षर, यश जातक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ये' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'ण' बीजाक्षर, नुकुर नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ण' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भाव शुद्धि आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'ग' बीजाक्षर, गण पोषक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'वन्' बीजाक्षर, वंद्य भाव आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नव साथी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'भि' बीजाक्षर, भिन्न करे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'तो' बीजाक्षर, तोला ना आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विधायक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'भा' बीजाक्षर, भावुक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'सि' बीजाक्षर, सिखा रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

तीन-तीन ऊँचे परकोटे, नाथ! आपके चारों ओर।
सोने चाँदी माणिक से जो, हुए सुशोभित हैं चितचोर॥
यों लगते ज्यों पारसप्रभु की, यशकीर्ति से हों भरपूर।
तीनों लोक समाएँ जिसमें, भक्तों को सुख दिए जरूर॥

**ॐ ह्रीं शालत्रयाधिपतये क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**तुम्बी तैरती**
**औरों को भी तारती**
**छेद वाली क्या ?**

## २८.

असमय निधन निवारक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**दिव्य-स्त्रजो जिन! नमत्त्रिदशाधिपाना-**
**मुत्सृज्य रत्न-रचितानपि मौलि-बन्धान्।**
**पादौ श्रयन्ति भवतो यदि वाऽपरत्र**
**त्वत्संगमे सुमनसो न रमन्त एव॥**

**अन्वयार्थ–(जिन!)** हे जिनेन्द्र! **(दिव्यस्त्रजः)** दिव्य पुष्पों की मालाएँ **(नमत् त्रिदशाधिपानाम्)** नमस्कार करते हुए इन्द्रों के **(रत्नरचितान् अपि मौलि-बन्धान्)** रत्नों से बने हुए मुकुटों के बंधनों को भी **(उत्सृज्य)** छोड़कर **(भवतः पादौ श्रयन्ति)** आपके चरणों का आश्रय लेती हैं **(यदि वा)** अथवा ठीक है कि **(त्वत्सङ्गमे 'सति')** आपका समागम होने पर **(सुमनसः)** पुष्प मालाएँ या उत्तम हृदय वाले मनुष्य **(परत्र)** किसी दूसरी जगह **(न एव रमन्ते)** नहीं रमण करते हैं।

**अर्घ्यावली** (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'दिव्' बीजाक्षर, दिव्य तेज आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दिव्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यवमाला आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'स्त्र' बीजाक्षर, स्त्रष्टा प्रभु आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स्त्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'जो' बीजाक्षर, जोषिता[१] है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'जो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

---

१. नई कलियों का समूह

कल्याणमंदिर का 'जि' बीजाक्षर, जितकलंक आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'जि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**
कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नवाचरण आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**
कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नयाधार आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**
कल्याणमंदिर का 'मत्' बीजाक्षर, मत विजयी आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**
कल्याणमंदिर का 'त्रि' बीजाक्षर, त्रिलोक पति आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्रि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**
कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दया वृक्ष आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**
कल्याणमंदिर का 'शा' बीजाक्षर, शाखा है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'शा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**
कल्याणमंदिर का 'धि' बीजाक्षर, धन्यवाद आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'धि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**
कल्याणमंदिर का 'पा' बीजाक्षर, पागल ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'पा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**
कल्याणमंदिर का 'ना' बीजाक्षर, नाच करो आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ना' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**
कल्याणमंदिर का 'मुत्' बीजाक्षर, मुक्तावली आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मुत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**
कल्याणमंदिर का 'सृज्' बीजाक्षर, सृजन करो आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'सृज्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यश गाओ आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'रत्' बीजाक्षर, रत रहना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, ना ना कर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रत्न वरो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'चि' बीजाक्षर, चिंता हर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'चि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'ता' बीजाक्षर, तापन दे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ता' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नमन मंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, पिता वचन आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'मौ' बीजाक्षर, मौलिक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मौ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'लि' बीजाक्षर, लिप्सा ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'लि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'बन्' बीजाक्षर, बन्ध हरण आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'बन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'धान्' बीजाक्षर, ध्याना है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धान्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'पा' बीजाक्षर, पातक ना आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'पा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**
कल्याणमंदिर का 'दौ' बीजाक्षर, दोलक ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'दौ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**
कल्याणमंदिर का 'श्र' बीजाक्षर, शृंगारो आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'श्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**
कल्याणमंदिर का 'यन्' बीजाक्षर, यंत्र वर्ण आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'यन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**
कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तृष्णा है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**
कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भक्तास्था आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**
कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वर्ण मंत्र आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**
कल्याणमंदिर का 'तो' बीजाक्षर, तोष रूप आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'तो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**
कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यश वाला आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**
कल्याणमंदिर का 'दि' बीजाक्षर, दिखाई दे आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'दि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**
कल्याणमंदिर का 'वा' बीजाक्षर, वाहन है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**
कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, पंच पदम् आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रक्षालु आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'त्र' बीजाक्षर, तृषा जयी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'त्वत्' बीजाक्षर, तत्त्व गम्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्वत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'सं' बीजाक्षर, संगम है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'ग' बीजाक्षर, गणधारी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'मे' बीजाक्षर,मेहुल है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'सु' बीजाक्षर, सुधार है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, मरण स्थान आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नव प्रमाण आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'सो' बीजाक्षर, सौभाग्य है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नव ज्योति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रस दाता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'मन्' बीजाक्षर, मन-मंदिर आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तात्पर्य है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'ए' बीजाक्षर, एक लक्ष्मी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ए' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वन-विहार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

हे प्रभु! तुम्हें झुके इन्द्रों के, रत्नजड़ित मुकुटों का माथ।
दिव्य पुष्प की मालाएँ तज, चाहें तव चरणों का साथ॥
सच ही है यह सुमन सु-मन जो, आ पहुँचा हो तेरे गाँव।
कहीं नहीं वह रम सकता फिर, पाकर पारसप्रभु की छाँव॥

**ॐ ह्रीं भक्त-जनानवन-पतिराय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**साधु वृक्ष है**
**छाया फल-प्रदाता**
**जो धूप खाता।**

## २९.

संकटमोचन स्तुति

(वसन्ततिलका)

**त्वं नाथ! जन्म-जलधेर्विपराङ्मुखोऽपि**
**यत्तारयस्यसुमतो निज-पृष्ठ-लग्नान्।**
**युक्तं हि पार्थिव-निपस्य सतस्तवैव**
**चित्रं विभो! यदसि कर्म -विपाक-शून्यः॥**

**अन्वयार्थ—(नाथ!)** हे नाथ! **(त्वम्)** आप **(जन्म-जलधेः)** संसाररूप समुद्र से **(विपराङ्मुखः अपि सन्)** पराङ्मुख होते हुए भी **(यत्)** जो **(निज-पृष्ठलग्नान्)** अपने पीछे लगे हुए अनुयायी **(असुमतः)** जीवों को **(तारयसि)** तार देते हो **('तत्')** वह **(पार्थिवनृपस्य सतः)** राजाधिराज अथवा मिट्टी के पके हुए घड़े की तरह परिणमन करने वाले **(तव)** आपको **(युक्तम् एव)** उचित ही है, परन्तु **(विभो)** हे प्रभो! **(तत् चित्रम्)** वह आश्चर्य की बात है **(यत्)** जो आप **(कर्मविपाकशून्यः असि)** कर्मों के उदयरूप पाक क्रिया से रहित हो।

**अर्घ्यावली** (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'त्वं' बीजाक्षर, तत्त्व पथी आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्वं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'ना' बीजाक्षर, नाम रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ना' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'थ' बीजाक्षर, थवन मंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'थ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'जन्' बीजाक्षर, जन बंधु आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'जन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, मूर्च्छा हर आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**

कल्याणमंदिर का 'ज' बीजाक्षर, जगत ज्येष्ठ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**

कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, ललकार ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'धेर्' बीजाक्षर, धैर्य धार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धेर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विकल्प दे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, पराया ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'राङ्' बीजाक्षर, रंगारंग आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'राङ्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'मु' बीजाक्षर, मुख्यालय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**

कल्याणमंदिर का 'खो' बीजाक्षर, खोट हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'खो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, पित्त हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**

कल्याणमंदिर का 'यत्' बीजाक्षर, यत्न मरण आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**

कल्याणमंदिर का 'ता' बीजाक्षर, तात्त्विक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ता' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, राह छाँव आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'यस्' बीजाक्षर, यश का घर आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यश का धन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'सु' बीजाक्षर, सुर-ताल है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महाजन है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'तो' बीजाक्षर, तोड़ नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'नि' बीजाक्षर, निम्नता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'ज' बीजाक्षर, जय जय जय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'पृष्' बीजाक्षर, पृष्ठ नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पृष्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'ठ' बीजाक्षर, ठुमक रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ठ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'लग्' बीजाक्षर, लागी लगन आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'लग्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'नान्' बीजाक्षर, नादान ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नान्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'युक्' बीजाक्षर, युक्त करे आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'युक्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'तम्' बीजाक्षर, तम शान्ति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तम्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'हि' बीजाक्षर, हिम्मत दे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'हि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'पार्' बीजाक्षर, पारक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पार्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'थि' बीजाक्षर, थिरक हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'थि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, विरंजन है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'नि' बीजाक्षर, निरंजन है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'पस्' बीजाक्षर, पसन्द है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यथार्थ है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, संचालक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'तस्' बीजाक्षर, तस्वीर है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तत्त्वधनी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'वै' बीजाक्षर, वैदेही आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वै' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, विलाप न आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'चि' बीजाक्षर, चिच्चदेव आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'चि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'त्रं' बीजाक्षर, तरंग है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्रं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विद्याधन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'भो' बीजाक्षर, भोजक ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यकीन है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दयालु है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'सि' बीजाक्षर, सिद्ध धाम आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'कर्' बीजाक्षर, कर्मशील आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'कर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महास्तोत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विद्यालय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'पा' बीजाक्षर, पार्थ रहा आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कम तो ना आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'शून्' बीजाक्षर, शून्य नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'शून्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'यः' बीजाक्षर, यकार है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

पार्श्वनाथ प्रभु भवसागर से, पूर्ण विमुख होकर भी आप।
अपने अनुयायी जीवों को, तारो हरकर उनके पाप॥
उचित किन्तु आश्चर्य यही कि, कर्म शून्य होकर भी ईश।
उल्टे पके घड़े सम तारो, भक्तों को देकर आशीष॥

**ॐ ह्रीं निजपृष्ट-लग्नभय-तारकाय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**मोक्षमार्ग तो**
**भीतर अधिक है**
**बाहर कम।**

## ३०.

सर्व कार्य विकासक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**विश्वेश्वरोऽपि जन-पालक दुर्गतस्त्वं**
**किं वाक्षर-प्रकृतिरप्यलिपिस्त्वमीश।**
**अज्ञान-वत्यपि सदैव कथंचिदेव**
**ज्ञानं त्वयि स्फुरति विश्व-विकास हेतुः॥**

**अन्वयार्थ—(जनपालक!)** हे जीवों के रक्षक! **(त्वम्)** आप **(विश्वेश्वरः अपि दुर्गतः)** तीन लोक के स्वामी होकर भी दरिद्र हैं, **(किं वा)** और **(अक्षर-प्रकृतिः अपि त्वम् अलिपिः)** अक्षरस्वभाव होकर भी लेखन क्रिया से रहित हैं **(ईश!)** हे स्वामिन्! **(कथञ्चित्)** किसी प्रकार से **(अज्ञानवति अपि त्वयि)** अज्ञानवान् होने पर भी आपमें **(विश्व-विकासहेतुः ज्ञानम् सदा एव स्फुरति)** सब पदार्थों को प्रकाशित करने वाला ज्ञान हमेशा स्फुरायमान रहता है।

**अर्घ्यावली** (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'विश्' बीजाक्षर, विश्वजयी आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'विश्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'वेश्' बीजाक्षर, वैश्य नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वेश्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वर-चामर[१] आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'रो' बीजाक्षर, रोशन है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

---

१. श्रेष्ठ चँवर

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, पिता-शरण आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**
कल्याणमंदिर का 'ज' बीजाक्षर, जिनादेश आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**
कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नव-देवा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**
कल्याणमंदिर का 'पा' बीजाक्षर, पाप नहीं आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'पा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**
कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, लब्धि है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**
कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कर्मजयी आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**
कल्याणमंदिर का 'दुर्' बीजाक्षर, दुर्जय है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'दुर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**
कल्याणमंदिर का 'ग' बीजाक्षर, ज्ञानवान आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**
कल्याणमंदिर का 'तस्' बीजाक्षर, तरुवर है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'तस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**
कल्याणमंदिर का 'त्वं' बीजाक्षर, तत्त्वगुणी आहा।ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्वं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**
कल्याणमंदिर का 'किं' बीजाक्षर, कहाँ मिले आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'किं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**
कल्याणमंदिर का 'वा' बीजाक्षर, वांचो तो आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'क्ष' बीजाक्षर, क्षपक रहा आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क्ष' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रत्नमाल आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्रणाम रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'कृ' बीजाक्षर, कृतकृत्य है आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'कृ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तिलक करो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'रप्' बीजाक्षर, रख तो लो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रप्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, युगान्त ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'लि' बीजाक्षर, लिपी मंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'लि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'पिस्' बीजाक्षर, प्रमाण है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पिस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'त्व' बीजाक्षर, तक तो लो आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'मी' बीजाक्षर, मीत रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, शर्म हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'अ' बीजाक्षर, अजर-अमर आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'अ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**
कल्याणमंदिर का 'ज्ञा' बीजाक्षर, ज्ञानी है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज्ञा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**
कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नमस्कृति आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**
कल्याणमंदिर का 'वत्' बीजाक्षर, बताओ तो आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**
कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, युगाशीष आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**
कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, पचरंगा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**
कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, समताधन आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**
कल्याणमंदिर का 'दै' बीजाक्षर, दैनिक है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'दै' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**
कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वसता है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**
कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कृति कर्म आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**
कल्याणमंदिर का 'थं' बीजाक्षर, थम्बक ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'थं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**
कल्याणमंदिर का 'चि' बीजाक्षर, चिदेश है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'चि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'दे' बीजाक्षर, देव-कृपा आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, विनाश हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'ज्ञा' बीजाक्षर, ज्ञापक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज्ञा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'नं' बीजाक्षर, नंतानंत आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'त्व' बीजाक्षर, तत्त्व प्रेम आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'यि' बीजाक्षर, इकाई है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'स्फु' बीजाक्षर, स्फुरण है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स्फु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रण टाले आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तत्त्व शपथ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'विश्' बीजाक्षर, विश्व दृष्टि आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'विश्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वक्-वक् ना आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, बिगड़े ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'का' बीजाक्षर, काना ना आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'का' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, सहायता आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'हे' बीजाक्षर, हे ! भगवान आहा।ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'हे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'तुः' बीजाक्षर, तुकतान[१] न आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'तुः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

जनपालक! जगपति होकर भी, दुर्गत हो तुम निर्धन रूप।
अक्षर स्वभाव के होकर भी, कौन करे लिपिबद्ध स्वरूप॥
अज्ञानी जन के संरक्षक, हे! पारसप्रभु हो अविराम।
विश्व प्रकाशी केवलज्ञानी, तुमको बारम्बार प्रणाम॥
**ॐ ह्रीं विस्मयनीय-मूर्तये क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**गूँगा गुड़ का**
**स्वाद क्या नहीं लेता ?**
**वक्ता क्यों बनूँ ?**

१. लय (मात्र लय नहीं भाव भी है)

## ३१.

दुष्टजन संयोग निवारक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**प्राग्भार - सम्भृत - नभांसि-रजांसि रोषा**
**दुत्थापितानि कमठेन शठेन यानि।**
**छायापि तैस्तव न नाथ! हता हताशो**
**ग्रस्तस्त्वमीभिरयमेव परं दुरात्मा॥**

**अन्वयार्थ–(नाथ)** हे स्वामिन्! **(शठेन कमठेन)** दुष्ट कमठ के द्वारा **(रोषात्)** क्रोध से **(प्राग्भार-सम्भृतनभांसि)** सम्पूर्णरूप से आकाश को व्याप्त करने वाली **(यानि)** जो **(रजांसि)** धूल **(उत्थापितानि)** आपके ऊपर उड़ाई गई थी **(तैः तु)** उससे तो **(तव)** आपकी **(छाया अपि)** छाया भी **(न हता)** नहीं नष्ट हुई थी **(परम्)** किन्तु **(अयमेव दुरात्मा)** यही दुष्ट **(हताशः)** हताश हो **(अमीभिः)** इन कर्मरूप रजों से **(ग्रस्तः)** जकड़ा गया था।

**अर्घ्यावली** (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'प्राग्' बीजाक्षर, प्रार्थना है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्राग्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'भा' बीजाक्षर, भावना है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'भा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, राधना[१] ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'सं' बीजाक्षर, संवर्धक आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'सं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

---

१. नष्ट करना

कल्याणमंदिर का 'भृ' बीजाक्षर, भृत्य नहीं आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भृ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तत्त्व चखो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नवनेता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'भान्' बीजाक्षर, भाण्ड नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भान्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**

कल्याणमंदिर का 'सि' बीजाक्षर, सिसक हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रास हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'जान्' बीजाक्षर, जानो तो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'जान्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'सि' बीजाक्षर, सिरमौर है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**

कल्याणमंदिर का 'रो' बीजाक्षर, रोग हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**

कल्याणमंदिर का 'षा' बीजाक्षर, षाढ[१] नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'षा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**

कल्याणमंदिर का 'दुत्' बीजाक्षर, दुत्कार न आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दुत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**

कल्याणमंदिर का 'था' बीजाक्षर, थाल भरो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'था' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

---

१. ढलान

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, पिता पाल आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'ता' बीजाक्षर, तार्किक ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ता' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'नि' बीजाक्षर, निकष[१] रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कसौटी है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महाजन्म आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'ठे' बीजाक्षर, ठेंचा ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ठे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नवप्रकाश आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, शीतल है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'ठे' बीजाक्षर, ठेठ नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ठे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नवकार है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'या' बीजाक्षर, याज्ञ कर्म आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'या' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'नि' बीजाक्षर, निरस्त ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

---

१. कसौटी

कल्याणमंदिर का 'छा' बीजाक्षर, छाम छूम है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'छा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'या' बीजाक्षर, याग्य धर्म आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'या' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, पिस न सके आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'तैस्' बीजाक्षर, तैस नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तैस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तत्त्वज्ञ है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, बगुला ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नव दीक्षित आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'ना' बीजाक्षर, नाग चिह्न आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ना' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'थ' बीजाक्षर, थल क्रीड़ा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'थ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'ह' बीजाक्षर, ह्रीं मंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ह' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'ता' बीजाक्षर, ताड़ नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ता' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'ह' बीजाक्षर, हंसा है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ह' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'ता' बीजाक्षर, तत्त्व होम आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ता' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'शो' बीजाक्षर, शोध करो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'शो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'ग्रस्' बीजाक्षर, ग्रास नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग्रस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'तस्' बीजाक्षर, तीर्थ-तिलक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'त्व' बीजाक्षर, तत्त्वसार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'मी' बीजाक्षर, मिथुन नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'भि' बीजाक्षर, भट्टलपुर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रत्नपुरी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यशनन्दी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'मे' बीजाक्षर, मेघशृंग आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वीरपुरम् आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, पुण्य-मित्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'रं' बीजाक्षर, रंजाय न आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'दु' बीजाक्षर, दुरभि ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'रात्' बीजाक्षर, राजविजय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रात्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'मा' बीजाक्षर, मालाजय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

दुष्ट कमठ ने वैर क्रोध से, कर उपसर्ग महा संत्रास।
ऐसी धूल उड़ाई तुम पर, जो ढकती पूरा आकाश॥
लेकिन उससे नाथ! आपकी, छाया भी ना हुई मलीन।
किन्तु कमठ तो उसी धूल से, ग्रस्त हुआ मैला अतिदीन॥

**ॐ ह्रीं कमठोत्थापित-धूलि-उपद्रव-जिताय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**भूत सपना**
**वर्तमान अपना**
**भावी कल्पना।**

## ३२.

पीड़ा पहुँचाने वाले दुर्जनों से रक्षा करने वाली स्तुति

(वसन्ततिलका)

**यद्गर्जदूर्जित - घनौघमदभ्र - भीम**
**भ्रश्यत्तडिन् - मुसल - मांसल - घोरधारम्।**
**दैत्येन मुक्तमथ दुस्तर-वारि दध्रे,**
**तेनैव तस्य जिन! दुस्तर-वारि कृत्यम्॥**

**अन्वयार्थ—(अथ)** और **(जिन!)** हे जिनेश्वर! **(दैत्येन)** उस कमठ ने **(गर्जदूर्जितघनौघम्)** खूब गरज रहे हैं बलिष्ठ-मेघ-समूह जिसमें **(भ्रश्यत्-तडित्)** गिर रही है बिजली जिसमें और **(मुसलमांसल-घोर-धारम्)** मूसल के समान बड़ी मोटी है धारा जिसमें ऐसा तथा **(अदभ्रभीमम्)** अत्यन्त भयंकर **(यत्)** जो **(दुस्तर-वारि)** अथाह जल **(मुक्तम्)** वर्षाया था, **(तेन)** उस जलवृष्टि से **(तस्य एव)** उस कमठ ने ही अपने लिए **(दुस्तरवारिकृत्यम् दध्रे)** तीक्ष्ण तलवार के कार्य को धारण किया अर्थात् उससे वह कमठ स्वयं ही घायल हो गया।

**अर्घ्यावली** (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'यद्' बीजाक्षर, योगमुद्रा आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यद्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'गर्' बीजाक्षर, गर्जन है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'गर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'ज' बीजाक्षर, ज्येष्ठ धर्म आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'दूर्' बीजाक्षर, दुंदुभि है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दूर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'जि' बीजाक्षर, जयावती आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'जि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**
कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तितर हरे आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**
कल्याणमंदिर का 'घ' बीजाक्षर, घर्म हरण आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'घ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**
कल्याणमंदिर का 'नौ' बीजाक्षर, नंदनपुर आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'नौ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**
कल्याणमंदिर का 'घ' बीजाक्षर, घाम हरे आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'घ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**
कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, मघागुणी आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**
कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दृढ संयम आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**
कल्याणमंदिर का 'भ्र' बीजाक्षर, भ्रम हर्त्ता आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**
कल्याणमंदिर का 'भी' बीजाक्षर, भीत नहीं आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'भी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**
कल्याणमंदिर का 'मं' बीजाक्षर, मंगलवति आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**
कल्याणमंदिर का 'भ्रश्' बीजाक्षर, भ्रष्ट नहीं आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ्रश्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**
कल्याणमंदिर का 'यत्' बीजाक्षर, यत्नाचार आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'यत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तलब नहीं आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'डिन्' बीजाक्षर, डिंब[१] नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'डिन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'मु' बीजाक्षर, मुनि चेतन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, सफल करे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, लाख नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'मां' बीजाक्षर, मानसिकता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मां' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, समरसता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, लांछन ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'घो' बीजाक्षर, घोषण है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'घो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, राजयोग आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'धा' बीजाक्षर, धागा है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'रम्' बीजाक्षर, रागिन ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रम्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

---

१. विवाद

कल्याणमंदिर का 'दैत्' बीजाक्षर, दैत्य विजय आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दैत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'ये' बीजाक्षर, एकता है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ये' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नीलकमल आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'मुक्' बीजाक्षर, मुक्ताफल आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मुक्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तलस्पर्शी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, मर्मस्पर्श आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'थ' बीजाक्षर, थाल सजे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'थ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'दुस्' बीजाक्षर, दुस्कर ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दुस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तरुण धर्म आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रम्य योग्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'वा' बीजाक्षर, वाग्वादिनी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'रि' बीजाक्षर, रिझाओ तो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दंभ हरे आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'ध्रे' बीजाक्षर, धीरा है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ध्रे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'ते' बीजाक्षर, तेला व्रत आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ते' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'नै' बीजाक्षर, नैय्यायिक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नै' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वैचारिक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'तस्' बीजाक्षर, तालनपुर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यशनगरी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'जि' बीजाक्षर, जयन्त है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'जि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, निर्वृति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'दुस्' बीजाक्षर, दुरुस्त है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दुस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तकरार हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रमणीया आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'वा' बीजाक्षर, वगीश्वर आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'रि' बीजाक्षर, रिसे नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'कृत्' बीजाक्षर, कृतज्ञ है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'कृत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'यम्' बीजाक्षर, यमरोधक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यम्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

तत्पश्चात् कमठ ने प्रभु पर, बिजली खूब गिराई तेज।
मूसलधार नीर बरसाकर, बहुत-बहुत गरजाए मेघ॥
किन्तु भयंकर अथाह वह जल, बना कमठ को तीर कमान।
उससे प्रभु का कुछ ना बिगड़ा, जय-जय-जय पारस भगवान॥

**ॐ ह्रीं कमठ-कृत-जलधारा-उपसर्ग निवारकाय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**सुनना हो तो
नगाड़े के साथ में
बाँसुरी सुनो।**

## ३३.

अग्नि भूकम्पादि भय निवारक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**ध्वस्तोर्ध्व- केश - विकृताकृति- मर्त्य-मुण्ड**
**प्रालम्ब-भृद्भयदवक्त्र विनिर्यदग्निः।**
**प्रेतव्रजः प्रति भवन्तमपीरितो यः**
**सोऽस्याभवत्प्रतिभवं भवदुःख-हेतुः॥**

**अन्वयार्थ—(ध्वस्तोर्ध्वकेशविकृताकृतिमर्त्यमुण्ड-प्रालम्बभृद्)** मुंडे हुए तथा विकृत आकृति वाले नर कपालों की माला को धारण करने वाला और **(भयद-वक्त्रविनिर्यदग्निः)** जिसके भयंकर मुख से अग्नि निकल रही है, ऐसा **(यः)** जो **(प्रेतव्रजः)** पिशाचों का समूह **(भवन्तम् प्रति)** आपके प्रति **(ईरितः)** प्रेरित किया गया था- दौड़ाया गया था **(सः)** वह **(अस्य)** उस असुर को **(प्रतिभवम्)** प्रत्येक भव में **(भव-दुःखहेतुः)** संसार के दुखों का कारण **(अभवत्)** हुआ था।

### अर्घ्यावली (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'ध्वस्' बीजाक्षर, ध्वस्त नहीं आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ध्वस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'तोर्' बीजाक्षर, तोड़ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तोर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'ध्व' बीजाक्षर, ध्वज गाथा आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ध्व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'के' बीजाक्षर, केवल सुख आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'के' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, श्मशान न आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विलग नहीं आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**

कल्याणमंदिर का 'कृ' बीजाक्षर, कृश ना हो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'कृ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'ता' बीजाक्षर, ताला ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ता' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**

कल्याणमंदिर का 'कृ' बीजाक्षर, कृष्ण नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'कृ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तिलक तुल्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'मर्' बीजाक्षर, मर ना सके आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'त्य' बीजाक्षर, त्याज्य नहीं आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**

कल्याणमंदिर का 'मुण्' बीजाक्षर, मुण्डन है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मुण्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**

कल्याणमंदिर का 'ड' बीजाक्षर, डगडग ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ड' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**

कल्याणमंदिर का 'प्रा' बीजाक्षर, प्रासन है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्रा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**

कल्याणमंदिर का 'लम्' बीजाक्षर, लंघन ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'लम्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'ब' बीजाक्षर, ब्रह्मज्ञान आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ब' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'भृद्' बीजाक्षर, भद्र रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भृद्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भंग नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यश-गीता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दमन कला आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'वक्' बीजाक्षर, वक्ता दे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वक्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'त्र' बीजाक्षर, त्रिनेत्र है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विश्व दृश्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'निर्' बीजाक्षर, निर्मापक[१] आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'निर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यमतारक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'दग्' बीजाक्षर, दग्ध नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दग्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'निः' बीजाक्षर, निःशेष है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'निः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

---

१. निर्माण करने वाला

कल्याणमंदिर का 'प्रे' बीजाक्षर, प्रेम पात्र आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्रे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तरुण रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'व्र' बीजाक्षर, व्रत संयम आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'जः' बीजाक्षर, जयवंत रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'जः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्रथम धर्म आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तिष्ठाओ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भावो तो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'वन्' बीजाक्षर, वनवासी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तरल नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महागुणी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'पी' बीजाक्षर, पीपल ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'रि' बीजाक्षर, रेवती है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'तो' बीजाक्षर, तो न कहो आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'यः' बीजाक्षर, यह तो है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'सो' बीजाक्षर, सोला है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'स्या' बीजाक्षर, स्याद्वाद आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स्या' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भगवत गुण आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'वत्' बीजाक्षर, वत्सल गुण आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्रथम कर्म आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तत्त्वार्थ गुण आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भक्त प्रेम आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'वं' बीजाक्षर, वंशागत आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भरणी है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वरमाला आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'दुः' बीजाक्षर, दुःख हर्त्ता आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दुः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'ख' बीजाक्षर, खट खट ना आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ख' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'हे' बीजाक्षर, हेमार्जुन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'हे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'तुः' बीजाक्षर, तुष भिन्नं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तुः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

फिर उसने बिखरे बालों के, भूत भिजाए बहु विकराल।
नर मुण्डों की माला वाले, मुख से उगलें ज्वाला लाल॥
ऐसे प्रेतवर्ग से प्रभु जी, हुए न चंचल रहे अडोल।
बने कमठ को वे दुख दायक, ऐसे प्रभु की जय-जय बोल॥

**ॐ ह्रीं कमठ-कृत-पैशाचिक-उपद्रव जितशीलाय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**फूल खिला पै
गंध न आ रही सो
कागज का है।**

## ३४.

असाध्य रोग विनाशक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**धन्यास्त एव भुवनाधिप! ये त्रिसन्ध्य-**
**माराधयन्ति विधिवद्विधुतान्य—कृत्याः।**
**भक्त्योल्लसत्पुलक पक्ष्मल-देह-देशाः**
**पाद-द्वयं तव विभो! भुवि जन्मभाजः॥**

**अन्वयार्थ—(भुवनाधिप!)** हे त्रिलोकीनाथ! **(ये)** जो **(जन्म-भाजः)** प्राणी, **(विधुतान्यकृत्याः)** जिन्होंने अन्य काम छोड़ दिए हैं और **(भक्त्या)** भक्ति से **(उल्लसत्-पुलक-पक्ष्मल-देहदेशाः 'सन्तः')** प्रकट हुए रोमाञ्चों से जिनके शरीर का प्रत्येक अवयव व्याप्त है, ऐसे होते हुए **(विधिवत्)** विधिपूर्वक **(त्रिसन्ध्यम्)** तीनों कालों में **(तव)** आपके **(पादद्वयम् आराधयन्ति)** चरणयुगल की आराधना करते हैं **(विभो!)** हे स्वामिन्! **(भुवि)** संसार में **(ते एव)** वे ही **(धन्याः)** धन्य हैं।

### अर्घ्यावली (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'धन्' बीजाक्षर, धन्य-धन्य आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'यास्' बीजाक्षर, यावस[१] ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यास्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तप दाता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'ए' बीजाक्षर, एक भुक्त आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ए' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

१. जितना

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, विधर्म ना आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**

कल्याणमंदिर का 'भु' बीजाक्षर, भुलाना ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, विकर्म है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'ना' बीजाक्षर, नाल[१] नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ना' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**

कल्याणमंदिर का 'धि' बीजाक्षर, धिपसु[२] ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, पुरंदर ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'ए' बीजाक्षर, यवीयस[३] ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ए' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'त्रि' बीजाक्षर, त्रिदोष ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्रि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**

कल्याणमंदिर का 'सन्' बीजाक्षर, सल्लेखन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**

कल्याणमंदिर का 'ध्य' बीजाक्षर, ध्यानस्थ है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ध्य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**

कल्याणमंदिर का 'मा' बीजाक्षर, मार्मिक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**

कल्याणमंदिर का 'रा' बीजाक्षर, रासभ[४] ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

---

१. नाली २. धोखा देने वाला ३. शूद्र ४. गधा

कल्याणमंदिर का 'ध' बीजाक्षर, धवलित है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ध' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'यन्' बीजाक्षर, यमवत[१] है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तिमित[२] नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विद्युत है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'धि' बीजाक्षर, धीवर ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'वद्' बीजाक्षर, वदन्ती है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वद्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विद्योतन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'धु' बीजाक्षर, धुत ना है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'तान्' बीजाक्षर, तान्त[३] नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तान्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यमनम्[४] है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'कृत्' बीजाक्षर, कृत्रिम ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'कृत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'याः' बीजाक्षर, याचित ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'याः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

---

१. संयम जैसा २. गतिहीन ३. परेशान ४. संयम

कल्याणमंदिर का 'भक्' बीजाक्षर, भक्त्यानंद आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भक्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'त्योल्' बीजाक्षर, तौलिक[१] ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्योल्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, लिप्सू ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'सत्' बीजाक्षर, सत्कर्मा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'पु' बीजाक्षर, पुलक रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, ललक रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, करुण रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'पक्ष्' बीजाक्षर, पक्षपात ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पक्ष्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, मदन हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, लचक हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'दे' बीजाक्षर, देखो तो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'ह' बीजाक्षर, हरखो तो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ह' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

---

१. चित्रकार

कल्याणमंदिर का 'दे' बीजाक्षर, देवालय आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'शाः' बीजाक्षर, शास्त्रीय है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'शाः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'पा' बीजाक्षर, पादप है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दन्तुर[१] ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'द्व' बीजाक्षर, दूजा ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द्व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'यं' बीजाक्षर, यजि रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तात्पर्य है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वदान्य[२] है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विश्रान्त है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'भो' बीजाक्षर, भोगी ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'भु' बीजाक्षर, भग्न[३] नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विषम नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

---

१. बड़े दाँत वाला २. धारा प्रवाह बोलने वाला, दानशील ३. टूटाफूटा

कल्याणमंदिर का 'जन्' बीजाक्षर, जन्य रहा आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'जन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महत्व दे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'भा' बीजाक्षर, भारत है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'जः' बीजाक्षर, जय-भारत आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'जः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

नाथ! आपकी विनय भक्ति से, जिनका पुलकित हुआ शरीर।
खुशी-खुशी वे अन्य कार्य तज, विधिवत अर्पें श्रद्धा नीर॥
हे! त्रयजग के नाथ आपके, चरण कमल जो भजें त्रिकाल।
धन्य-धन्य हैं वे इस भू पर, वही भक्त हों मालामाल॥

**ॐ ह्रीं धार्मिकवन्दिताय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**मन अपना**
**अपने विषय में**
**क्यों न सोचता ?**

## ३५.

सर्व विपत्ति निवारक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**अस्मिन्नपार-भव-वारिनिधौ मुनीश!**
**मन्ये न मे श्रवण गोचरतां गतोऽसि।**
**आकर्णिते तु तव गोत्र-पवित्र-मंत्रे**
**किं वा विपद्विषधरी सविधं समेति॥**

**अन्वयार्थ–(मुनीश!)** हे मुनीन्द्र! **(मन्ये)** मैं समझता हूँ कि **(अस्मिन् अपारभव-वारिनिधौ)** इस अपार संसाररूप समुद्र में कभी भी आप **(मे)** मेरे **(श्रवणगोचरतां न गतः असि)** कानों की विषयता को प्राप्त नहीं हुए हो क्योंकि **(तु)** निश्चय से **(तव गोत्रपवित्रमन्त्रे आकर्णिते 'सति')** आपके नामरूपी पवित्र मन्त्र के सुने जाने पर **(विपद्-विषधरी)** विपत्तिरूपी नागिन **(किम् वा)** क्या **(सविधम्)** समीप **(समेति)** आती है? अर्थात् नहीं।

### अर्घ्यावली (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'अस्' बीजाक्षर, अष्टानिक आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'अस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'मिन्' बीजाक्षर, मिश्र नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मिन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नरक ना दे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'पा' बीजाक्षर, पाथेय है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रभस[१] रहा आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**

कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भयानक न आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वपिल[२] रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'वा' बीजाक्षर, वाक्य रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**

कल्याणमंदिर का 'रि' बीजाक्षर, रिपुता ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**

कल्याणमंदिर का 'नि' बीजाक्षर, निशांत है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'धौ' बीजाक्षर, ध्रौव्यम है आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धौ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'मु' बीजाक्षर, मुकुट रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**

कल्याणमंदिर का 'नी' बीजाक्षर, नीडक[३] ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**

कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, शक्य रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, मार्तण्ड है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**

कल्याणमंदिर का 'ये' बीजाक्षर, यौग[४] रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ये' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

---

१. उत्साह२. पिता ३ घोंसला ४. योग-अनुयायी

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नवधा है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'मे' बीजाक्षर, मेचक[१] ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'श्र' बीजाक्षर, श्रमण रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'श्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वृण हर्त्ता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'ण' बीजाक्षर, निर्वाण है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ण' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'गो' बीजाक्षर, गोपाचल आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'गो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'च' बीजाक्षर, चतुर रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'च' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रसना ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'तां' बीजाक्षर, तारणहार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तां' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'ग' बीजाक्षर, गाँठ हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'तो' बीजाक्षर, तोमर ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'सि' बीजाक्षर, सिद्धशिला आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

---

१. काला

कल्याणमंदिर का 'आ' बीजाक्षर, आस्थावान आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'आ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'कर्' बीजाक्षर, करपात्री आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'कर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'णि' बीजाक्षर, निर्ग्रन्था आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'णि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'ते' बीजाक्षर, तेजल ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ते' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'तु' बीजाक्षर, तुत्थ[१] नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तरिक[२] रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वणक रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'गो' बीजाक्षर, गोष्टी है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'गो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'त्र' बीजाक्षर, त्रात रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, परमदया आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विदूषक ना आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'त्र' बीजाक्षर, त्रपो[३] हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

---

१. आग २. नाविक ३. लाज

कल्याणमंदिर का 'मन्' बीजाक्षर, मनोबली आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'त्रे' बीजाक्षर, त्रेता ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्रे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'किं' बीजाक्षर, किरीट है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'किं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'वा' बीजाक्षर, वार्ता है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विश्वनाथ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'पद्' बीजाक्षर, पद्मासन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पद्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विश्वकेतु आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'ष' बीजाक्षर, शीर्षक है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ष' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'ध' बीजाक्षर, धवला है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ध' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'री' बीजाक्षर, रीढा ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'री' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, सहारा है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विस्फोटक ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'धं' बीजाक्षर, धन-दौलत आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'धं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, सार्थक है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'मे' बीजाक्षर, मेला है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तीरम दे आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

हे मुनीश! मैं यूँ मानूँ कि, भवसागर जो रहा अपार।
इसमें मैंने वचन आपके, सुने नहीं ना किया विचार॥
अगर आपका नाम मंत्र जो, पावन सुनकर बनता दास।
तो आपत्ती रूप नागनी, क्या आ सकती मेरे पास॥
**ॐ ह्रीं पवित्रनाम-ध्येयाय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**पाषाण भीगे**
**वर्षा में हमारी भी**
**यही दशा है।**

## ३६.

विजेता बनाने वाली स्तुति

(वसन्ततिलका)

**जन्मान्तरेपि तव पादयुगं न देव!**
**मन्ये मया महितमीहित-दान-दक्षम्।**
**तेनेह जन्मनि मुनीश! पराभवानां**
**जातो निकेतनमहं मथिताशयानाम्॥**

**अन्वयार्थ–(देव!)** हे देव! **(मन्ये)** मैं मानता हूँ कि मैंने **(जन्मान्तरे अपि)** दूसरे जन्म में भी **(ईहितदानदक्षम्)** मनोवांछित फल देने में समर्थ **(तव पादयुगम्)** आपके चरणयुगल **(न महितम्)** नहीं पूजे, **(तेन)** उसी से **(इह जन्मनि)** इस भव में **(मुनीश!)** हे मुनीश! **(अहम्)** मैं **(मथिताशयानाम्)** हृदयभेदी-मनोरथों को नष्ट करने वाले **(पराभवानाम्)** तिरस्कारों का **(निकेतनम्)** घर **(जातः)** हुआ हूँ।

### अर्घ्यावली (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'जन्' बीजाक्षर, जिनेन्द्रदेव आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'जन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'मान्' बीजाक्षर, महावीर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मान्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तेजस्वी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'रे' बीजाक्षर, रोग-जयी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, पद्मप्रभ आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, त्रिपुरारि आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वासुपूज्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'पा' बीजाक्षर, प्राणद है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, देव-देव आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**

कल्याणमंदिर का 'यु' बीजाक्षर, युग मुख्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'गं' बीजाक्षर, ज्ञानसिंधु आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'गं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नमिनाथ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**

कल्याणमंदिर का 'दे' बीजाक्षर, द्युम्नाभ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, विमलनाथ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**

कल्याणमंदिर का 'मन्' बीजाक्षर, मन्दिर है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**

कल्याणमंदिर का 'ये' बीजाक्षर, युगादिपुरुष आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ये' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महाव्रती आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'या' बीजाक्षर, युगज्येष्ठ आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'या' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, मल्लिनाथ आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'हि' बीजाक्षर, हृषीकेश आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'हि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तपनीयनिभ[1] आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'मी' बीजाक्षर, मुनिसुव्रत आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'हि' बीजाक्षर, हितसाधक आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'हि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, त्रिलोचन आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'दा' बीजाक्षर, दान्त[2] देव आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'दा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नेमिनाथ आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, देवप्रभु आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'क्षं' बीजाक्षर, संध्याभ्रबभ्रू[3] आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'क्षं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

---

१. सोने जैसा २. दानी ३. भगवान का एक नाम

कल्याणमंदिर का 'ते' बीजाक्षर, त्रयम्बक आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ते' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'ने' बीजाक्षर, नाभिज आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ने' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'ह' बीजाक्षर, हिरण्यगर्भ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ह' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'जन्' बीजाक्षर, जगतविभु आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'जन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महाविद्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं मं ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'नि' बीजाक्षर, निराहार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'मु' बीजाक्षर, मुनिदेव आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'नी' बीजाक्षर, निर्निमेष आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, शिवगणप्रभु आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, पापापेत आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'रा' बीजाक्षर, रत्नगर्भ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भर्माभ है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'वा' बीजाक्षर, विमलेश्वर आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**
कल्याणमंदिर का 'नां' बीजाक्षर, नैक-आत्मा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'नां' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**
कल्याणमंदिर का 'जा' बीजाक्षर, जगत ज्योति आहा।ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'जा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**
कल्याणमंदिर का 'तो' बीजाक्षर, तीर्थचक्र आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'तो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**
कल्याणमंदिर का 'नि' बीजाक्षर, निर्गुण न आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'नि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**
कल्याणमंदिर का 'के' बीजाक्षर, केवली है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'के' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**
कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तीर्थकृत आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**
कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नित्य नित्य आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**
कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महापद्म आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**
कल्याणमंदिर का 'हं' बीजाक्षर, हिरण्यवर्ण आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'हं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**
कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महाधैर्य आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**
कल्याणमंदिर का 'थि' बीजाक्षर, स्थाणु आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'थि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'ता' बीजाक्षर, तत्त्वतीर्थ आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ता' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, शंवद है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'या' बीजाक्षर, युगादिस्थिति आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'या' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'नाम्' बीजाक्षर, नयोतुंग आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नाम्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

यही मानता मैं स्वामी कि, पर जन्मों में मैंने देव।
तेरे चरण कमल ना पूजे, इच्छित फल जो दें स्वयमेव॥
इसीलिए तो इस भव में भी, मनोरथों का जो हर्त्तार।
पराजयों का धाम बना हूँ, कैसे हो मेरा उद्धार॥

**ॐ ह्रीं पूतपादाय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**चिन्तन न हो**
**तो चिन्ता मत करो**
**चित्स्वरूपी हो।**

## ३७.

अनर्थ निवारक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**नूनं न मोह तिमिरावृत-लोचनेन**
**पूर्वं विभो! सकृदपि प्रविलोकितोऽसि।**
**मर्माविधो विधुरयन्ति हि मामनर्थाः**
**प्रोद्यत्प्रबन्ध-गतयः कथमन्यथैते॥**

**अन्वयार्थ–(विभो)** हे स्वामिन्! **(मोहतिमिरावृतलोचनेन)** मोहरूपी अन्धकार से आच्छादित हैं नेत्र जिसके ऐसे **(मया)** मेरे द्वारा आप **(पूर्वम्)** पहले कभी **(सकृद् अपि)** एक बार भी **(नूनम्)** निश्चय से **(प्रविलोकितः न असि)** अच्छी तरह अवलोकित नहीं हुए हो अर्थात् मैंने आपके दर्शन नहीं किए **(अन्यथा हि)** नहीं तो जो **(प्रोद्यत्प्रबन्धगतयः)** जिनमें कर्मबन्ध की गति बढ़ रही है ऐसे **(एते)** ये **(मर्माविधः)** मर्मभेदी **(अनर्थाः)** अनर्थ **(माम्)** मुझे **(कथम्)** क्यों **(विधुरयन्ति)** दुखी करते ?

**अर्घ्यावली** (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'नू' बीजाक्षर, निराशंस आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नू' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'नं' बीजाक्षर, निष्किंचन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नाभेय है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'मो' बीजाक्षर, मोक्षज्ञ है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'ह' बीजाक्षर, हिरण्याक्ष आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ह' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तेजोराशि आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**

कल्याणमंदिर का 'मि' बीजाक्षर, महाशक्ति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'रा' बीजाक्षर, रत्नराशि आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**

कल्याणमंदिर का 'वृ' बीजाक्षर, वृषभनाथ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वृ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, त्रिकालदर्शी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'लो' बीजाक्षर, लोकेश है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'लो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'च' बीजाक्षर, चूढ़ामणि आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'च' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**

कल्याणमंदिर का 'ने' बीजाक्षर, नैकरूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ने' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, निरक्ष है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**

कल्याणमंदिर का 'पूर्' बीजाक्षर, प्रक्षीणबंध आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पूर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**

कल्याणमंदिर का 'वं' बीजाक्षर, व्योममूर्ति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विद्यानिधि आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**
कल्याणमंदिर का 'भो' बीजाक्षर, भूतभावन आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'भो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**
कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, सुबाहुप्रभु आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**
कल्याणमंदिर का 'कृ' बीजाक्षर, कृष्णमति आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'कृ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**
कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दमतीर्थेश आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**
कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, परमेश्वर जी आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**
कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्रभव है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**
कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विश्वशीर्ष आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**
कल्याणमंदिर का 'लो' बीजाक्षर, लोकपति आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'लो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**
कल्याणमंदिर का 'कि' बीजाक्षर, कविप्रभु आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'कि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**
कल्याणमंदिर का 'तो' बीजाक्षर, तत्त्वनिधि आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'तो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**
कल्याणमंदिर का 'सि' बीजाक्षर, संजातप्रभु आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'सि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'मर्' बीजाक्षर, महासम्पत आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'मा' बीजाक्षर, महाभद्र आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, वज्रधरप्रभु आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'धो' बीजाक्षर, धीशप्रभु आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'धो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, वीरसेन आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'धु' बीजाक्षर, धर्माराम आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'धु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रत्नज्योति आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'यन्' बीजाक्षर, युगादिज आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'यन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, त्यागगुणी आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'हि' बीजाक्षर, हिरण्यज्योति आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'हि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'मा' बीजाक्षर, मान तजी आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, मार्दव गुण आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'नर्' बीजाक्षर, निरूपद्रव आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'नर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'थाः' बीजाक्षर, स्थिवर है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'थाः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'प्रो' बीजाक्षर, प्रौषध है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्रो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'द्यत्' बीजाक्षर, दयायाग आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'द्यत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्रणेता है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'बन्' बीजाक्षर, बंधमुक्त आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'बन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'ध' बीजाक्षर, धीर-धीर आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ध' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'ग' बीजाक्षर, गूढ़गोचर आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, त्रिजगत्पति आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'यः' बीजाक्षर, योगविद्य आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'यः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कान्तिधर आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'थ' बीजाक्षर, स्थाष्णु आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'थ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'मन्' बीजाक्षर, महोदर्क आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यज्ञपति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'थै' बीजाक्षर, स्थविष्ठ है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'थै' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'ते' बीजाक्षर, त्रिदोषहर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ते' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

मोह अंध से ढके हुए हैं, मेरे दोनों नयन विशाल।
जिससे मैंने एक बार भी, तुझे न देखा ओ! जिनलाल॥
यदि दर्शन तेरे करता तो, कर्मशत्रु अतिशय बलवान।
मुझे नहीं दुख दे सकते फिर, मैं खुद बनता आप समान॥

**ॐ ह्रीं दर्शनीयाय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**स्थान समय**
**दिशा आसन इन्हें**
**भूलते ध्यानी।**

## ३८.

भगवान् बनाने वाली स्तुति

(वसन्ततिलका)

**आकर्णितोऽपि महितोऽपि निरीक्षितोऽपि**
**नूनं न चेतसि मया विधृतोऽसि भक्त्या।**
**जातोऽस्मि तेन जन-बान्धव! दुःखपात्रं**
**यस्मात्क्रियाः प्रतिफलन्ति न भाव-शून्याः॥**

**अन्वयार्थ—**अथवा **(जनबान्धव!)** हे जगत् बन्धु! **(मया)** मेरे द्वारा आप **(आकर्णितः अपि)** सुने हुए भी हैं **(महितः अपि)** पूजित भी हुए हैं और **(निरीक्षितः अपि)** अवलोकित भी हुए हैं अर्थात् मैंने आपका नाम भी सुना है, पूजा भी की है और दर्शन भी किए हैं, फिर भी **(नूनम्)** निश्चय है कि **(भक्त्या)** भक्तिपूर्वक **(चेतसि)** चित्त में **(न विधृतः असि)** धारण नहीं किए गए हो **(तेन)** उसी से मैं **(दुःखपात्रम् जातः अस्मि)** दुखों का पात्र हो रहा हूँ **(यस्मात्)** क्योंकि **(भावशून्याः)** भाव रहित **(क्रियाः)** क्रियाएँ **(न प्रतिफलन्ति)** सफल नहीं होतीं।

### अर्घ्यावली (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'आ' बीजाक्षर, आशी है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'आ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'कर्' बीजाक्षर, कर्म हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'कर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'णि' बीजाक्षर, निष्क्रिय है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'णि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'तो' बीजाक्षर, तीर्थानन्द आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, प्रवचनसार आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महोदय है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**

कल्याणमंदिर का 'हि' बीजाक्षर, हविरूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'हि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'तो' बीजाक्षर, तीर्थविभव आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, परिवृढ़ है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**

कल्याणमंदिर का 'नि' बीजाक्षर, नियमसार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'री' बीजाक्षर, रयणसार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'री' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'क्षि' बीजाक्षर, क्षांतिभाक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क्षि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**

कल्याणमंदिर का 'तो' बीजाक्षर, तत्त्वार्थसूत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, पंचास्तिकाय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**

कल्याणमंदिर का 'नू' बीजाक्षर, नुस्क नहीं आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नू' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**

कल्याणमंदिर का 'नं' बीजाक्षर, रत्नकरण्ड आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नयचक्रम् आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'चे' बीजाक्षर, चंद्रोदय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'चे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तत्त्वार्थवृत्ति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'सि' बीजाक्षर, समाधितंत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, मोक्षमार्ग आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'या' बीजाक्षर, यशस्तिलक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'या' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विद्योदय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'धृ' बीजाक्षर, धर्मशास्त्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धृ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'तो' बीजाक्षर, तत्त्वानुशासन आहा।ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'सि' बीजाक्षर, सम्यक्त्वकौमुदी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'भक्' बीजाक्षर, भक्तामर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भक्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'त्या' बीजाक्षर, तत्त्वार्थवार्तिक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्या' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'जा' बीजाक्षर, जयोदय है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'जा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'तोस्' बीजाक्षर, तिलोयपण्णति आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'तोस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'मि' बीजाक्षर, मूकमाटी आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'ते' बीजाक्षर, तत्त्वार्थविद्या आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ते' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, न्यायविनिश्चय आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'ज' बीजाक्षर, जीवकाण्ड आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, न्यायदीपिका आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'बान्' बीजाक्षर, व्याख्याप्रज्ञप्ति आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'बान्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'ध' बीजाक्षर, धवलाजी आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ध' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वैद्यसार आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'दुः' बीजाक्षर, दयोदया आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'दुः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'ख' बीजाक्षर, खटके ना आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ख' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'पा' बीजाक्षर, पाण्डव-पुराण आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'त्रं' बीजाक्षर, त्रिलोकसार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्रं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'यस्' बीजाक्षर, यशोधर है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'मात्' बीजाक्षर, मूलाचार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मात्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'क्रि' बीजाक्षर, क्रियाकोश आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क्रि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'याः' बीजाक्षर, योगशास्त्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'याः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्रमाणसंग्रह आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तत्त्वार्थसार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'फ' बीजाक्षर, फल दाता आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'फ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'लन्' बीजाक्षर, लब्धिसार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'लन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, तत्त्वसार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नीतिसार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'भा' बीजाक्षर, भाग्योदय आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, विषापहार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'शून्' बीजाक्षर, शब्दानुशासन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'शून्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'याः' बीजाक्षर, योगसार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'याः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

यद्यपि मैंने दिव्य मंत्र भी, सुने आपके बहुतों बार।
दर्शन किए रचाई पूजन, खूब लगाई जय-जयकार॥
किन्तु भक्ति से धरा न मन में, अतः बना मैं दुख का धाम।
क्योंकि क्रियाएँ भाव शून्य जो, होती हैं निष्फल निष्काम॥

**ॐ ह्रीं भक्तिहीन-जनबान्धवाय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**आपे में नहीं**
**तभी तो अस्वस्थ हो**
**अब तो आओ।**

## ३९.

दुःखीजनों के रक्षक श्री जिन

(वसन्ततिलका)

**त्वं नाथ! दुःख-जन-वत्सल! हे शरण्य!**
**कारुण्य-पुण्य-वसते! वशिनां वरेण्य!**
**भक्त्या नते मयि महेश! दयां विधाय**
**दुःखाङ्कुरोद्दलन-तत्परतां विधेहि॥**

**अन्वयार्थ—(नाथ!)** हे नाथ! **(दुःखिजनवत्सल!)** दुखियों पर प्रेम करने वाले! **(हे शरण्य!)** हे शरणागत प्रतिपालक! **(कारुण्य-पुण्यवसते!)** हे दया की पवित्र भूमि! **(वशिनाम् वरेण्य!)** हे जितेन्द्रियों में श्रेष्ठ! और **(महेश!)** हे महेश्वर! **(भक्त्या)** भक्ति में **(नते मयि)** नम्रीभूत मुझ पर **(दयाम् विधाय)** दया करके **(दुःखाङ्कुरोद्दलन-तत्परताम्)** मेरे दुखांकुर के नाश करने में तत्परता/ तल्लीनता **(विधेहि)** कीजिए।

### अर्घ्यावली (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'त्वं' बीजाक्षर, तात्पर्यवृत्ति आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्वं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'ना' बीजाक्षर, नागकुमार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ना' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'थ' बीजाक्षर, थावर ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'थ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'दुः' बीजाक्षर, द्विसंधान आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दुः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'खि' बीजाक्षर, ख्यात रहा आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'खि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**
कल्याणमंदिर का 'ज' बीजाक्षर, जात-तिलक आहा।ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**
कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नीतिवाक्य आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**
कल्याणमंदिर का 'वत्' बीजाक्षर, वज्रपंजर आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'वत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**
कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, सर्वार्थसिद्धि आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**
कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, लीला विस्तार आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**
कल्याणमंदिर का 'हे' बीजाक्षर, हरिवंशपुराण आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'हे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**
कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, सूर्यप्रज्ञप्ति आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**
कल्याणमंदिर का 'रण् बीजाक्षर, रामकथा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'रण्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**
कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, युक्तानुशासन आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**
कल्याणमंदिर का 'का' बीजाक्षर, कर्मप्रकृति आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'का' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**
कल्याणमंदिर का 'रुण्' बीजाक्षर, रिट्ठणेमी आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'रुण्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यशोधर चरित्र आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'पुण्' बीजाक्षर, पंचध्यायी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पुण्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, योगसार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वीर मार्तण्ड आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, समयकलश आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'ते' बीजाक्षर, तत्त्वार्थी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ते' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वागर्थ[१] है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'शि' बीजाक्षर, शुभाषित है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'शि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'नां' बीजाक्षर, न्यायचूल आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नां' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वाक्-सिन्धु आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'रेण्' बीजाक्षर, रत्नत्रय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रेण्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यथानाम आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

---

१. वाक्-अर्थ

कल्याणमंदिर का 'भक्' बीजाक्षर, भावसंग्रह आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भक्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'त्या' बीजाक्षर, तत्त्वालंकार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्या' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नित्यमह आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'ते' बीजाक्षर, तत्त्वनिर्णय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ते' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महापुराण आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'यि' बीजाक्षर, इष्टोपदेश आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, मदन-पराजय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'हे' बीजाक्षर, हरीराज आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'हे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, शिवकोटी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दर्शनोदय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'यां' बीजाक्षर, यमशोषक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यां' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, वीरसागर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'धा' बीजाक्षर, धन्यकुमार आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'धा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**
कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, एकत्व है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**
कल्याणमंदिर का 'दुः' बीजाक्षर, दस-भक्ति आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'दुः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**
कल्याणमंदिर का 'खां' बीजाक्षर, छत्रचूणा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'खां' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**
कल्याणमंदिर का 'कु' बीजाक्षर, काव्यानुशासन आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'कु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**
कल्याणमंदिर का 'रोद्' बीजाक्षर, रत्नचंद्र आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'रोद्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**
कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दोहा शतक आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**
कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, लघुतत्त्व आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**
कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नय विवरण आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**
कल्याणमंदिर का 'तत्' बीजाक्षर, तत्त्वप्रकाश आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'तत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**
कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, परिक्रम है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**
कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रत्नसंदोह आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'तां' बीजाक्षर, त्रिलक्षण आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तां' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, वादन्याय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'धे' बीजाक्षर, धर्मरसायन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'हि' बीजाक्षर, हरिवंश है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'हि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

हे! जनपालक दुखी जनों पर, आप बहाते प्रेम फुहार।
दीन हीन पर हे! योगीश्वर, तुम बरसाते करुणाधार॥
झुके भक्ति से विनम्र मुझ पर, दया करो हे! दयानिधान।
दुख अंकुर जल्दी नशवा दो, हे! महेश पारस भगवान॥

**ॐ ह्रीं भक्तजन-वत्सलाय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**प्रतिशोध में**
**ज्ञानी भी अन्धा होता**
**शोध तो दूर।**

## ४०.

सौभाग्य वर्धक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**निःसंख्य सार शरणं शरणं शरण्य-**
**मासाद्य सादित-रिपु-प्रथितावदानम्**
**त्वत्पाद-पंकजमपि प्रणिधान-वन्ध्यो**
**वन्ध्योऽस्मि चेद्भुवन-पावन हा हतोऽस्मि॥**

**अन्वयार्थ—(भुवनपावन!)** हे संसार को पवित्र करने वाले भगवन्! **(निःसंख्य-सारशरणम्)** असंख्यात श्रेष्ठ पदार्थों के घर की **(शरणम्)** रक्षा करने वाले **(शरण्यम्)** शरणागत प्रतिपालक और **(सादितरिपु प्रथिता-वदानम्)** कर्म-शत्रुओं के नाश से प्रसिद्ध है पराक्रम जिनका ऐसे **(त्वत्पाद-पङ्कजम्)** आपके चरणकमलों को **(आसाद्य अपि)** पाकर भी **(प्रणिधान-वन्ध्यः)** उनके ध्यान से रहित हुआ मैं **(वन्ध्यः अस्मि)** अभागा-फलहीन हूँ और **(तत्)** उससे **(हा)** खेद है कि मैं **(हतः अस्मि)** नष्ट हुआ जा रहा हूँ/कर्म मुझे दुखी कर रहे हैं।

**अर्घ्यावली** (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'निः' बीजाक्षर, नेमि-निर्वाण आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'निः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'संख्' बीजाक्षर, सप्तऋषि आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'संख्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यशगाथा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'सा' बीजाक्षर, शीलकथा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रत्नकथा आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**
कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, स्वरूप है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**
कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, राज्यमल आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**
कल्याणमंदिर का 'णं' बीजाक्षर, न्यायदीप आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'णं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**
कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, शान्तिमंत्र आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**
कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रविकथा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**
कल्याणमंदिर का 'णं' बीजाक्षर, निपुणता आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'णं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**
कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, सत्कर्म आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**
कल्याणमंदिर का 'रण्' बीजाक्षर, राजमौली[१] आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'रण्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**
कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, योगविद्या आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**
कल्याणमंदिर का 'मा' बीजाक्षर, महाविद्या आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'मा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**
कल्याणमंदिर का 'सा' बीजाक्षर, समयविद्या आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'सा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

---
१. राजमुकुट

कल्याणमंदिर का 'द्य' बीजाक्षर, दर्शनकथा आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द्य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'सा' बीजाक्षर, सिद्धार्थ है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'दि' बीजाक्षर, दानकथा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तत्त्वबोध आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'रि' बीजाक्षर, रिष्ट जयी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'पु' बीजाक्षर, पुराणकथा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्राण प्रतिष्ठा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'थि' बीजाक्षर, थिरता है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'थि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'ता' बीजाक्षर, त्रिषष्टि आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ता' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, बोधन्याय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'दा' बीजाक्षर, दम्भ हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'नम्' बीजाक्षर, नवकार है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नम्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'त्वत्' बीजाक्षर, तत्त्वशतक आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्वत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'पा' बीजाक्षर, पुण्यशासन आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'पा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दयावंत आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'पं' बीजाक्षर, पंजिका आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'पं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कथाकोष आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'ज' बीजाक्षर, जयविलास आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, मल्लिकाव्य आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, प्रतिष्ठाकर आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्रमेयरत्न आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'णि' बीजाक्षर, नैतिक है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'णि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'धा' बीजाक्षर, ध्यानस्तव आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'धा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, निश्चयपन आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'वन्' बीजाक्षर, वसुनन्दी आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'ध्यो' बीजाक्षर, ध्येयरूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ध्यो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'वन्' बीजाक्षर, विपाकसूत्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'ध्योस्' बीजाक्षर, धर्मरत्न आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ध्योस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'मि' बीजाक्षर, मातलिजल्प आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'चेद्' बीजाक्षर, चंद्रप्रज्ञप्ति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'चेद्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'भु' बीजाक्षर, भू-पालक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, बाहुबली आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नयसंग्रह आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'पा' बीजाक्षर, प्रमाप्रमेय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, बुद्धेश है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नतमस्तक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'हा' बीजाक्षर, हस्तिभाष्य आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'हा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'ह' बीजाक्षर, हरीवर्ष आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ह' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'तोस्' बीजाक्षर, ताज रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तोस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'मि' बीजाक्षर, महावृत्ति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

मित्र-बन्धु के अभाव में तो, आश्रय के प्रभु हो दातार।
पूज्य भुवन पावन पारस प्रभु, हे! शरणागत पालनहार॥
कर्म विनाशी धर्म प्रकाशी, चरण प्राप्त कर उनका ध्यान।
यदि न किया तो मरा अभागा, कैसे हो अपना कल्याण॥

**ॐ ह्रीं सौभाग्यदायक-पदकमलयुगाय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**निद्रा वासना**
**दो बहनें है जिन्हें**
**लज्जा न छूती।**

## ४१.

सर्वग्रह निवारक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**देवेन्द्र-वन्द्य! विदिताखिल-वस्तुसार!**
**संसार-तारक! विभो! भुवनाधिनाथ!**
**त्रायस्व देव! करुणाहृद्! मां पुनीहि**
**सीदन्तमद्य भयद-व्यसनाम्बुराशेः॥**

**अन्वयार्थ–(देवेन्द्रवन्द्य!)** हे इन्द्रों के वन्दनीय! **(विदिताखिल-वस्तुसार!)** हे सब पदार्थों के रहस्य को जानने वाले **(संसारतारक!)** संसार सागर से तारने वाले! **(विभो)** हे प्रभो! **(भुवनाधिनाथ!)** हे तीनों लोक के स्वामिन्! **(करुणाहृद!)** हे दया के सरोवर! **(देव!)** देव! **(अद्य)** आज **(सीदन्तम्)** दुखी होते हुए **(माम्)** मुझको **(भयद-व्यसनाम्बुराशेः)** भयंकर दुखों के सागर से **(त्रायस्व)** बचाओ और **(पुनीहि)** पवित्र करो।

### अर्घ्यावली (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'दे' बीजाक्षर, दयाकथा आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'वेन्' बीजाक्षर, विदेह रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वेन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'द्र' बीजाक्षर, देहातीत आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'वन्' बीजाक्षर, वादिराज आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'द्य' बीजाक्षर, द्विगुणिता आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द्य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विद्यानन्द आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**

कल्याणमंदिर का 'दि' बीजाक्षर, दिव्यदर्श आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'ता' बीजाक्षर, तत्त्वस्तुति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ता' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**

कल्याणमंदिर का 'खि' बीजाक्षर, खेल्लौषध आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'खि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**

कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, लघिमा गुण आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'वस्' बीजाक्षर, वाग्भट्ट आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'तु' बीजाक्षर, त्रिलोकदीप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**

कल्याणमंदिर का 'सा' बीजाक्षर, समययोग आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रत्नज्योति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**

कल्याणमंदिर का 'सं' बीजाक्षर, सुव्रत गुण आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**

कल्याणमंदिर का 'सा' बीजाक्षर, शान्तिसिन्धु आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रत्नकीर्ति आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'ता' बीजाक्षर, तर्कजयी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ता' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रत्ननन्दी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, काव्यकीर्ति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, बारहभाव आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'भो' बीजाक्षर, भोजपाल आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'भु' बीजाक्षर, भोजवंश आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, वामदेव आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'ना' बीजाक्षर, नगस्वामी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ना' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'धि' बीजाक्षर, धनंजय है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'ना' बीजाक्षर, नाथवंश आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ना' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'थ' बीजाक्षर, थिररूपा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'थ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'त्रा' बीजाक्षर, त्रिभुवनचंद्र आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्रा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'यस्' बीजाक्षर, यशोभद्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, विनयचंद्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'दे' बीजाक्षर, देवसेन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, विशाख गुरु आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कुमारसेन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'रु' बीजाक्षर, रूपसेन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'णा' बीजाक्षर, नागसेन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'णा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'ह' बीजाक्षर, हरिभद्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ह' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दुर्लभसेन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'मां' बीजाक्षर, माणिकसेन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मां' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'पु' बीजाक्षर, पद्मसेन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'नी' बीजाक्षर, नागहस्ति आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'हि' बीजाक्षर, हरिषेण आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'हि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'सी' बीजाक्षर, श्रीषेण आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'दन्' बीजाक्षर, देवऋषि आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तिरुतरक्क आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, मेघचंद आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'द्य' बीजाक्षर, देवकीर्ति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द्य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भावनन्दी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यशोनन्दी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दामनन्दी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'व्य' बीजाक्षर, व्यय न हो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व्य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, सत्वनिधि आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'नाम्' बीजाक्षर, नागवर्म आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नाम्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'बु' बीजाक्षर, ब्रह्मसेन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'बु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'रा' बीजाक्षर, रत्ननंदी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'शेः' बीजाक्षर, सुभद्रजी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'शेः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

हे! इन्द्रों के वन्दनीय विभु, विश्वतत्त्व के जाननहार।
हे! भवसागर तारक प्रभु जी, करुणा सरवर की जलधार॥
हे! त्रय जग के नाथ मुझे भी, महा दुखी भव जल से आज।
शीघ्र बचाओ शुद्ध बनाओ, सुखी करो पारस जिनराज॥

**ॐ ह्रीं सर्वपदार्थवेदिने क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**उजाले में हैं
उजाला करते हैं
गुरु को वंदूँ।**

## ४२.

अचिन्त्य फल प्रदायक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**यद्यस्ति नाथ! भवदङ्घ्रि-सरोरुहाणां**
**भक्तेः फलं किमपि संतत-संचितायाः।**
**तन्मे त्वदेक-शरणस्य शरण्य! भूयाः**
**स्वामी त्वमेव भुवनेऽत्र भवान्तरेऽपि॥**

**अन्वयार्थ–(नाथ!)** हे नाथ! **(त्वदेकशरणस्य)** केवल आप ही की है शरण जिसको ऐसे **(मे)** मुझे **(सन्ततसञ्चितायाः)** चिरकाल से एकत्रित हुई **(भवद् अङ्घ्रिसरोरुहाणाम्)** आपके चरण कमलों की **(भक्तेः)** भक्ति का **(यदि)** यदि **(किमपि फलम् अस्ति)** कुछ भी फल है **(तत्)** तो उससे **(शरण्य!)** हे शरणागत प्रतिपालक! **(त्वम् एव)** आप ही **(अत्र भुवने)** इहलोक में और **(भवान्तरे अपि)** परलोक में भी **(मे स्वामी)** मेरे स्वामी **(भूयाः)** होवें।

**अर्घ्यावली** (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'यद्' बीजाक्षर, यथेष्ठ है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यद्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'यस्' बीजाक्षर, अस्तिकाय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, त्रिभुवन-तिलक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'ना' बीजाक्षर, नवग्रह जी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ना' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'थ' बीजाक्षर, थवन रहा आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'थ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**
कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भावशुद्धि आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**
कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, ब्रह्मवैद्य आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**
कल्याणमंदिर का 'दङ्' बीजाक्षर, दंडाचार आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'दङ्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**
कल्याणमंदिर का 'घ्रि' बीजाक्षर, घातिहरण आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'घ्रि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**
कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, सारसमूह आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**
कल्याणमंदिर का 'रो' बीजाक्षर, रोधक है आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'रो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**
कल्याणमंदिर का 'रु' बीजाक्षर, रामकीर्ति आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'रु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**
कल्याणमंदिर का 'हा बीजाक्षर, हरिषेण आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'हा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**
कल्याणमंदिर का 'णां' बीजाक्षर, नागहार आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'णां' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**
कल्याणमंदिर का 'भक्' बीजाक्षर, भक्तनय आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'भक्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**
कल्याणमंदिर का 'तेः' बीजाक्षर, तरुणकीर्ति आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'तेः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'फ' बीजाक्षर, फलादेश आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥
**ॐ ह्रीं अर्हं 'फ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'लं' बीजाक्षर, लब्धियोग आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'लं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'कि' बीजाक्षर, कीर्तिकेय आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'कि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महिपाल आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, परमसुधा आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'सन्' बीजाक्षर, संचितगुण आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'सन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तोषगुणी आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, त्रिजगत्-प्रभु आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'सं' बीजाक्षर, संतशरण आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'सं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'चि' बीजाक्षर, चित्-चिन्मय आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'चि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'ता' बीजाक्षर, त्रिलोकप्राण आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'ता' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'याः' बीजाक्षर, याज्ञमार्ग आहा। ओम्...
**ॐ ह्रीं अर्हं 'याः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'तन्' बीजाक्षर, तेजरत्न आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'मे' बीजाक्षर, माणिकनंदी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'त्व' बीजाक्षर, तरुणकांति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'दे' बीजाक्षर, देवयोग आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कमलप्रमेय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, शामदेव आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रत्नभूति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'णस्' बीजाक्षर, न्यायतर्क आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'णस्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, युक्तिमणि आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'श' बीजाक्षर, शकटायन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'श' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'रण्' बीजाक्षर, रत्नयोग आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रण' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, यागकर्म आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'भू' बीजाक्षर, भविष्यकथा आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भू' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'याः' बीजाक्षर, योगमार्ग आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'याः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'स्वा' बीजाक्षर, समंतभद्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स्वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'मी' बीजाक्षर, मीमांसा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मी' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'त्व' बीजाक्षर, तत्त्ववृत्ति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'मे' बीजाक्षर, महाब्रह्म आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, विद्या दे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'भु' बीजाक्षर, भरतकथा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, ब्रह्मविद्या आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'ने' बीजाक्षर, न्यायसूरी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ने' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'त्र' बीजाक्षर, त्रिकर्महर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'भ' बीजाक्षर, भावभंग आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'वान्' बीजाक्षर, वरांग है आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वान्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तत्त्वयोग आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'रे' बीजाक्षर, रत्नमंजू आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रे' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'पि' बीजाक्षर, प्रभाचंद्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

मेरी एक हि शरण आप हो, शरणभूत हे! पारसनाथ।
तभी आपके चरण कमल की, भक्ति रचाई टेका माथ॥
यदि कुछ भी उससे संचित हो, तो चाहूँ बस इतना दाम।
इस भव में भी परभव में भी, दिल में हो बस पारसनाम॥

**ॐ ह्रीं पुण्य-बहुजन-सेव्याय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**शिव पथ के**
**कथन वचन भी**
**शिरोधार्य हो।**

## ४३.

अमंगल-अनिष्ट निवारक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**इत्थं समाहित-धियो विधिवज्जिनेन्द्र!**
**सान्द्रोल्लसत्पुलक - कंचुकितांग - भागाः।**
**त्वद्बिम्ब - निर्मल - मुखाम्बुज - बद्धलक्ष्या**
**ये संस्तवं तव विभो! रचयन्ति भव्याः॥**

**अन्वयार्थ–(जिनेन्द्र!)** हे जिनेन्द्र! **(ये भव्याः)** जो भव्यजन **(इत्थम्)** इस तरह **(समाहितधियः)** सावधान बुद्धि से युक्त हो **(त्वद् बिम्बनिर्मल-मुखाम्बुजबद्धलक्ष्याः)** आपके निर्मल मुखकमल की ओर अपलक लक्ष्य करके **(सान्द्र-उल्लसत्पुलककञ्चुकिताङ्गभागाः)** सघन-रूप से उठे हुए रोमांचों से व्याप्त शरीर के अवयव जिनके ऐसे **(सन्तः)** होते हुए **(विधिवत्)** विधिपूर्वक **(तव)** आपका **(संस्तवम्)** स्तवन **(रचयन्ति)** रचते हैं।

**अर्घ्यावली** (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'इत्' बीजाक्षर, इष्टदेव आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'इत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'थं' बीजाक्षर, थंभ रूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'थं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'स' बीजाक्षर, सन्निधि है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'मा' बीजाक्षर, माघनंदी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'हि' बीजाक्षर, हेमचंद्र आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'हि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तपसकीर्ति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**

कल्याणमंदिर का 'धि' बीजाक्षर, धैर्यनन्दी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'यो' बीजाक्षर, योगतत्त्व आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, वृत्तिविलास आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**

कल्याणमंदिर का 'धि' बीजाक्षर, धरसेन है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'धि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'वज्' बीजाक्षर, वज् बलि आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वज्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'जि' बीजाक्षर, जसहरचरयु आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'जि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**

कल्याणमंदिर का 'नेन्' बीजाक्षर, नीति-निपुण आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नेन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**

कल्याणमंदिर का 'द्र' बीजाक्षर, द्रव्यभाव आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**

कल्याणमंदिर का 'सान्' बीजाक्षर, शलाका पुरुष आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सान्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**

कल्याणमंदिर का 'द्रो' बीजाक्षर, देवतत्त्व आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द्रो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, लोकप्रिय आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'सत्' बीजाक्षर, शान्तिनाथ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सत्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'पु' बीजाक्षर, परमार्थ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, लोकसार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'क' बीजाक्षर, कर्मकथा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'कञ्' बीजाक्षर, करकण्डु आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'कञ्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'चु' बीजाक्षर, चेतनगुण आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'चु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'कि' बीजाक्षर, कर्मकथन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'कि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'तां' बीजाक्षर, त्रीरत्न आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'तां' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'ग' बीजाक्षर, गणितसार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'भा' बीजाक्षर, भोगत्याग आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'गाः' बीजाक्षर, गणित संग्रह आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'गाः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'त्वद्' बीजाक्षर, तत्त्ववार्ता आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्वद्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'बिम्' बीजाक्षर, बिम्बसार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'बिम्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'ब' बीजाक्षर, बलभद्र है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ब' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'निर्' बीजाक्षर, नीतिपाठ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'निर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, महातत्त्व आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, लब्धिपाठ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'मु' बीजाक्षर, मुख्यवृत्ति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'खाम्' बीजाक्षर, खटोलगीत आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'खाम्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'बु' बीजाक्षर, बंध भंग आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'बु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'ज' बीजाक्षर, जैनोदय आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'बद्' बीजाक्षर, वीर विद्या आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'बद्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

कल्याणमंदिर का 'ध' बीजाक्षर, धन्यभाग आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ध' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४०॥**

कल्याणमंदिर का 'लक्ष्' बीजाक्षर, लक्ष्यसाध्य आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'लक्ष्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४१॥**

कल्याणमंदिर का 'या' बीजाक्षर, यशोहर्ष आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'या' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४२॥**

कल्याणमंदिर का 'ये' बीजाक्षर, एक भंग आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ये' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४३॥**

कल्याणमंदिर का 'सं' बीजाक्षर, श्रोतृ हरण आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४४॥**

कल्याणमंदिर का 'स्त' बीजाक्षर, स्तब्ध है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स्त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४५॥**

कल्याणमंदिर का 'वं' बीजाक्षर, वैद्यशास्त्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४६॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, त्रेपनक्रिया आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४७॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, विद्यालंकार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४८॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विश्वचंद्र आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४९॥**

कल्याणमंदिर का 'भो' बीजाक्षर, भक्तिकोश आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५०॥**

कल्याणमंदिर का 'र' बीजाक्षर, रत्नप्राप्ति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५१॥**

कल्याणमंदिर का 'च' बीजाक्षर, चरणसार आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'च' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५२॥**

कल्याणमंदिर का 'यन्' बीजाक्षर, यथाशक्ति आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५३॥**

कल्याणमंदिर का 'ति' बीजाक्षर, त्रिवैद्यक आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ति' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५४॥**

कल्याणमंदिर का 'भव्' बीजाक्षर, भव्यपेट आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भव्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५५॥**

कल्याणमंदिर का 'याः' बीजाक्षर, यथारूप आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'याः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५६॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

हे! जिनवर प्रभु भव्य जीव जो, सावधान धर बुद्धि विवेक।
निर्मल प्रभु मुख कमल निहारे, अपलक सादर घुटने टेक॥
बहुत-बहुत पुलकित तन मन से, करके प्रभु पारस से राग।
विधिवत् भक्ति गीत रचते वो, जगा रहे अपना सौभाग्य॥

**ॐ ह्रीं जन्म-मृत्यु-निवारकाय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

**आशा जीतना**
**श्रेष्ठ निराशा से तो**
**सादगी भली।**

## ४४.

क्रमशः मोक्षफल प्रदायक स्तुति

(वसन्ततिलका)

**जननयन 'कुमुदचन्द्र' प्रभास्वराः स्वर्गसम्पदो भुक्त्वा।**
**ते विगलित-मलनिचया अचिरान्मोक्षं प्रपद्यन्ते॥**

**अन्वयार्थ–(ते)** वे **(जननयनकुमुदचन्द्र!)** हे प्राणियों के नेत्ररूपी कुमुदों-कमलों को विकसित करने के लिए चन्द्रमा की तरह शोभायमान देव! **(प्रभास्वराः)** देदीप्यमान **(स्वर्गसम्पदः)** स्वर्ग की विभूतियों को **(भुक्त्वा)** भोगकर **(विगलितमलनिचयाः 'सन्तः')** कर्मरूपी मल-समूह से रहित हो **(अचिरात्)** शीघ्र ही **(मोक्षम् प्रपद्यन्ते)** मुक्ति को प्राप्त करते हैं।

### अर्घ्यावली (विष्णु)

कल्याणमंदिर का 'ज' बीजाक्षर, जगतपाल आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ज' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, नयमार्गी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२॥**

कल्याणमंदिर का 'य' बीजाक्षर, योग्यधर्म आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'य' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३॥**

कल्याणमंदिर का 'न' बीजाक्षर, निर्वाण है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'न' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥४॥**

कल्याणमंदिर का 'कु' बीजाक्षर, उच्चस्थान आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'कु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥५॥**

कल्याणमंदिर का 'मु' बीजाक्षर, मोक्षधाम आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मु' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥६॥**

कल्याणमंदिर का 'द' बीजाक्षर, दिव्यधाम आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥७॥**

कल्याणमंदिर का 'चन्' बीजाक्षर, चन्द्रकीर्ति आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'चन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥८॥**

कल्याणमंदिर का 'द्र' बीजाक्षर, द्रव्यदृष्टि आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'द्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥९॥**

कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्रभापुंज आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्र' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१०॥**

कल्याणमंदिर का 'भास्' बीजाक्षर, भासित है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भास्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥११॥**

कल्याणमंदिर का 'व' बीजाक्षर, विमुक्त है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'व' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१२॥**

कल्याणमंदिर का 'राः' बीजाक्षर, राजपाठ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'राः' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१३॥**

कल्याणमंदिर का 'स्वर्' बीजाक्षर, स्वरलहरी आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'स्वर्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१४॥**

कल्याणमंदिर का 'ग' बीजाक्षर, ज्ञान सदन आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१५॥**

कल्याणमंदिर का 'सम्' बीजाक्षर, सम्पदा है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'सम्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१६॥**

कल्याणमंदिर का 'प' बीजाक्षर, पुंज रहा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१७॥**

कल्याणमंदिर का 'दो' बीजाक्षर, दोलक ना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'दो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१८॥**

कल्याणमंदिर का 'भुक्' बीजाक्षर, भुक्त नहीं आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'भुक्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥१९॥**

कल्याणमंदिर का 'त्वा' बीजाक्षर, तूफान हर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त्वा' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२०॥**

कल्याणमंदिर का 'ते' बीजाक्षर, तेज पुंज आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ते' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२१॥**

कल्याणमंदिर का 'वि' बीजाक्षर, विमोक्ष है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'वि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२२॥**

कल्याणमंदिर का 'ग' बीजाक्षर, ज्ञान चेतना आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ग' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२३॥**

कल्याणमंदिर का 'लि' बीजाक्षर, लिंग चिह्न आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'लि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२४॥**

कल्याणमंदिर का 'त' बीजाक्षर, तना तुल्य आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'त' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२५॥**

कल्याणमंदिर का 'म' बीजाक्षर, मुक्तिरमा आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'म' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२६॥**

कल्याणमंदिर का 'ल' बीजाक्षर, लय साधो आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ल' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२७॥**

कल्याणमंदिर का 'नि' बीजाक्षर, निष्कर्म है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'नि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२८॥**

कल्याणमंदिर का 'च' बीजाक्षर, चरम देह आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'च' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥२९॥**

कल्याणमंदिर का 'या' बीजाक्षर, याज्ञ सजे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'या' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३०॥**

कल्याणमंदिर का 'अ' बीजाक्षर, अनुपम गति आहा।
ओम् ह्रीं श्रीं क्लीं पार्श्व-जिनेन्द्राय नमो नमः स्वाहा॥

**ॐ ह्रीं अर्हं 'अ' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३१॥**

कल्याणमंदिर का 'चि' बीजाक्षर, चिरंजीव आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'चि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३२॥**

कल्याणमंदिर का 'रान्' बीजाक्षर, राजी है आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'रान्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३३॥**

कल्याणमंदिर का 'मो' बीजाक्षर, मोक्षमहल आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'मो' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३४॥**

कल्याणमंदिर का 'क्षं' बीजाक्षर, क्षेमंकर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'क्षं' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३५॥**

कल्याणमंदिर का 'प्र' बीजाक्षर, प्रलय हरे आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'प्रि' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३६॥**

कल्याणमंदिर का 'पद्' बीजाक्षर, पद्माकर आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'पद्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३७॥**

कल्याणमंदिर का 'यन्' बीजाक्षर, यंत्र पीठ आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'यन्' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३८॥**

कल्याणमंदिर का 'ते' बीजाक्षर, तेजज्ञान आहा। ओम्...

**ॐ ह्रीं अर्हं 'ते' बीजाक्षर संयुक्त श्रीपार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अर्घ्यं...॥३९॥**

## पूर्णार्घ्य

**(मात्रिक सवैया/आल्हा)**

नेत्र कमल उन भक्त जनों के, चंदा जैसे करें प्रकाश।
उज्ज्वल उज्ज्वल स्वर्गलोक का, वैभव भोगें भोग विलास॥
शीघ्र अन्त में कर्म नशाकर, मोक्ष-महल में करें निवास।
तो दुख संकट उनको हों क्या, जो हैं पारस प्रभु के खास॥

**ॐ ह्रीं कुमुदचन्द्र-यतिसेवित-पादाय क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय पूर्णार्घ्यं...।**

**जाप्य मंत्र—ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं अर्हं श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय नमो नमः।**

## समुच्चय जयमाला

**(दोहा)**

कल्याणमंदिर स्तोत्र से, पार्श्वनाथ के नाम।
श्रेष्ठ धर्म जिन भक्ति को, नमोऽस्तु करें प्रणाम॥

**(चौपाई)**

कुमुदचन्द्र आचार्य प्रवर की, श्री कल्याण महा मंदिर की।
आओ! महिमा गीत सुनाएँ, पार्श्वनाथ प्रभु के गुण गाएँ॥१॥
ये ऐसे स्तोत्र पाठ हैं, जिनके जग में ठाठ-बाठ हैं।
जो भी इनके आश्रित होते, जीवन में वो कभी न रोते॥२॥
इच्छित कार्य उन्हीं के पूरे, जग में रहते नहीं अधूरे।
उनको रोग शोक दुख पीड़ा, कभी न हो सकती भवक्रीड़ा॥३॥
असमय उनका निधन न होगा, दीन हीन जीवन न होगा।
विष बाधा भय नहीं किसी का, वैर विरोध न रहे किसी का॥४॥
इसके अनुयाई यश पाते, सुख सम्मान महापद पाते।
और कहें क्या उनकी गाथा, होता स्वयं स्वयं से नाता॥५॥
रत्नत्रय के बनते स्वामी, ज्ञानी ध्यानी शुद्ध विरामी।
जग पूजित अरिहन्त बनेंगे, मुक्तिवधू के कन्त बनेंगे॥६॥
हम तो सादर करें नमोऽस्तु, सदा धर्म की करें जयोऽस्तु।
तेरा मंगल मेरा मंगल, हे प्रभु करना सबका मंगल॥७॥
यही भावना नाथ! हमारी, हम भी पाएँ छाँव तुम्हारी।
'सुव्रतसागर' पर हो करुणा, मिलती रहे गुरु प्रभु शरणा॥८॥

**ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं महाबीजाक्षरसहित श्री पार्श्वनाथ-जिनेन्द्राय अनर्घपदप्राप्तये समुच्चयजयमाला पूर्णार्घ्यं...।**

(दोहा)

पार्श्वनाथ स्वामी करें, विश्वशान्ति कल्याण।
प्रासुक जल की धार दे, हम पूजत भगवान॥

(शान्तये शान्तिधारा)

कल्पवृक्ष के पुष्प सम, पुष्पांजलि पद लाए।
भवदुःखों को मेंट दो, पार्श्वनाथ जिनराय॥

(पुष्पांजलिं...)

===

## प्रशस्ति

(दोहा)

कोरोना के काल में, शरद पूर्णिमा योग।
कल्याणमंदिर विधान का, बीजाक्षर संयोग॥
पार्श्वनाथ की भक्ति ही, रही प्रेरणा स्रोत।
कमियाँ अतः सुधार कर, शुद्ध पढ़ें स्तोत्र॥
शिवपुरी में पूरा हुआ, दो हजार सन बीस।
विद्या के 'सुव्रत' रचें, गुरु प्रभु को नत शीश॥

॥इति शुभम् भूयात्॥

## महार्घ्य

(हरिगीतिका)

अर्हंत सिद्धाचार्य आदि, देव परमेष्ठी भजें।
रत्नत्रयी दसधर्म पूजें, भावना सोलह भजें॥
कृत्रिम अकृत्रिम बिम्ब आलय, हम भजें त्रयलोक के।
अनुयोग चारों तीर्थ पाँचों, पूजते हम ढोक दे॥
प्रभु नाम कल्याणक भजें, नंदीश्वरा मेरु भजें।
श्री सिद्ध-अतिशयक्षेत्र पूजें, तीस चौबीसी भजें॥
मन से वचन से काय से हम, जैनशासन पूजते।
जिन पूजकर निज प्राप्ति हेतु, चेतना सुख खोजते॥

(दोहा)

सर्व पूज्य को हम भजें, आत्मसिद्धि के काज।
महा अर्घ्य ले पूजते, करके नमोऽस्तु आज॥

**ॐ ह्रीं भावपूजा-भाववन्दना-त्रिकालपूजा-त्रिकालवन्दना-कृत-कारित-अनुमोदना-विषये श्री अर्हंत-सिद्ध-आचार्य-उपाध्याय-सर्वसाधु-रूप-पंच-परमेष्ठिभ्यो नमः। प्रथमानुयोग-करणानुयोग-चरणानुयोग-द्रव्यानुयोग-रूप-द्वादशांग-जिनागमेभ्यो नमः। उत्तमक्षमादि-दशलक्षण-धर्मेभ्यो नमः। दर्शनविशुद्ध्यादि-षोडशकारणेभ्यो नमः। सम्यग्दर्शन-ज्ञान-चारित्रेभ्यो नमः। उर्ध्वलोक-मध्यलोक-अधोलोक-संबंधिनः-त्रिलोक-स्थित-कृत्रिम-अकृत्रिम-जिनबिम्बेभ्यो नमः। विदेहक्षेत्र-स्थित-विद्यमान-विंशति-तीर्थंकरेभ्यो नमः। पंचभरत-पंचयेरावत-दशक्षेत्र-संबंधिनः त्रिंशत्-चतुर्विंशति-संबंधिनः-सप्तशतक-विंशति तीर्थंकरेभ्यो नमः। नंदीश्वरद्वीप-संबंधिनः-द्विपंचाशत्-जिनालयस्थ-पंचसहस्त्र-षट्शतक-षोडश-जिनबिम्बेभ्यो नमः। पंचमेरु-सम्बधी-अशीति जिनालयस्थ-अष्टसहस्त्र-षट्शतक-चत्वारिंशत्-जिनबिम्बेभ्यो नमः। श्रीसम्मेदशिखर-अष्टापद-गिरनार-चम्पापुर-पावापुर-कुंडलपुर-पवाजी-सोनागिरादि-सिद्धक्षेत्रेभ्यो नमः। जैनबद्री-मूढ़बद्री-हस्तिनापुर-**

**तिजारा-पद्मपुरा-महावीरजी-हाटकापुरा-खंदारजी-चौबीसी-चंदेरी आदि-अतिशयक्षेत्रेभ्यो नमः। श्रीवृषभादि-वीरान्त-चतुर्विंशति-तीर्थंकरादि- नवदेवता-जिनसमूहेभ्यो-जलादि-महार्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा।**

## शान्तिपाठ

**(हरीगीतिका)**

हम इन्द्र चक्री तो नहीं बस, मूढ़ जैसे भक्त हैं।
धन ज्ञान वा सम्यक् क्रिया की, शास्त्र विधि से रिक्त हैं॥
बस आपके श्रद्धालु हैं हम, भक्ति को मजबूर हों।
सो गल्तियाँ होना सहज हैं, जो क्षमा से दूर हों॥
तुम तो क्षमा अवतार हो, प्रभु दान दो उत्तम क्षमा।
तो हम क्षमाधारी बनें कुछ, पुण्य पूजा से कमा॥
जब तक क्षमा का धाम निज में, ना मिले विश्राम तो।
तब तक मिले अर्हंत शरणा, सिद्ध प्रभु का ध्यान हो॥

**(दोहा)**

परमेष्ठी नवदेवता, चौबीसों भगवान।
पाप हरें सुख शान्ति दें, करें विश्व कल्याण॥

**(जल धारा...)**

अपने उर में बह उठे, विश्व शान्ति की धार।
कर्मों के ग्रह शान्ति को, नमोऽस्तु बारम्बार॥

**(चंदन धारा...)**

**(हरीगीतिका)**

अभ्यास शास्त्रों का करें, निर्ग्रन्थ गुरु की अर्चना।
हो विश्व शान्ति आत्म शान्ति, पूर्ण हो यह प्रार्थना॥
हों रोग ना व्याधि किसी को, खेद ना दुख कष्ट हों।
मौसम सदा अनुकूल होवे, जीव ना पथ भ्रष्ट हों॥

(दोहा)

परमेष्ठी का मंत्र जो, महामंत्र णमोकार।
हम सब मिलकर अब यहाँ, मत्र जपें नौ बार॥

(पुष्पांजलिं... कायोत्सर्गं...)

## विजर्सन पाठ

(दोहा)

ज्ञान और अज्ञान से, रही भूल जो नाथ।
आगम-विधि वो पूर्ण हो, पाकर तेरा हाथ॥
मंत्रादिक से हीन मैं, नहिं पूजन का ज्ञान।
मुझे क्षमा कर दीजिये, चरण शरण का दान॥
शीश झुकाऊँ आज मैं, हो पूजा सम्पन्न।
पाप हरो मंगल करो, करो मुझे प्रभु धन्य॥

**ॐ ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रौं ह्रः अ सि आ उ सा नमः अर्हदादि परमेष्ठिनः पूजन विधिं विसर्जनं करोमि। अपराध क्षमापणं भवतु।** (कायोत्सर्गं...)

===

**आस्था व बोध**
**संयम की कृपा से**
**मंजिल पाते।**

## महिमा—कल्याणमंदिर स्तोत्र

(लय—श्री सिद्धचक्र का पाठ...)

श्री पार्श्वनाथ का पाठ, करो दिन रात, ठाठ से प्राणी।
हो हम सबको कल्याणी॥
श्री पार्श्वनाथ जिनराजा जी, अतिशयकारी महाराजा जी।
हैं संकटमोचक विघ्नविनाशक स्वामी, जय-जय हो अंतर्यामी॥
श्री पार्श्वनाथ का पाठ...।
प्रभु जाप रोग दुख हर्त्ता है, संसार मोक्ष सुख कर्त्ता है।
सो इन्द्र नरेन्द्र सुरेन्द्र करें प्रणमामि, आशीष मिले वरदानी॥
श्री पार्श्वनाथ का पाठ...।
आशीष प्रभु का पाने को, नर जीवन सफल बनाने को।
हम करें भक्ति प्रभु पूजा कर्म विरामी, सो सिद्ध बनें आगामी॥
श्री पार्श्वनाथ का पाठ...।
बस पूरी कर दो ये इच्छा, सुख शान्ति मिले मंगल शिक्षा।
सो 'सुव्रत' गाएँ प्रभु की कथा कहानी, बन जाएँ ज्ञानी-ध्यानी॥
श्री पार्श्वनाथ का पाठ...।

===

**कुछ भी नहीं**
**करना पड़े ऐसा**
**कुछ कीजिए**

## श्री कल्याणमंदिर—आरती

(छूम छूम छना...ननना...)

छूम छूम छना ननना बाजे, बाबा करूँ आरतिया।
करूँ आरतिया बाबा करूँ आरतिया॥ छूम छूम....
कल्याणमंदिर अतिशयकारी, पार्श्वनाथ की महिमा न्यारी-२
हम सब के जिनराजा, बाबा करूँ आरतिया॥ करूँ...
अश्वसेन के राज दुलारे, वामा की आँखों के तारे-२
जन्म बनारस धारे, बाबा करूँ आरतिया॥ करूँ...
कर्म रोग उपसर्ग विजेता, मोक्षमार्ग भक्तों के नेता-२
मुक्तिवधू के स्वामी, बाबा करूँ आरतिया॥ करूँ...
दुख संकट भय भूत मिटाओ, ऋद्धि-सिद्धि सुखशान्ति दिलाओ-२
'सुव्रत' को भी तारो, बाबा करूँ आरतिया॥ करूँ...

===

**गुरु ने मुझे**
**प्रकट कर दिया**
**दीया दे दिया।**

## आरती—श्री पार्श्वनाथ स्वामी

(लय : टन टना टन...)

झालर घंटी देख आरती, हम तो नाचें रे।
हम क्या नाचें बाबा सारी दुनियाँ नाचे रे।
झूम-झूम-झूम, झूम-झूम सारी दुनियाँ नाचे रे॥
भक्तों को भगवान् मिले हैं, प्यारे पारसनाथ।
जिनकी भक्ति करने सबका, झुक जाता है माथ।
ढोल मंजीरा ताली बाजे[२], घुँघरू बाजे रे॥
हम क्या नाचें .....॥ १॥
तुमने सारी दुनियाँ त्यागी, त्यागे कौन तुम्हें।
तभी शरण में हम आए हैं, देखो नाथ हमें।
सूरज चाँद सुरासुर तेरे[२], यश को बाँचें रे॥
हम क्या नाचें .....॥ २॥
अश्वसेन वामा के नंदन, बालयति परमेश।
दुख संकट उपसर्गविजेता, धरे दिगम्बर भेष।
आतम परमातम के रसिया[२], तुम ही साँचे रे॥
हम क्या नाचें .....॥ ३॥
मुँह माँगा वरदान मिला है, जिन श्रद्धालु को।
तुमसे तुमको माँग रहे हम, दान दयालु दो।
'सुव्रत' की झोली भर दो बिन[२], परखे जाँचे रे॥
हम क्या नाचें .....॥ ४॥

===

## आचार्यश्री की आरती

**(तर्ज : कैसे धरे मन धीरा रे-तीनों...)**

गुरुवर की हो रई जय-जय रे, आरतिया उतारौ।
हाँ-हाँ रे! आरतिया उतारौ॥
मल्लप्पा श्रीमति के मौड़ा[२], ज्ञान गुरु से नाता जोड़ा[२]
शिष्य बनें गुरु स्वामी रे, गुरु-चरणा पखारौ,
हाँ-हाँ रे, आरतिया उतारौ॥
थाल सजाऔ दीप जलाऔ, मंगल-मंगल महिमा गाऔ॥
नाचौ, गाऔ, झूमौ रे, गुरु-मूरत निहारौ,
हाँ-हाँ रे, आरतिया उतारौ॥
चलते फिरते तीरथ गुरुजी, सब खौं भव से तारत गुरुजी॥
गुरु की शरणा पाऔ रे, गुरुवर खौं पुकारौ,
हाँ-हाँ रे, आरतिया उतारौ॥
नगन दिगम्बर चारितधारी, ज्ञानी ध्यानी पाप निवारी॥
जगत्-पूज्य परमेष्ठी रे; मोरी किस्मत सँवारो,
हाँ-हाँ रे, आरतिया उतारौ॥
गुरु दयालु करुणाधारी, अब तौ सुन लो विनय हमारी॥
मुस्का कैं 'सुव्रत' खौं तारो रे, भव दुख सै निकारौ,
हाँ-हाँ रे, आरतिया उतारौ॥

===